आज का पंचांग

बुधवार, 11 दिसंबर, 2024
तिथि-एकादशी-25:07 तक
नक्षत्र-रेवती-06:56 तक
प्रथम करण-वणिजा-14:26 तक
द्वितीय करण-विष्टि-25:07 तक
पक्ष-शुक्ल
योग-वरीधा-18:39 तक
सूर्योदय-07:07/सूर्यास्त-17:20
चंद्रमा-मीन
राहुकाल-12:13-13:30
विक्रमी संवत-2081
शक संवत-1946
मास-मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्त-अभिजीत-कोई नहीं

इंडिया न्यूज

www.indianews.in

10

प्रीति जिंटा का तीन साल पहले लगाया पौधा अब हुआ बड़ा...

जयपुर | वर्ष-02 अंक 338, जयपुर, पृष्ठ-12, बुधवार, 11 दिसंबर 2024, विक्रमी संवत 2081, शक सम्वत-1946, पूर्णिमांत-मार्गशीर्ष,17 प्रविष्टे 24 रज्जब हिजरी, 1445, अमांत-मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष एकादशी, मूल्य, 3.00 रुपए

पहले दिन प्रधानमंत्री के कारण व्यवस्था दुरुस्त थी किंतु दूसरे दिन भटकते दिखाई दिए प्रतिभागी, न सेशन का पता और ना ही गेस्ट का, लोग खोजते रहे हॉल

सोनू निगम ने सीएम के रवैये पर जताई नाराजगी, व्यवस्थाओं से डेलीगेट्स 'नाखुश'

इंडिया न्यूज

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का पहला दिन बेहद शानदार रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मुक्त कंठ से सराहना की। इसके विपरीत आयोजन स्थल जेईसीसी में मंगलवार को कुछ अलग ही नजारा देखने को मिला। सोमवार रात को डेलीगेट्स और इन्वेस्टर्स के सम्मान में होटल रामबाग पैलेस में सरकार की ओर से एक बड़ी पार्टी आयोजित की गई। इसमें बॉलीवुड सिंगर को बुलाया गया। इनमें बड़े कलाकारों में सोनू निगम भी शामिल थे। हुआ यूं कि रात को जब सोनू निगम स्टेज पर परफॉर्म करने लगे तो मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा उठकर चले गए और उनके जाते ही मंत्री और डेलीगेट्स भी जाने लगे। यह बात सोनू निगम को नागवार गुजरी। इसके बाद देर रात उन्होंने अपनी नाराजगी का वीडियो सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री और खेल मंत्री के साथ ही सरकार के खिलाफ जारी किया। जेईसीसी के पंडाल में सेशन से ज्यादा चर्चा मंगलवार को सोनू निगम के वीडियो की होती नजर आई। उधर, सरकार के मंत्री भी इसका कोई जवाब नहीं दे पाए। सोनू निगम ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

को नसीहत देते हुए वीडियो में कहा कि मेरा आपसे निवेदन है कि अगर आपको जाना है तो आया ही मत करो। शो से पहले ही चले जाया करो। मुझे मालूम है कि आप महान लोग हैं। आप बहुत बड़ी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। शो में बैठकर अपना टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए। आपको पहले ही चले जाना चाहिए। वीडियो में उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान का बहुत अच्छा कार्यक्रम रहा। इसमें बहुत सारे नामी लोग मौजूद थे। देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए डेलिगेट्स ने इसमें शिरकत की। ये लोग राजस्थान की शान बढ़ाने के लिए शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, युवा एवं खेल मंत्री जैसे लोग थे। अंधेरे की वजह से बहुत लोगों को मैं देख भी नहीं पाया। शो के बीच में मैंने देखा कि मुख्यमंत्री और खेल मंत्री समेत कई मंत्री उठकर चले गए। उनके जाते ही जितने भी डेलिगेट्स थे, वे भी चले गए।

यह सरस्वती का अपमान है

सोनू निगम यहीं नहीं रुके। उन्होंने वीडियो में कहा कि मेरा यह निवेदन सारे पॉलिटिशियन से है कि आप ही अगर अपने आर्टिस्ट की कद्र नहीं करेंगे तो बाहर के लोग क्या करेंगे। वे भी क्या सोचते होंगे। मैंने कई देशों में कन्सर्ट किया है। वहां ऐसा नहीं देखा। किसी भी आर्टिस्ट के परफॉर्मेंस के बीच में उठकर चले जाना, कला की बेकद्री है। यह सरस्वती का अपमान है। सोनू निगम ने कहा कि जब ये लोग गए तो मुझे बहुत लोगों के संदेश मिले कि सोनू आपको ऐसे शो नहीं करने चाहिए। पॉलिटिशियन के लिए आपको परफॉर्म नहीं करना चाहिए।

खाने के भी वीडियो हुए वायरल : इतना ही नहीं, राइजिंग राजस्थान के खाने के भी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसमें डेलीगेट्स के लिए बने डोम में खाना ही खत्म हो गया। वहीं, कई डेलीगेट्स तीन दिन के लिए जयपुर पहुंचे और एक ही दिन में लौट गए। लोगों का कहना था कि सरकार को व्यवस्थाओं में सुधार करना चाहिए था।

गेस्ट को हॉल की जानकारी ही नहीं

इधर, जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन के बाद अलग-अलग सेक्टर पर सेशन का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री समेत कई मंत्री शामिल हुए। इस दौरान कई विषयों पर असरदार सेशन हुए, लेकिन सेशन की किसी को जानकारी सही तरीके से नहीं दी गई। गेस्ट कौन है, इस बात की भी सूचना प्रसारित नहीं की गई। साथ ही कार्यक्रम स्थान को हॉल 1 से 4 तक का नाम दिया गया। यही जानकारी सभी गेस्ट और डेलीगेट्स को दी गई, जबकि मौके पर किसी हॉल का नंबर नहीं लिखा हुआ था। वहीं, हॉल को ए, बी, ई आदि नाम दिए गए। इससे लोग भटकते हुए नजर आए। डेलीगेट्स और निवेशकों ने इस पर बेहद नाराजगी जाहिर की।

न्यूज ब्रीफ

उप राष्ट्रपति धनखड़ आज आएंगे जयपुर, कौशल विकास केंद्र का करेंगे लोकार्पण

जयपुर। सूक्ष्म और लघु उद्योगों के अखिल भारतीय संगठन लघु उद्योग भारती की ओर से सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में नवनिर्मित सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र का लोकार्पण बुधवार दोपहर 3 बजे किया जाएगा। इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि होंगे। उप राष्ट्रपति बुधवार को ही नई दिल्ली से जयपुर आएंगे। लोकार्पण से पूर्व मंगलवार को भवन में वेद मंत्रों के समवेत स्वर के साथ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हवन का किया गया। केंद्र के प्रणेता और लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाश चंद्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताराचंद गोयल, प्रदेश अध्यक्ष शांतिलाल बालड़, जोधपुर प्रांत संयुक्त महासचिव सुरेश बिश्नोई, नवरतन नागानिया और सुनीता शर्मा ने हवन में आहुतियां दीं। संगठन के राष्ट्रीय सचिव नरेश पारीक, अरुण जाजोदिया, नटवरलाल अजमेरा, महेंद्र खुराना ने सपत्नीक हवन में सहभागिता की। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाश चंद्र ने कहा कि यह कौशल केंद्र प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में उद्यमी शामिल होंगे।

राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों का डीए बढ़ा, एक जुलाई से 12 और 7 प्रतिशत की वृद्धि

जयपुर। प्रदेश के राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स को भजन लाल सरकार ने सरकार की सालगिरह पर बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ता (डीए) में वृद्धि की है। यह महंगाई भत्ता पांचवें और छठे वेतनमान के अंतर्गत दिया गया है। महंगाई भत्ते में 1 जुलाई से 12 और 7 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। भजन लाल सरकार की ओर से पांचवें और छठे वेतनमान के अंतर्गत राज्य के कर्मचारियों और पेंशनधारियों को बढ़ा हुआ डीए 1 जुलाई से मिलेगा। सरकार 1 जुलाई से अब तक का एरियर कर्मचारियों और पेंशनरों को देगी। महंगाई भत्ते के प्रस्ताव का अनुमोदन डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कर दिया है। दीया कुमारी ने बताया कि इस निर्णय के परिणामस्वरूप पांचवें वेतनमान में महंगाई भत्ता 443 प्रतिशत से बढ़कर अब 455 प्रतिशत एवं छठे वेतनमान में 239 प्रतिशत से बढ़कर 246 प्रतिशत हो गया है। बता दें, सातवें वेतनमान के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ता दीपावली के समय बढ़ाया गया था। दीवाली के तोहफे के रूप में महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। इसके बाद 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है। यह महंगाई भत्ता भी 1 जुलाई से दिया गया था।

राजस्थान के संजय मल्होत्रा आज संभालेंगे रिजर्व बैंक गवर्नर का पद

जयपुर। केंद्र सरकार ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को अगला रिजर्व बैंक गवर्नर नियुक्त किया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय मल्होत्रा 11 दिसंबर को पदभार संभालेंगे। संजय मल्होत्रा 1990 के आईएएस बैच के अधिकारी हैं।

उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए है। वह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 26वें गवर्नर होंगे और मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। संजय मल्होत्रा 1990 बैच के राजस्थान कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी अमेरिका से पब्लिक पॉलिसी में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की। संजय मल्होत्रा की फाइनेंस के मामलों में सुधारवादी और मजबूत काम करने वाले अफसरों में गिनती होती है। उन्हें राज्य और केंद्र सरकार दोनों स्तरों पर वित्त और कराधान का गहरा अनुभव है। अपने वर्तमान कार्यकाल में वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों से संबंधित नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

आसाराम को फिर 17 दिन की पैरोल

जोधपुर। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को तीसरी बार पैरोल मिली है। राजस्थान हाई कोर्ट ने मंगलवार को आसाराम को 17 दिन की पैरोल दी। आसाराम 10 नवंबर से 30 दिन की पैरोल पर जोधपुर के निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में करवा रहा था। मंगलवार को उसकी पैरोल अवधि खत्म हो गई। ऐसे में

आसाराम ने पुणे के माधो बाग अस्पताल में इलाज के लिए कोर्ट से पैरोल मांगी थी। जस्टिस दिनेश मेहता और विनीत माथुर की बेंच ने आसाराम को माधो बाग अस्पताल में इलाज के लिए 15 दिसंबर से 17 दिन की पैरोल दी। बता दें कि आसाराम की ओर से वकील आर.एस.सलूजा और यशपाल सिंह ने पैरवी की। आसाराम की यह 11 साल में तीसरी पैरोल है। आसाराम को जोधपुर के निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज के लिए 7 नवंबर को 30 दिन की पैरोल मिली थी। इससे पहले उसे 13 अगस्त को 11 साल में पहली बार पैरोल मिली थी। तब उसे 7 दिन की पैरोल मिली थी। वह 27 अगस्त से 2 सितंबर तक पुणे के माधो बाग अस्पताल में इलाज कराने गया था। इसके बाद उसने पंचकर्म पूरा न होने का हवाला देते हुए 5 दिन पैरोल बढ़ाने की अपील की थी।

हर साल 10 दिसंबर को मनाया जाएगा प्रवासी राजस्थानी दिवस, सरकार देगी प्रवासी राजस्थानी अवॉर्ड

प्रवासी राजस्थानियों के लिए बनेगा अलग विभाग

इंडिया न्यूज

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रवासियों के लिए एक अलग से विभाग बनाया जाएगा। यह विभाग प्रवासियों से जुड़े मामलों को देखेगा और उनके लिए योजनाएं भी बनाएगा। साथ ही अब प्रदेश में हर साल 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रवासी राजस्थानी अवॉर्ड भी देगी। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा इन्वेस्टमेंट समिट में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश-दुनिया में प्रवासी राजस्थानियों की मेहनत, कर्मठता और लगन से राजस्थान गौरवान्वित हुआ है। प्रवासी राजस्थानियों के परिवारों को किसी तरह की समस्या आती है तो इसके लिए हर जिले में सिंगल पॉइंट कॉन्टेक्ट बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हाइवे का तीसरा एवं रेलवे का पांचवां सबसे बड़ा नेटवर्क, 7 प्रमुख हवाई अड्डे और दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर राजस्थान को परिवहन के लिए अत्यंत सुविधाजनक स्थान बनाते हैं। भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस?थान अब बड़े अवसरों की भूमि बन रहा है। उन्होंने कहा कि हम अगले 5 साल में राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर करने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। राजस्थान अक्षय ऊर्जा में अग्रणी है तथा सौर एवं पवन ऊर्जा उत्पादन की भी यहां अनुकूल स्थितियां हैं।

राजस्थान का हर कोना विविधताओं का कराता है दर्शन

शर्मा ने राजस्थान में अपार संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि यहां का हर कोना, अपनी समृद्ध धरोहर, प्रकृति, संस्कृति और विविधताओं का दर्शन करवाता है। यहां वाइल्ड लाइफ, वेलनेस, वेडिंग एवं धार्मिक पर्यटन के बढ़ने के कारण होटलों की मांग तेजी से बढ़ रही है। राजस्थान में प्रति वर्ष देश-विदेश से करोड़ों पर्यटक आते हैं। खनन क्षेत्र में भी असीमित संभावनाएं हैं। हमने हाल ही में राजस्थान खनिज नीति 2024 एवं राजस्थान एम-सैंड पॉलिसी 2024 लॉन्च की है। राजस्थान में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, वस्त्र, चिकित्सा उपकरण, रक्षा उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण, डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में भी निवेश के लिए बेहतरीन अवसर हैं।

निवेश के लिए अनुकूल वातावरण

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमने निवेशकों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया है, जहां उन्हें हर संभव सुविधाएं मिलेंगी। हमने निवेश के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाया है तथा उद्योगों में नवाचारों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए 10 नई नीतियां बनाने के साथ ही राज निवेश पोर्टल से समयबद्ध मंजूरी भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से अपील की है कि वे राज्य के विकास में भागीदार बनें तथा अपनी मातृभूमि में निवेश कर अपनी आने वाली पीढ़ी के जुड़ाव को मजबूत करें।

जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी

इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राजस्थानी जहां-जहां जाकर बसे हैं, वहां की अर्थव्यवथा में उन्होंने सुधार किया है। प्रदेश की जनसंख्या करीब 8 करोड़ है, जबकि 2 करोड़ से ज्यादा लोग अन्य राज्यों में या अन्य देशों में प्रवास करते हैं। इन सभी को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा बुलाकर राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों पर राजस्थान का अधिकार है। वे यहां आएं और मातृ भूमि का ऋण चुकाने के लिए निवेश करें। उन्होंने कहा कि हमारे महाराष्ट्र में कहावत है, जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी। राजस्थानी जहां गए हैं वहां अच्छा कार्य किया। लगन और परिश्रम से अपना स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने देशभर की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री की पहल पर निवेश प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे विशेष प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया और निवेश नीति की सराहना की।

राजस्थान को नंबर 1 प्रदेश बनाने का संकल्प लें

सम्मेलन में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने कहा कि गत 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है तथा विश्व गुरु एवं सोने की चिड़िया बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के अथक परिश्रम से राइजिंग राजस्थान बेहद सफल कार्यक्रम साबित हुआ है। मुख्यमंत्री प्रवासी राजस्थानियों के किसी भी काम में कमी नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से प्रवासी बंधुओं को हर तरह की सुविधा मुहैया करवाई जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से कहा कि वे साल में एक बार जरूर अपने गांव जाएं तथा सब मिलकर राजस्थान को हिंदुस्तान का नंबर 1 प्रदेश बनाने का संकल्प लें।

मारवाड़ियों का दुनिया भर में डंका बजा

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन की नई परिभाषा बनी है तथा सुशासन से सिस्टम में त्वरित एवं सटीक निर्णय में आसानी हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 1 वर्ष में ही शाहपुरा से जर्मनी तक डूंगरपुर से इंग्लैंड तक राइजिंग समिट का माहौल बनाया है तथा निवेशकों के लिए एक सफल कार्यक्रम का संचालन किया है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ियों की अपार उद्योग की क्षमता, निर्विवाद रहने की कला तथा संस्कारों से दुनिया भर में मारवाड़ियों का डंका बजा है। अब कोर बिजनेस के साथ ही मारवाड़ी हॉस्पिटैलिटी, आईटी, एआई जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ते दिख रहे हैं।

राजस्थान का रोड नेटवर्क अमेरिका जैसा होगा : गडकरी

राइजिंग के मंच से प्रदेश को दी 30 हजार करोड़ की योजनाओं की सौगात

जयपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आने वाले दो साल में राजस्थान का सड़क नेटवर्क अमेरिका के हाइवे जैसा होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पैसे की कोई कमी नहीं है। हमारे यहां ईमानदारी से काम करने वालों की कमी है। इसके साथ ही उन्होंने राइजिंग राजस्थान के मंच से प्रदेश को 30 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं की सौगात दी। इन परियोजनाओं में 6500 करोड़ की लागत से उत्तरी जयपुर रिंग रोड, 6800 करोड़ की लागत से कोटपूतली से आगरा ग्रीनफील्ड हाइवे, 12 हजार करोड़ की लागत से जयपुर-किशनगढ़-जोधपुर से अमृतसर ग्रीनफील्ड हाइवे निर्माण, 538 करोड़ की लागत से पाली में रायपुर से जस्साखेड़ा तक एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य शामिल है। वहीं, 1400 करोड़ की लागत से नागौर से नेत्रा तक सड़क निर्माण, 500 करोड़ से सीकर-लक्ष्मणगढ़-फतेहपुर में बाइपास, 1400 करोड़ की लागत से झुंझुनू-चिड़ावा-सिंघाना-पचेरी सड़क निर्माण, 600 करोड़ की लागत से सिंघाना-खेतड़ी-जसरापुर-नगलीसलेदी-भाटीवाड़ सड़क निर्माण होगा, जबकि 400 करोड़ की लागत से कुंडल-झाड़ौद खंड के भू-स्खलन क्षेत्र में सुधार कार्य किए जाएंगे।

दरअसल, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत आयोजित इन्फ्रास्ट्रक्चर-एन इंपोर्टेंट लिंक इन द सप्लाई चेन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने ये घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए पानी, ऊर्जा, परिवहन और संचार मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इन चारों क्षेत्रों को विकसित करने से देश-प्रदेश की प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उनके इस संकल्प को साकार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन की बनाने के लिए केंद्र सरकार कार्य कर रही है।

राज्य के बुनियादी ढांचे की बदल रही तस्वीर

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, सिंचाई परियोजना और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हमारी डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से राज्य के बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बुनियादी सड़क तंत्र को विकसित करने में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का भी विशेष सहयोग है। प्रदेश के मरुस्थलीय क्षेत्र में 2 हजार किलोमीटर लंबाई के राजमार्गों का निर्माण तथा कई कस्बों और शहरों में बाइपास एवं रिंग रोड का निर्माण कर यातायात को सुगम बनाया गया है। भजन लाल शर्मा ने कहा कि दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का 58 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में है। इसलिए भारत के 40 प्रतिशत बाजार तक प्रदेश की सीधी पहुंच है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां भारत का तीसरा सबसे बड़ा हइवे नेटवर्क है, जो देश के प्रमुख शहरों और औद्योगिक केंद्रों को सीधे जोड़ता है।

राज्य में 3 नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हरियाणा में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, हरियाणा के मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव, राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, बीपीआर एंड डी के महानिदेशक, एनसीआरबी के महानिदेशक और केन्द्रीय गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में चर्चा के दौरान केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीन नए आपराधिक कानून, नागरिक अधिकारों के रक्षक और न्याय की सुगमता का आधार बन रहे हैं। गृह मंत्री ने हरियाणा को 31 मार्च, 2025 तक राज्य में नए आपराधिक कानूनों का शत-प्रतिशत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा।

चर्चा के दौरान अमित शाह ने तकनीक के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि राज्य के हर ज़िले में एक से अधिक फॉरेन्सिक मोबाइल वैन उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जीरो एफआईआर की मोनिट्रिंग की जिम्मेदारी डीवाई एसपी लेवल के अधिकारी की हो, और प्रदेशों के हिसाब से अन्य भाषाओं में इनका अनुवाद सुनिश्चित हो। गृह मंत्री ने कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक सभी पुलिसकर्मियों को sensitize करें कि समय पर न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को सभी पुलिस अधीक्षकों द्वारा निर्धारित समयसीमा के तहत मामलों की जांच सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री को हर 15 दिन और मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ सप्ताह में एक बार तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करनी चाहिए।

प्रदेश के एक दर्जन जिलों में तीन दिन चलेगी शीत लहर

बर्फीली हवाओं ने प्रदेश में बढ़ाई सर्दी, 12 जिलों के लिए येलो अलर्ट

इंडिया न्यूज

जयपुर। उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं ने राजस्थान में सर्दी बढ़ा दी है। पारा लुढ़कने लगा है। लोग जगह-जगह अलाव तापते नजर आए। मंगलवार को इस साल सर्दी के सीजन का सबसे कम तापमान फतेहपुर शेखावाटी में 1 डिग्री दर्ज किया गया। इससे शेखावाटी में हाड़ कांपने वाली ठंड की शुरूआत हो गई। सोमवार को भी दिनभर चली ठंडी हवाओं के कारण लोग ठिठुरते नजर आए थे। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन के लिए 12-13 जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट

जारी किया है।

प्रदेश के हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मैदानी इलाकों में फतेहपुर शेखावाटी सबसे ज्यादा ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सीकर, चूरू और संगरिया (हनुमानगढ़) में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य में अधिकतम तापमान पाली में 28.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने 11 दिसंबर को 12 जिलों गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनू, सीकर, अलवर, करौली, बारां, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालोर और उदयपुर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 12 दिसंबर के लिए 13 जिलों में गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनू, सीकर, अलवर, करौली, बारां, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालोर, उदयपुर और जैसलमेर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसी प्रकार 13 दिसंबर को भी 13 जिलों के लिए तेज सर्दी का येलो अलर्ट रहेगा। इस दिन गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनू, सीकर, अलवर, करौली, बारां, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालोर, उदयपुर और जैसलमेर में शीत लहर चलेगी।

डेढ़ दर्जन जिलों में पारा 10 से नीचे

सोमवार रात को फतेहपुर, चूरू, संगरिया और सीकर सबसे सर्द रहे। जोधपुर शहर और डूंगरपुर में तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं प्रदेश के करीब डेढ़ दर्जन जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया। गंगानगर 5.8 डिग्री, करौली 6.5, अंता (बारां) 6.8, चित्तौड़गढ़ 7.2, वनस्थली और बीकानेर 7.4, जालोर 7.6, आबू रोड 8.2, जैसलमेर 8.3, अलवर 8.4, अजमेर 8.6, जयपुर 8.7, भीलवाड़ा 8.8, धौलपुर 9, कोटा 9.4, डबोक 9.6, फलोदी में तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बढ़ी सर्दी

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 7-8 दिसंबर को एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल एरिया में एक्टिव हुआ था। इस सिस्टम से इन राज्यों में कई जगह बारिश के साथ बर्फबारी हुई। यह सिस्टम अब थोड़ा आगे बढ़ गया है। उत्तर से बर्फीली हवाएं चलनी शुरू हो गई हैं, जिसकी वजह से सर्दी का असर ज्यादा हो रहा है।

जयपुर में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट व इन्वेस्टमेंट पार्क खोलेंगे उद्योगपति अशोक ओढरानी

108 बच्चों के गाए गीत 'पधारो म्हारे देस' सुन प्रवासी गदगद, राइजिंग राजस्थान के मंच पर प्रवासियों ने साझा किए अनुभव

इंडिया न्यूज

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दूसरे दिन मंगलवार को हुए प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आगाज ह्यपधारो म्हारे देस' गीत की प्रस्तुति के साथ हुआ। जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर के गांवों से आए 108 बच्चों ने केसरिया पगड़ी पहन कर प्रस्तुति दी तो सभी आनंद से झूम उठे। जेईसीसी के पूरे पंडाल में राजस्थान की लोक, कला और संस्कृति नजर आई। इस अवसर पर ह्यप्रदेश में निवेश के अवसरह्ल एवं ह्यप्रवासी राजस्थानीह्ल थीम पर आधारित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इसके बाद राइजिंग राजस्थान के मंच पर प्रवासी आए और उन्होंने विकास गाथा के साथ ही राजस्थान में निवेश को लेकर अपनी बात रखी। उद्योगपति अशोक ओढरानी ने कहा कि हम जयपुर में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलेंगे, जो मेड इन राजस्थान होगी। इसके अलावा दुबई की तर्ज पर हम एक इन्वेस्टमेंट पार्क भी खोलने की योजना बना रहे हैं। ओढरानी दुबई में राजस्थान बिजनेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप के चेयरमैन हैं। उन्होंने बताया कि मैंने जयपुर के महावीर स्कूल और महाराजा कॉलेज से पढ़ाई की है। साल 1967 में 18 साल की उम्र में 5 दिन की शिप यात्रा से दुबई पहुंचा था। वहां 5 साल नौकरी करने के बाद 1973 में सुपर टेक्निकल इंटरप्राइजेज के नाम से अपना बिजनेस शुरू किया। उन्होंने कहा कि आरबीपीजी संगठन यूएई में प्रवासी राजस्थानियों एवं राजस्थान सरकार के मध निवेश, सीएसआर सहित अन्य क्षेत्रों के लिए सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने राजस्थान सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स 2024) निवेश के क्षेत्र में हॉलमार्क है। उन्होंने राजस्थान में व्यवसाय के विस्तार को लेकर रुचि व्यक्त की। पीरामल ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल ने कहा कि आर्थिक निवेश के साथ ही सामाजिक निवेश भी जरूरी है। पीरामल फाउंडेशन राजस्थान सरकार के सहयोग के माध्यम से झुंझुनू सहित राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है।

राजस्थान वीरों की भूमि : निर्मल सेठिया

प्रवासी उद्योगपति एन.सेठिया ग्रुप ऑफ कंपनीज (यूके) के फाउंडर एवं चेयरमैन निर्मल कुमार सेठिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है और इसे साहस और वीरता के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सफल होने के साथ ही हम सभी को एकता और मानवता को भी अपनाना चाहिए।

पीएम ने हर भारतीय का बढ़ाया मान: बिनोद चौधरी

सीजी कार्प ग्रुप के चेयरमैन एवं नेपाल के संसद सदस्य डॉ.बिनोद चौधरी ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने प्रदेश की संस्कृति और विरासत के वाहक के रूप में देश-दुनिया में उद्यमिता के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर मूल भारतीय का दुनिया में मान बढ़ाया है। साथ ही, उन्होंने मारवाड़ियों की उद्यमिता की कुशलता को संजोए जाने के संबंध में सुझाव भी दिए।

लालफीताशाही खत्म कर रेड कारपेट बिछाया : राठौड़

वहीं, कॉन्क्लेव की शुरूआत में कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि हमने निवेशकों के लिए लालफीताशाही खत्म कर रेड कारपेट बिछाने का काम किया है। हम 21 नई पॉलिसी लेकर आए हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से कहा कि आपका आपके घर में स्वागत है और जब आप अपने घर पर आते हैं तो वह एक त्योहार होता है। आपने राइजिंग राजस्थान समिट को एक त्योहार के रूप में मनाया। इसके लिए आप सभी का धन्यवाद। राइजिंग राजस्थान समिट बेशक तीन दिन का है, लेकिन इसका कभी अंत नहीं होगा। यह लगातार चलता रहेगा।

बैकफुट पर आए किरोड़ी मीणा ने पद वापस संभाला, सीएम ने ली चुटकी, बोले- 'एक मामा और एक बाबा'

जयपुर। मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा अब अपने फैसले पर बैकफुट पर आ गए हैं। यही वजह है कि मंगलवार को राजस्थान में विकास की रफ्तार को तेज करने के उद्देश्य से आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट में किरोड़ी मीणा बतौर कृषि मंत्री की हैसियत से पहुंचे। केंद्रीय मंत्री सेशन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान इस सेशन में मौजूद थे। एग्रीकल्चर से संबंधित सेशन में चौहान और मीणा ने अपने-अपने विभागों से राजस्थान में निवेश और विकास को बढ़ाने का वादा किया। इसी सेशन में कुछ ऐसा हुआ, जिसे देखकर मंच पर बैठे लोगों की हंसी छूट गई। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्य के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को "मामा और बाबाह्ल कह कर संबोधित किया तो समिट में मौजूद डेलीगेट्स हंस पड़े। बता दें कि इस कार्यक्रम से पहले मंगलवार को किरोड़ी लाल मीणा ने एक बयान जारी कर कहा कि दौसा जिले के कालीखाड़ गांव में 5 साल का मासूम आर्यन एक खुले बोरवेल में गिर गया, उसको जल्दी से जल्दी निकाला जाए। इस बयान में उन्होंने कहा कि साधनों की दृष्टि से उनके (आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग) विभाग ने 10 लाख रुपये जिला प्रशासन को दिए हैं। वह खुद मौके पर पहुंचते, लेकिन जयपुर में चल रहे राइजिंग राजस्थान समिट के चलते वह कालीखाड़ गांव नहीं जा पा रहे हैं। लोकसभा चुनाव में दौसा सीट हारने के बाद किरोड़ी लाल मीणा ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए जयपुर में 4 जुलाई को इस्तीफा देने की सार्वजनिक घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि मैंने पार्टी आलाकमान से दौसा लोकसभा सीट जिताने का वादा किया था, लेकिन मैं अपना वादा पूरा नहीं कर पाया, इसलिए हार की जिम्मेदारी के साथ अपने मंत्री पद से इस्तीफा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को भेजा था। इसके बाद से किरोड़ी लाल मीणा न तो विभाग की बैठक में शामिल हो रहे थे और न ही सरकारी गाड़ी और बंगले का उपयोग कर रहे थे। करीब 5 महीने बाद राइजिंग राजस्थान समिट में एग्रीकल्चर से संबंधित सेशन में बतौर कृषि मंत्री की हैसियत से किरोड़ी लाल मीणा पहुंचे।

सऊदी अरब ने खनन और पेट्रो सेक्टर में दिखाई रुचि

संभावनाओं पर राइजिंग राजस्थान में अधिकारियों के साथ हुई चर्चा

जयपुर। सऊदी अरब के उप मंत्री शेख अब्दुल मजीद फलाह के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हिस्सा ले रहे प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में खनिज और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में निवेश में रुचि दिखाई है। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी.रविकांत ने बताया कि माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सऊदी अरब के उप मंत्री शेख मजीद फलाह और शेख अब्दुल्ला के साथ राज्य में इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। टी.रविकांत ने बताया कि अतिरिक्त निदेशक माइन्स बी.एस.सोढ़ा ने सउदी अरब दल के सदस्यों को विस्तार से प्रदेश में उपलब्ध मिनरल्स, एक्सप्लोरेशन और निकट भविष्य में होने वाले मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान में डेकोरेटिव स्टोन के साथ ही क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के भंडार हैं और चरणबद्ध तरीके से इनके ब्लॉक्स तैयार कर नीलाम किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा ने राजस्थान रिफाइनरी और उसके आसपास के क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल जोन विकसित होने की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में उपलब्ध क्रूड ऑयल और गैस के भंडारों की खोज और दोहन के संबंध में अवगत करवाया।

सऊदी अरब के उप मंत्री शेख अब्दुल मजीद फलाह और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख अब्दुल्ला ने खनिज के साथ ही रिफाइनरी के आसपास के क्षेत्र में विकसित हो रहे पेट्रोकेमिकल जोन में औद्योगिक निवेश में रुचि दिखाई।

राजस्थान अब रेगिस्तानी राज्य नहीं, उभरते मौकों की भूमि है : खींवसर

अमेरिका कंट्री सेशन में निवेश और साझेदारी के नए आयाम पर हुई चर्चा

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दूसरे दिन मंगलवार को अमेरिका (यूएसए) कंट्री सेशन में सप्लाई चेन और मैन्युफैक्चरिंग पर गहन चर्चा हुई। इस सत्र को राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान अब केवल एक रेगिस्तानी राज्य नहीं, बल्कि उभरते हुए अवसरों की भूमि है। उन्होंने भारत-अमेरिका साझेदारी को आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं और भारत जल्द ही तीसरा सबसे बड़ा आर्थिक लोकतंत्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने उल्लेख किया कि अमेरिकी कंपनियां पहले ही भारत में 1000 से अधिक उद्योग संचालित कर रही हैं और एप्पल जैसी कंपनियों ने भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। राजस्थान की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का 30 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है और इसकी भौगोलिक स्थिति उद्योग और लॉजिस्टिक्स के लिए आदर्श है। मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान में एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी, भारतमाला योजना और पीएम गतिशक्ति पोर्टल जैसे प्रोजेक्ट्स ने निवेशकों के लिए शानदार आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराया है। उन्होंने राज्य के युवा कार्य बल और प्रतिभा के भंडार पर प्रकाश डाला। सत्र की शुरूआत में यूडीएच के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने सप्लाई चेन प्रबंधन में तकनीकी नवाचार, जीएसटी कार्यान्वयन और लॉजिस्टिक्स में राजस्थान की क्षमता पर चर्चा की। चंद्रकांत सलुंखे ने एसएमई के लिए निवेश और अनुबंध निर्माण के अवसरों पर प्रकाश डाला। राजिंदर सिंह भाटिया ने मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन में रणनीतिक पहलुओं पर बात की। डॉ.अनिर्बाण अधिकारी ने सप्लाई चेन में स्थिरता चुनौतियों पर चर्चा की। डॉ.बृजेश बारसे ने स्वास्थ्य और कृषि सप्लाई चेन में स्थिरता पर विचार प्रस्तुत किए।

गरीबों और किसानों के लिए राज्य में बनेंगे 3.41 लाख आवास : शिवराज चौहान

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग राजस्थान में गरीबों और किसानों के लिए पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 लाख 41 हजार 620 आवासों का निर्माण करेगा। इस पर लगभग 4 हजार 99 करोड़ रुपये का व्यय होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा नए राजस्थान के उदय के लिए काम कर रहे हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से कृषि क्षेत्र में विशेषकर फूड प्रोसेसिंग में भारी निवेश आ सकेगा। केंद्रीय मंत्री चौहान मंगलवार को जेईसीसी में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत आयोजित ह्यएग्रो बिजनेस इनोवेशन मूविंग अप द वैल्यू चेन' सेक्टोरल सेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों की सेवा ही हमारे लिए भगवान की पूजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को फूड बास्केट ऑफ वर्ल्ड बनाने का काम कर रहे हैं, जिससे भारत विश्व का पेट भर सकेगा। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए विभाग ने 6 सूत्री रणनीति बनाई है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हमने 109 नए बीजों की किस्म तैयार की है। इसमें बाजरा और धान की फसलें भी शामिल हैं, जिनका कम समय में ज्यादा उत्पादन किया जा सकेगा। उन्होंने पीकेसी-ईआरसीपी एकीकृत परियोजना का जिक्र करते हुए इसे मध्य प्रदेश और राजस्थान के किसानों के लिए वरदान बताया।

एशिया फैशन टूर में दिखेगा फैशन का जलवा

13 से 16 दिसंबर तक मॉडल करेंगी रैंप वॉक

इंडिया न्यूज

जयपुर। गुलाबी ठंड के बीच राजधानी जयपुर में एशिया फैशन टूर का जलवा देखने को मिलेगा। देश और दुनिया के जाने-माने फैशन डिजाइनर्स के पहने कपड़ों को मशहूर मॉडल्स रैंप पर शो केस करेंगे। जयपुर के क्लब इग्नाइट में एशियन फैशन टूर जयपुर एडिशन 2024 को लेकर आयोजक टीम ने पत्रकारों से मुखाबित होते हुए मंगलवार को बताया कि 13 से 16 दिसंबर तक होने वाले इस फैशन शो कार्यक्रम में फैशन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में बेहतरीन प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर युवा प्रतिभाओं के जरिए लेटेस्ट ट्रेंड को रैंप पर प्रदर्शित किया जाएगा। कर्टेन रेजर कार्यक्रम के दौरान फेमिना मिस इंडिया, उत्तराखंड और फेमिना फाइनलिस्ट 2022 ऐश्वर्या नौटियाल भी मौजूद रहीं। उन्होंने अपने प्रतिभाशाली मॉडल्स और डिजाइनर की टीम के साथ एक शानदार प्रस्तुति दी।

आयोजन समिति के सदस्य गुरप्रीत सिंह ने बताया कि इस चार दिवसीय फैशन शो में फैशन के जीवंत संग्रहों, इनोवेटिव डिजाइन और डायनामिक फैशन डिस्प्ले देखने को मिलेगा। इसमें पारंपरिक परिधानों से लेकर अत्याधुनिक शैलियों तक रचनात्मकता और शिल्प कौशल का संगम होगा। आयोजन समिति के सदस्य निखिल भटनागर और प्रीति सचदेवा भी इस कर्टेन रेजर कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि एक तरफ राजस्थान सरकार राइजिंग राजस्थान के दौरान राजस्थान में सफलता के झंडे गाड़ रही है, वहीं दूसरी ओर इसी माहौल के साथ एशियन फैशन टूर नवीनतम डिजाइनर्स और नए मॉडल्स को बेहतरीन प्लेटफॉर्म प्रदान कर रहा है, जो देश के साथ-साथ राजस्थान की प्रतिभाओं को आगे लाने का काम करेगा। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर को सी-स्कीम स्थित नोबा में, 14 दिसंबर को आरआईसी में, 15 दिसंबर को न्यू आतिश मार्केट स्थित क्लब इग्नाइट और 16 दिसंबर को सहकार मार्ग स्थित हाउस ऑफ पिपल में इस फैशन शो का आयोजन किया जाएगा। एशियाई फैशन और संस्कृति की समृद्धि का उत्सव मनाने के लिए यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कार्यक्रम में बॉलीवुड सेलिब्रिटी चारु कपूर, विशाल कोटियां भी शामिल होंगे।

महिला नेता का युवक ने बनाया अश्लील वीडियो, डिलीट करने के मांगे 10 लाख

जयपुर। शहर में एक महिला नेता का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता ने ही घर में हिडन कैमरे लगा कर महिला नेता का अश्लील वीडियो बनाया और वायरल करने की धमकी देकर डिलीट करने के बदले 10 लाख रुपये की मांग की। इस मामले में महिला ने कार्यकर्ता सहित 2 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मोती डूंगरी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने रिपोर्ट में बताया कि उसके घर पर 3 साल से एक युवक रहता था और उसका सोशल मीडिया अकाउंट संभाल रहा था। मंगेतर से मिलने के दौरान आरोपी ने उनके प्राइवेट वीडियो बना लिए। युवक दोस्त के साथ शुक्रवार को पीड़िता के घर आया और मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाते हुए उसे वायरल करने की धमकी दी।

अब ऑनलाइन अपलोड होंगी भर्ती परीक्षाओं की ओएमआर शीट, कर्मचारी चयन बोर्ड का फैसला

इंडिया न्यूज

जयपुर। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने अब अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट को भी ऑनलाइन अपलोड करने का फैसला किया है। बोर्ड की ओर से 16 से 20 नवंबर के बीच हुई कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा की ओएमआर शीट को अपलोड करने के साथ इसकी शुरूआत की जाएगी। अगर यह प्रक्रिया सफल रहती है तो आने वाली सभी भर्ती परीक्षाओं में इसे लागू किया जाएगा। प्रदेश में होने वाली भर्ती परीक्षाओं के रिजल्ट को मेरिट बेस करने के बाद अब बोर्ड ने ओएमआर शीट को भी ऑनलाइन अपलोड करने का निर्णय किया है। अभ्यर्थी अपनी एसएसओ आईडी के जरिए परीक्षा में भरी गई ओएमआर शीट को देख भी सकेंगे और इन्हें डाउनलोड भी कर सकेंगे। कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज ने बताया कि भर्ती परीक्षाओं में कई अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट को लेकर आपत्ति रहती है।

कई अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट बदले जाने की आशंका रहती है। अब इसमें पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से ओएमआर शीट को ऑनलाइन अपलोड करने की प्लानिंग की जा रही है। पहला प्रयोग जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती परीक्षा की ओएमआर शीट को अपलोड करने के साथ किया जाएगा। यह भर्ती परीक्षा 16 से 20 नवंबर के बीच आयोजित कराई गई थी। इस भर्ती परीक्षा की ओएमआर शीट अभ्यर्थी 10 जनवरी तक ऑनलाइन देख सकेंगे।

एक नजर

देसूरी में युवाओं ने दिखाया हुनर

पाली। राज्य युवा खेल विभाग की ओर से मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय युवा महोत्सव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देसूरी में मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मोहन लाल बलाई, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी देसूरी मंगलाराम नायक एवं लालाराम प्रजापत के सानिध्य में संपन्न हुआ। इसमें 870 प्रतिभागियों ने भाग लिया। युवा महोत्सव के संयोजक प्रधानाचार्य जगदीश चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर युवाओं ने समूह नृत्य, समूह गायन, एकल नृत्य, एकल गायन, चित्रकला, हस्त शिल्प, कविता, पोस्टर, विज्ञान, कला की प्रस्तुति दी। इस मौके पर अंबेडकर शिक्षक संघ अध्यक्ष शांति लाल सोलंकी, बड़ौद पीईईओ सोहन, प्रधानाचार्य मूलचंद मालवीय, तुसला राम बागरेचा, अशोक गावरी, अशोक कुमार मीणा, मुकना राम बावल, विक्रम मीणा, हिम्मत मेंशन, मुख्तयार अली, मदन लाल माली, निर्मला गोस्वामी, राजश्री जांगिड़, मनोज कुमार, टेकाराम, प्रकाश देपावत, पंकज मकवाना, ढलाराम राठौड़, प्रमोद महावर मौजूद थे।

सांगरानाड़ी गांव में झोपड़ी में आग लगने से बुजुर्ग महिला जिंदा जली

बालोतरा। जिले के पाटोदी क्षेत्र के सांगरानाड़ी गांव में मंगलवार को एक झोपड़ी में अचानक आग लगने से बुजुर्ग महिला जिंदा जल गई। साथ ही तीन बकरियों की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मिट्टी के चूल्हे से निकली चिंगारी ने झोपड़ी को आग के आगोश में ला दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पचपदरा थानाधिकारी अमराराम खोखर के मुताबिक लहरों देवी (70) की झोपड़ी के बाहर साइड में मिट्टी के चूल्हे पर पानी गर्म हो रहा था। इसी चूल्हे से उठी चिंगारी ने सब कुछ राख कर दिया। आग इतनी तेजी से फैली कि लहरों देवी को बचने का भी मौका नहीं मिला। आगजनी के बाद आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाया। बायतु विधायक हरीश चौधरी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर इस दुखातिका पर दुख जाहिर करते हुए संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने इस मामले में प्रशासन के उच्च अधिकारियों से वार्ता कर पीड़ित परिवार को न्याय और संबल प्रदान करने की मांग की।

आयुर्वेद संस्थान की चिकित्सा टीम ने कोर्ट परिसर में 400 का किया प्रकृति परीक्षण

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की ओर से मंगलवार को जयपुर जिला न्यायालय परिसर में जिला न्यायाधीश अजीत कुमार हींगर समेत सभी कर्मचारी, अधिवक्ताओं और परिवादियों का प्रकृति परीक्षण किया गया। इस परीक्षण के माध्यम से व्यक्ति की प्रकृति को तीन दोषों यानी वात, पित्त, और कफ में बांटकर जांच की जाती है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के उप निदेशक चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि डॉ.भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में करीब 20 चिकित्सकों की टीम ने जिला न्यायालय परिसर में 400 से अधिक लोगों का प्रकृति परीक्षण किया। संस्थान के कुलपति प्रो.संजीव शर्मा ने कहा हमारे अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे शरीर की प्रकृति को जानना हम सभी के लिए बहुत जरूरी है। आमजन के स्वास्थ्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में प्रकृति परीक्षण का अभियान चलाया जा रहा है, जिससे लाखों की संख्या में लोग अपना प्रकृति परीक्षण करवा कर अपनी प्रकृति के बारे में जानकारी ले रहे हैं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान अब तक 32 हजार से ज्यादा लोगों का प्रकृति परीक्षण कर चुका है।

मामूली कहासुनी के बाद दो युवकों में झगड़ा, दिनदहाड़े चाकू मारकर हत्या

सीसीटीवी फुटेज मिला, गाड़ी को साइड में करने की बात को लेकर हुआ था विवाद

इंडिया न्यूज

बालोतरा। जिले में मामूली कहासुनी के चलते दिनदहाड़े एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि रास्ते में खड़ी गाड़ी को साइड में करने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश शुरू की है। पुलिस के अनुसार शहर की नेहरू कॉलोनी में मंगलवार दोपहर दो युवकों के बीच मामूली कहासुनी हो गई। देखते ही देखते दोनों के बीच इतना विवाद बढ़ गया कि एक युवक ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। उसके बाद वह मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल विशनराम (30) को अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जोधपुर रेफर कर दिया गया। इस दौरान घायल ने बीच रास्ते में ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बालोतरा पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें दो युवकों में झगड़ा होता नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। साथ ही नाकाबंदी कर तलाश तेज कर दी गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दोवड़ा थाना क्षेत्र में प्रशासन ने रुकवाया बाल विवाह, परिजनों को किया पाबंद

इंडिया न्यूज

डूंगरपुर। जिले के चाइल्ड लाइन, पुलिस और प्रशासन ने मंगलवार को दोवड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में बाल विवाह रुकवा दिया। नाबालिग की शादी 12 दिसंबर को होने वाली थी, लेकिन शिकायत मिलने के बाद यह बाल विवाह रुकवा दिया गया। पुलिस और प्रशासन ने लड़की के परिजनों को पाबंद किया कि लड़की के बालिग होने तक उसका विवाह न किया जाए। जिले के आसपुर तहसीलदार योगेश वैष्णव ने बताया कि चाइल्ड लाइन को दोवड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग की शादी होने की शिकायत मिली थी। इस पर आसपुर तहसीलदार के नेतृत्व में चाइल्ड लाइन से कमलेश जैन और अर्चना दोवड़ा थाना पुलिस से एएसआई डायालाल पाटीदार, आईसीडीएस, सृष्टि सेवा संस्थान की टीम गांव पहुंची। गांव में एक व्यक्ति के घर पर उसकी बेटी की शादी की तैयारी चल रही थी। लड़की की शादी 12 दिसंबर को होनी थी। टीम ने लड़की की उम्र संबंधित दस्तावेजों की जांच की तो उसकी उम्र 16 साल 2 माह 9 दिन पाई गई। इस पर पुलिस और प्रशासन ने लड़की के परिजनों को लड़की की शादी बालिग होने तक नहीं करने के लिए पाबंद कर शादी रुकवा दी।

महिलाओं के साथ सामुदायिक बैठक

इंडिया न्यूज

शाहाबाद(बारां)। द हंगर प्रोजेक्ट के तत्वावधान में ग्राम पंचायत में सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें दो ग्राम पंचायतों से 55 महिलाओं की भागीदारी रही। पवन शर्मा ने बैठक के उद्देश्यों पर चर्चा की।

साथ ही पंचायती राज में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण पर विस्तार से बताया। हरि चरण ने महिला नेतृत्व के गुणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, संयुक्त राष्ट्र से दखल की मांग

मानवाधिकार दिवस पर राजधानी में हुए विभिन्न आयोजन

इंडिया न्यूज

जयपुर। मानवाधिकार दिवस पर मंगलवार को राजधानी में विभिन्न कार्यक्रम हुए। मानवाधिकार संगठनों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के हो रहे मानवाधिकार हनन पर चिंता जताते हुए संयुक्त राष्ट्र से दखल देने की मांग की। मानवाधिकार दिवस पर मुख्य आयोजन घुमंतू जन अधिकार समिति के बैनर तले विद्याधर नगर सेक्टर एक के श्री गुरु गोरखनाथ आश्रम में हुआ। विद्याधर नगर, शास्त्री नगर, मुरलीपुरा सहित जयपुर के विभिन्न स्थानों पर रह रहे घुमंतू समाज के लोगों ने अपने मानवाधिकारों की रक्षा करने की मांग करते हुए अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का मुद्दा उठाया। साथ ही पट्टों से वंचित घुमंतू समाज के लोगों को जल्दी ह शिविर लगाकर पट्टे देने की मांग की। मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य अशोक गुप्ता ने कहा कि घुमंतू समाज के लोग अपने बच्चों को पढ़ाएं। पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे। मेहनत करने वालों को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। जरूरी नहीं है कि अंग्रेजी माध्यम के बड़े स्कूलों में पढ़ने वाले ही आगे बढ़ते हैं। प्रतिभाएं अभावग्रस्त क्षेत्रों से भी निकलती रही हैं। पूर्व विधायक जे.पी.चंदेलिया, महाधिवक्ता बसंत छाबा, मोक्षेश्वर महादेव मंदिर के महंत बसंतानंद महाराज ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक राकेश बिदावत ने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी घुमंतू समाज को संविधान प्रदत्त आरक्षण का पूरा लाभ नहीं मिल रहा। सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण के वर्गीकरण का जो निर्णय दिया है, उसे राज्य सरकार लागू करे ताकि वंचित समाज को आरक्षण का लाभ मिल सके। सम्मेलन में संत-महात्मा और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों का मार्गदर्शन मिला। विमुक्त, घुमंतू, अर्द्ध घुमंतू जनाधिकार समिति के राजस्थान क्षेत्र संयोजक रामकिशोर योगी, जयपुर प्रांत संयोजक जसराम गोस्वामी, प्रांत सदस्य अनुराग, एडवोकेट रामधन, एडवोकेट रामवतार योगी, राहुल लुहार, गोपाल गुजराती, हीरालाल लुहार, फौजा सिंह, सुंदर लुहार, बनवारी योगी, सुनील सांसी, दीपक सांसी, मन्नानाथ कालबेलिया, बाबू बावरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विक्की कौशल और कैटरीना ने जवाई में मनाई शादी की तीसरी सालगिरह

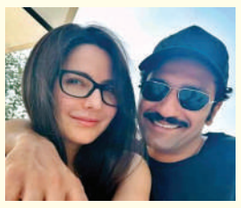

पाली। बॉलीवुड के मशहूर एक्टर विक्की कौशल और अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने जवाई क्षेत्र में अपनी शादी की तीसरी सालगिरह मनाई। दोनों ने 2 दिन तक जवाई क्षेत्र में रहे और यहां की खूबसूरती का आनंद लिया। कैटरीना कैफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जवाई क्षेत्र की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में विक्की कौशल और कैटरीना कैफ जवाई क्षेत्र की खूबसूरती का आनंद लेते हुए नजर आ रहे हैं। कैटरीना कैफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा "जंगल में 48 घंटे।' विक्की कौशल और कैटरीना कैफ एक निजी होटल में ठहरे थे।

बागोल में आयोजित शिविर में घुमंतू लोगों के दस्तावेज बनाए

इंडिया न्यूज

पाली। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में देसूरी उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बागोल में मंगलवार को 5 ग्राम पंचायतों बागोल, मगरतलाव, कोट सोलंकियान, पनोता, सांसरी का संयुक्त शिविर का आयोजन किया गया। सरपंच अमकी देवी भील की अध्यक्षता में आयोजित हुए शिविर में विमुक्त व घुमंतू समुदाय के व्यक्तियों के आवश्यक दस्तावेज बनाए गए। साथ ही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर अमकी देवी भील, वक्ताराम देवासी, ग्राम विकास अधिकारी रूप सिंह चारण, मुकेश खिड़िया, हरीश चंद्र, अशोक कुमार, असलम खान, होशियार सिंह राठौड़, दूदाराम भील, गणेशराम मीणा, ललित मेवाड़ा, किशोर कुमार पटवारी, महेंद्र कुमार मीणा, पूनमचंद पालीवाल, मांगीलाल, डॉक्टर अमित कुमार मौजूद थे।

मथुरादास माथुर अस्पताल में लगी हीलियम फ्री एमआरआई मशीन

जोधपुर। संभाग के सबसे बड़े मथुरादास माथुर अस्पताल के मरीजों को अब एमआरआई के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल की न्यू डायग्नोस्टिक विंग में प्रदेश की पहली हीलियम फ्री एमआरआई मशीन इंस्टॉल की गई। श्री नाकोड़ा पारस भैरव अक्षय चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 18 करोड़ रुपये की लागत की इस मशीन को नीदरलैंड्स से मंगवाया गया है। हीलियम फ्री होने से अस्पताल का सालाना खर्च भी बचेगा। अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ.संदीप अरोड़ा ने बताया कि यह पश्चिमी भारत की पहली मशीन है। इस एमआरआई मशीन का फायदा पूरे संभाग से जोधपुर आने वाले मरीजों को मिलेगा। इस मशीन से एक दिन में 100 एमआरआई हो सकेगी। अस्पताल में वर्तमान मशीन से 40 से 50 जांचें प्रतिदिन हो रही हैं। एक जांच में करीब 30 से 40 मिनट का समय लग रहा है।

शिक्षक भर्ती 2022 का परिणाम संशोधित करने का रास्ता साफ, नियुक्त हुए टीचर नहीं होंगे प्रभावित

इंडिया न्यूज

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने साल 2022 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल-2 के विवादित प्रश्नों से जुड़े मामले में संशोधित परिणाम जारी करने पर लगी रोक को मंगलवार को हटा लिया। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि पूर्व में नियुक्त हो चुके शिक्षक संशोधित परिणाम से प्रभावित नहीं होंगे। सीजे एम.एम.श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश सरिता कुमारी और कन्हैया लाल सहित अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। खंडपीठ ने गत 14 नवंबर को विवादित प्रश्नों की विशेषज्ञ कमेटी से जांच कर उसके आधार पर संशोधित परिणाम जारी करने के संबंध में एकल पीठ की ओर से दिए आदेश पर रोक लगा दी थी। अपील में अधिवक्ता हिमांशु जैन ने अदालत को बताया कि एकलपीठ ने 6 दिसंबर 2023 को भर्ती में कुछ विवादित प्रश्नों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए कर्मचारी चयन बोर्ड को विशेषज्ञ कमेटी गठित कर प्रश्नों का पुनः परीक्षण करने को कहा था। इसके साथ ही अदालत ने कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर परीक्षा परिणाम को संशोधित करने के निर्देश दिए। इसे चुनौती देते हुए कहा कि करीब 27 हजार पदों की इस भर्ती में करीब 25 हजार अभ्यर्थी कार्य ग्रहण कर चुके हैं। इसके अलावा एकल पीठ ने खुद के आदेश में भर्ती की मेरिट पर कोई बात नहीं की। एकल पीठ ने चयन बोर्ड की ओर से प्रश्नों के मूल्यांकन की बात को आधार मानकर विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट पर संशोधित परिणाम का निर्देश दिया। इसके अलावा अपीलार्थी एकल पीठ के समक्ष पक्षकार नहीं थे। एकल पीठ के आदेश से अपीलार्थियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाई जाए। इस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने गत 14 नवंबर को एकल पीठ के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब मांगा था। मंगलवार को खंडपीठ ने कर्मचारी चयन बोर्ड के पक्ष को सुनने के बाद पूर्व में लगाई अपनी रोक को हटा लिया।

कार्य के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं

इंडिया न्यूज

पाली। पंचायत समिति बाली सभागार में मंगलवार को बाली उपखंड अधिकारी दिनेश बिश्नोई और विकास अधिकारी भोपाल सिंह जोधा ने ग्राम विकास अधिकारी, कनिष्ठ सहायकों की समीक्षा बैठक लेकर उन्हें निर्देशित किया कि सरकारी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आमजन की योजनाओं को प्राथमिकता से पूर्ण करवाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम करने की बात कही। बिश्नोई ने सभी ग्राम पंचायतों के वीडीओ को निर्देशित किया कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 17 दिसंबर को हर ग्राम पंचायत से लाभार्थियों को आमंत्रित किया जाए। बाली से करीब 600 लाभार्थी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। बैठक में विकास अधिकारी भोपाल सिंह जोधा ने समय पर प्रधानमंत्री आवास पूर्ण करवाने और स्वामित्व सर्वे पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में अतिरिक्त विकास अधिकारी असफाक अली, सुरेश जानी, सहायक विकास अधिकारी दिनेश गहलोत, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मुबारक अली, कनिष्ठ अभियंता अनिल बिश्नोई, ग्राम विकास अधिकारी हीरा राम परमार, शिव रतन सोलंकी, रतन गाडरी, रवि मोबारसा, रामचंद्र यादव, भरत ओझा, मगाराम प्रजापत, मालम सिंह, रमाराम, परवेज, सुमित कुमार, मिश्री लाल, मादाराम देवासी, विकास दवे, तरुण भाटी, यशोदा गहलोत, सुरेश देवासी, विकास व्यास, रेखा मेंशन, राजेश्वरी कुंवर, नेकाराम ,गंगा सहाय, उम्मेदमल, रजत सिंह, जीवाराम सहित समस्त ग्राम विकास अधिकारी व कनिष्ठ सहायक मौजूद थे।

लालसोट बार एसोसिएशन के चुनाव संपन्न, प्रेम स्वरूप लामड़ा निर्विरोध अध्यक्ष बने

इंडिया न्यूज

लालसोट। स्थानीय बार एसोसिएशन के चुनावों में मंगलवार को अध्यक्ष पद पर प्रेम स्वरूप लामड़ा को निर्विरोध चुना गया। दरअसल 9 दिसंबर को अध्यक्ष पद पर प्रत्याशी कमलेश कुमार सैनी, राजेश कुमार शर्मा, श्यामलाल मीणा ने नामांकन वापस ले लिया था, जिससे चुनाव निर्विरोध हुआ। इसी तरह वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रमेश चंद सैनी, उपाध्यक्ष पद पर सुरेश सिंह राजपूत, सांस्कृतिक मंत्री पद पर सत्येंद्र कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर रामकेश सैनी, पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर राकेश कुमार शर्मा को निर्विरोध चुना गया। इस दौरान सभी सदस्यों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को माल्यार्पण व मिठाई खिलाकर सम्मान किया।

जेकेके में शास्त्रीय संध्या में गूंजी राग बिहाग व झपताल की बंदिशें

इंडिया न्यूज

जयपुर। जवाहर कला केंद्र की ओर से मंगलवार को शास्त्रीय संध्या का आयोजन किया गया। अमान मोहम्मद ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने विभिन्न बंदिशें पेश कर वाहवाही लूटी। बड़ी संख्या में श्रोताओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सुर लहरियों ने सुधि श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। अमान ने राग बिहाग से प्रस्तुति की शुरूआत की। उन्होंने विलंबित ख्याल की बंदिश ह्यकैसे ये सुख सोहे' गाई। इसके बाद उन्होंने मध्य लय ताल झपताल में निबद्ध बंदिश ह्यकौन जोगी होए' पेश की। उसके पश्चात तीन ताल में निबद्ध पीली सी कामणगार को पेश किया। इसके उपरांत द्रुत तीन ताल में दरस पिया अब लो नहीं आवे को बखूबी पेश किया। उसके बाद तराना और शास्त्रीय संगीत के सौंदर्य से सराबोर विभिन्न बंदिशों को प्रस्तुत कर श्रोताओं की दाद बटोरी। तानपुरे पर डॉ.रचना पारीक और चंद्र शेखर, तबले पर मुजफ्फर रहमान, सारंगी पर जाकिर हुसैन और हारमोनियम पर जाकिर धौलपुरी ने संगत की।

खबर एक्सप्रेस

विकलांगता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया

नई दिल्ली। द हंस फाउंडेशन के सानिध्य में विकलांगता के प्रति जागरूकता बढ़ाना के लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जहाँ फिजियोथेरेपिस्ट, स्पीच थेरापिस्ट, मनोवैज्ञानिक, विशेष शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, फार्मासिस्ट और पायलट्स शामिल थे। कार्यक्रम की शुरूआत दिप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि डॉ. प्राची शर्मा और सबरी घोष ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया और विकलांगता के प्रति लोगों में जागरूकता लाने समाज में समावेशिता और स्वीकृति के महत्व पर बल दिया। विशेष अतिथि सुनीत कुमार ओझा और मंजुला अवस्थी पेरेंट ऑफ पीडब्लूडी ने भी प्रेरणादायक सम्बोधन से लोगों को आकर्षित किया, इस अवसर पर संस्कृतिक कार्यक्रमों ने विकलांगता वाले व्यक्तियों की प्रतिभा और उत्साह का अद्वितीय प्रदर्शन किया। एनआईईपीआईडी विशेष स्कूल और समुदाय के छात्रों ने एक जीवंत और दिल को छूने वाला सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसने कार्यक्रम में खुशी और ऊर्जा का संचार किया। यहाँ विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ मंच पर कदम रखा और विविध नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गईं। ये प्रदर्शन उनके सामर्थ्य और अडिग आत्माविश्वास का प्रतीक था। इस कार्यक्रम में कलाबाज ग्रुप द्वारा एक शानदार जादू शो भी किया गया, जिसने उपस्थित सभी लोगों से प्रशंसा और चमत्कृत आहें बटोरीं। सांस्कृतिक खंड में कविताएं, सोलो डांस, माइम एक्ट्स और एक भव्य फैशन शो भी किया गया।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के प्रति घृणा और अत्याचार किया जाना गंभीर चिंता का विषय है : मुस्लिम फोरम

नई दिल्ली। फोरम फॉर मुस्लिम स्टडीज एंड एनालिसिस इंडिया के महासचिव प्रो. जसीम मोहम्मद ने बांग्लादेश में इस्कॉन एवं हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर नफरत फैलानेवाले भाषणों की कड़ी निंदा की है और बांग्लादेशी सरकार से इस पर तत्काल कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। प्रो. जसीम मोहम्मद ने बांग्लादेश में एक बयान में हिंसा के लिए इस खुलेआम उकसावे पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और इसे "धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा पर एक जबरदस्त हमला" बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस तरह की नफरत भरी बयानबाजी पर लगाम नहीं लगाई गई, तो इससे बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा भड़क सकती है। उन्होंने कहा, "इस्कॉन विश्व स्तर पर कृष्णभक्ति का प्रचार करनेवाला एक प्रतिष्ठित संगठन है, जो सारी दुनिया में शांति और आध्यात्मिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। इस तरह की भड़काऊ भाषा के साथ इसके सदस्यों को निशाना बनाना न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि बांग्लादेश के बहुलवादी ताने-बाने के लिए भी गंभीर खतरा है।" प्रोफेसर जसीम मोहम्मद ने बांग्लादेशी सरकार से इस संबंध में तत्काल उचित कार्रवाई करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, "इस नफरत भरे भाषण के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई एक मजबूत संदेश देने के लिए जरूरी है कि इस तरह की भड़काऊ बातों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" उन्होंने अधिकारियों से इस्कॉन के सदस्यों और देश के सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया और सरकार द्वारा इन धमकियों की सार्वजनिक निंदा करने की वकालत की। उन्होंने कहा, "बांग्लादेशी सरकार के उच्चतम स्तरों से इस नफरत भरे भाषण की स्पष्ट निंदा धार्मिक स्वतंत्रता और सह-अस्तित्व के प्रति देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।" इन घटनाक्रमों के संदर्भ में, प्रो. जसीम मोहम्मद ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री बांग्लादेश की यात्रा का स्वागत किया तथा अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को संबोधित करने और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में इसके महत्व पर जोर दिया।

'खुद को मंदिरो का मालिक न समझें': केरल हाईकोर्ट की त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड को फटकार

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार को मंदिरों में फ्लेक्स बोर्ड के जरिए राजनीतिक संदेश देने के मामले में अहम टिप्पणी की है। उच्च न्यायालय ने कहा कि मंदिरों में राज्य सरकार या त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) को बधाई देने वाले फ्लेक्स बोर्ड्स को लगाने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि भक्त वहां भगवान के दर्शन करने जाते हैं, न कि मुख्यमंत्री, विधायकों या टीडीबी के सदस्यों का चेहरा देखने। जस्टिस अनिल के. नरेंद्रन और जस्टिस मुरली कृष्णा एस की बेंच ने यह टिप्पणी खुद से संज्ञान में लिए एक मामले पर सुनवाई के दौरान कही। दरअसल, अलपुज्झा जिले में चेरथाला के करीब थुरावुर महाक्षेत्रम मंदिर में फ्लेक्स बोर्ड प्रदर्शित करने के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी। इसी मामले पर कोर्ट ने सुनवाई शुरू की थी। बेंच ने कहा कि फ्लेक्स बोर्ड, जिनमें मुख्यमंत्री पिनरई विजयन, राज्य देवस्वम मंत्री वीएन वसावन, टीडीबी के अध्यक्ष और क्षेत्र के विधायक की तस्वीर लगी है, उसमें एलडीएफ और बोर्ड को जारी मंदलकला-मकराविलक्कु तीर्थ यात्रा के सीजन के दौरान सबरीमाला तीर्थ में आनंदम की अनुमति देने के लिए बधाई दी गई है। इस पर बेंच ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों की इजाजत नहीं दी जा सकती। इस मुगालते में न रहें कि आप (टीडीबी) मंदिरों के मालिक हैं। बोर्ड एक ट्रस्टी है जो कि सिर्फ मंदिरों के प्रबंधन का काम करता है। भक्त मंदिरों में भगवान को देखने जाते हैं न कि मुख्यमंत्री, विधायक और टीडीबी सदस्यों का चेहरा देखने।

पीठ ने कहा कि थुरावुर मंदिर सबरीमाला तीर्थ यात्रा के दौरान एदाथवलम (रुकने का स्थान) है। इसलिए तीर्थ के सीजन के दौरान यह टीडीबी की जिम्मेदारी है कि वह भक्तों को वहां सुविधा मुहैया कराए। कोर्ट ने निर्देश दिा कि वहां फ्लेक्स बोर्ड लगाना मंदिर की सलाहकार समिति की जिम्मेदारी नहीं है और भक्तों से मिले पैसों को इस काम में नहीं लगाया जाना चाहिए। दोनों जजों ने इस मामले में टीडीबी और अन्य संबंधित प्राधिकरणों से जवाब मांगा। उसने टीडीबी से अपने प्रबंधन में आने वाले बाकी एदाथवलम समेत सभी मंदिरों में लगाए गए फ्लेक्स बोर्ड्स की जानकारी मांगी।

एआई और अन्य तकनीकों से होगी महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की गिनती

अजय त्रिवेदी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सटीक गिनती के लिए योगी सरकार आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के साथ कई और तकनीकों का प्रयोग करेगी। प्रदेश सरकार ने महाकुंभ में आने वाले 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं की गिनती के लिए कई विधियों का उपयोग करने का फैसला किया है। इनमें सीसीटीवी कैमरों के साथ एआई भी शामिल है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि महाकुम्भ 2025 में दुनिया का सबसे बड़ा हेडकाउंट होगा। महाकुम्भ 2025 श्रद्धालुओं की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा तो वहीं योगी सरकार मॉडर्न टेक्नोलॉजी की मदद से दुनिया का सबसे बड़ा हेडकाउंट कर नया इतिहास बनाएगी। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का सही आंकलन किया जा सके, इसके लिए योगी सरकार तकनीक के माध्यम से एक-एक श्रद्धालु का हेडकाउंट करने जा रही है।

प्रवक्ता के मुताबिक प्रयागराज में जब भी कुम्भ या महाकुम्भ का आयोजन होता है तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। हालांकि, अब तक इनकी संख्या को काउंट करने की कोई सटीक तकनीक नहीं थी। इस बार योगी सरकार एआई कैमरों के साथ ही कई अन्य तकनीकों का सहारा ले रही है, ताकि महाकुम्भ में आने वाले एक-एक श्रद्धालु की गिनती की जा सके और उन्हें ट्रैक भी किया जा सके। प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि इस बार महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के आगमन का रिकॉर्ड बनेगा। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की काउंटिंग और ट्रैकिंग के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं को ट्रैक करने के लिए मेला क्षेत्र के अंदर 200 स्थानों पर लगभग 744 अस्थायी सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जबकि शहर के अंदर 268 स्थानों पर 1107 स्थायी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यही नहीं, 100 से अधिक पार्किंग स्थलों पर 720 सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इंटीग्रटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) एवं पुलिस लाइन कंट्रोल रूम के अतिरिक्त अरैल एवं झूंसी क्षेत्र में भी व्यूइंग सेंटर्स बनाए गए हैं, जहां से श्रद्धालुओं की मॉनीटरिंग करने का प्रयास किया जा रहा है। मंडलायुक्त ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का हेडकाउंट बड़ी चुनौती है, लेकिन इसमें एआई का उपयोग बहुत महत्वपूर्ण होगा। एआई का उपयोग करते हुए क्राउड डेंसिटी अलगोरिदम से लोगों के काउंटिंग का भी प्रयास किया जा रहा है। एआई आधारित क्राउड मैनेजमेंट रियल टाइम अलर्ट जनरेट करेगा, जिसके माध्यम से संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की काउंटिंग एवं ट्रैकिंग करना आसान होगा। उनका कहना है कि हेडकाउंट का 95 फीसदी तक सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा।

मेला क्षेत्र में स्थापित आईसीसीसी में हेडकाउंट मॉडलिंग का कार्य देख रहे टेक्निकल स्टाफ के अनुसार हेडकाउंट में एक श्रद्धालु की बार-बार गिनती न हो, इसके लिए टर्नअराउंड साइकिल महत्वपूर्ण होता है। इसको ट्रैक करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है। घाट क्षेत्र में एक तीर्थयात्री द्वारा औसतन लिया गया समय टर्नअराउंड साइकिल माना गया है। इसके तहत कोचरन्स फॉमूर्ला के आधार पर सैंपल की संख्या निकाली जाती है। नॉन पीक दिनों में अनुमानित जनसंख्या 20 लाख और पीक दिनों में 10 करोड़ लेते हुए सैंपल काउंट किया जाता है। टर्नअराउंड समय निर्धारित 3 विधियों के माध्यम से प्राप्त सैंपल्स का औसत आंकड़ा होगा। इसमें पहला एट्रिब्यूट आधारित खोज होगा, जिसके तहत पर्सन एट्रिब्यूट सर्च कैमरों के आधार पर ट्रैकिंग की जाएगी।

ऐसा है सीएम का 'शीश महल': वीरेंद्र सचदेवा का बड़ा दावा, हाईटेक जिम...आलीशान बाथरूम-झूमर

इंडिया न्यूज नेटवर्क

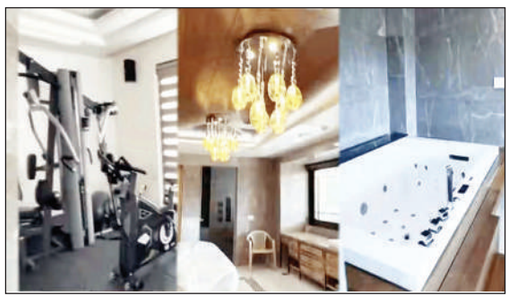

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्यमंत्री का शीश महल एक बार फिर चर्चा में है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने अपने एक्स पर सीएम आवास का वीडियो साझा किया है। जिसमें भाजपा ने दावा किया है कि कभी पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का आवास रहा किसी सेवन स्टार रिसॉर्ट से कम नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के घर के अंदरूनी हिस्से को दिखाने का दावा करने वाले वीडियो साझा किया है। दावा करते हुए कहा कि यह 'शीश महल' है, जिसे वह दिल्ली के लोगों से छुपाना चाहते थे। हमने इसका पहला वीडियो दिखाया है। उस घर के बाथरूम और जिम को देखें। ग्रेनाइट और उपकरण हैं। सौना और जकूजी बाथ देखें, जैसे कि सात-सितारा रिसॉर्ट में होते हैं।

आगे लिखा कि उन्हें जवाब देना होगा कि वह अपना घर क्यों छुपाना चाहते थे और घर की चाबी क्यों छिपाना चाहते थे। यह सीएम आवास नहीं है, यह भ्रष्टाचार का संग्रहालय है। उन्हें इसे लोगों के लिए खोलना चाहिए। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे इस महल के दरवाजे खोलें और दिल्ली के लोगों को बताएं कि उन्होंने उन्हें कैसे बेवकूफ बनाया है। यह घोटालों की सरकार है। उन्होंने दिल्ली को शर्मसार कर दिया है।

संदिग्ध हालात में कमरे में मृत मिले एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में सोमवार को संदिग्ध हालात में एसएसबी में असिस्टेंट कमांडेंट अपने घर में जमीन पर मृत पड़े मिले। पुलिस घटनास्थल की जांच पड़ताल में जुट गई। खरगापुर के रामआसरे पुरवा निवासी संजय सिंह (58) एसएसबी में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। सोमवार रात वह अपने कमरे थे। काफी देर तक जब संजय सिंह कमरे से बाहर नहीं निकले तो बेटे प्रशांत ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर प्रशांत जब दरवाजे में धक्का देकर कमरे में दाखिल हुए तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि संजय जमीन पर पड़े हुए थे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और पिता को लोहिया अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रशांत ने बताया कि उनके पिता पहले बीमार चल रहे थे। पिता का इलाज चंदन अस्पताल से चल रहा था।

बेस्ट बस हादसे में मौत की दर्दनाक दास्तां
नौकरी के पहले दिन के लिए निकली थी 20 साल की आफरीन, फिर नहीं लौटी

इंडिया न्यूज नेटवर्क

मुंबई। 20 साल की आफरीन शाह के लिए यह नौकरी का पहला दिन था। वे बड़ी उम्मीदों से अपने परिवार के लिए कमाई शुरू करने का सपना लेकर घर से निकली थीं। हालांकि, समय कितना कठोर हो सकता है, इसका अंदाजा शायद परिवार में किसी को नहीं था। आफरीन के घर से निकलने के कुछ ही घंटों बाद उनके पिता को खबर मिली कि आफरीन बस दुर्घटना का शिकार हो गईं।

आफरीन जब नौकरी के पहले दिन के लिए घर से निकल रही थीं, तब उनके पिता को मालूम भी नहीं था कि वह उन्हें आखिरी बार देख रहे हैं। उनके पिता अब्दुल सलीम शाह ने अपनी बेटी से आखिरी बार तब बात की, जब वह नौकरी से घर लौटने के लिए ऑटोरिक्शा पकड़ने के लिए जूझ रही थी। शाह ने बेटी को हाईवे तक आकर रिक्शा पकड़ने की सलाह दी थी। यह आखिरी बार था, जब दोनों के बीच फोन पर बात हुई। इसके कुछ ही देर बाद बेस्ट बस ने कुर्ला पश्चिम में सोमवार रात जिन सात लोगों को कुचला उसमें आफरीन की मौत की खबर भी सामने आई। सलीम शाह ने बताया कि नई कंपनी में यह आफरीन के काम का पहला दिन था। वह कुर्ला रेलवे स्टेशन पहुंची और यहां से 9.09 पर फोन किया। उसने बताया था कि उसे शिवाजी नगर के लिए कोई रिक्शा नहीं मिल रहा था। शाह ने कहा, "मैंने उससे हाईवे आकर रिक्शा पकड़ने के लिए कहा। लेकिन 9.54 पर मुझे अपनी बेटी के फोन से कॉल आया। यह भाभा अस्पताल के किसी कर्मी का फोन था।" शाह ने कहा कि वह जल्दी अस्पताल पहुंचे और यहां उन्हें आफरीन का शव कैजुअल्टी वॉर्ड में मिला। इस घटना से पूरी तरह टूट चुके लड़की के पिता ने कहा, "मुझे अब कभी अपनी बेटी वापस नहीं मिलेगी।" उन्होंने आगे कहा, "उस इलाके में लोग सड़कों पर चल नहीं पाते। कई वर्षों बाद भी स्थिति नहीं बदली है। अवैध पार्किंग की वजह से इलाका हमेशा भरा रहता है।

एनएचसी फूड्स लिमिटेड का रु. 47.42 करोड़ का राइट्स इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 5 दिसंबर से खुला

गुजरात। मसाला, अनाज, तेलबीज, सूखा मेवा और अन्य कृषि उत्पाद के निर्यात व्यापार से जुड़ी गुजरात स्थित नेशनल हेल्थ कॉरपोरेशन फूड्स लिमिटेड इरए - 517554 का 47.42 करोड़ का राइट्स इश्यू 5 दिसम्बर, 2024 से सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ है। 6 दिसम्बर, 2024 को प्रति शेयर 2.76 की मौजूदा बाजार कीमत के सामने कंपनी प्रति शेयर 1 रुपए की आकर्षक कीमत पर राइट्स इश्यू ऑफर कर रही है। राइट्स इश्यू 18 दिसम्बर, 2024 को बंद होगा। निवेशक कंपनी के राइट्स इश्यू में 1 रुपए की कीमत पर लेने/सब्सक्राइब करने के लिए राइट्स एनटाईटलमेंट्स इरए सिम्बोल: ठलउत्रऋ्र-फ्ए भी खरीद सकते हैं। राइट्स अधिकारों के ऑन मार्केट त्याग की अंतिम तिथि 12 दिसंबर, 2024 है। सूचित राइट्स इश्यू का राइट एंटाईटलमेंट्स 4:1 रेश्यो है रेकॉर्ड तारीख 26 नवंबर, 2024 को इक्विटी शेयर धारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 1 फुल्ली पैड इक्विटी शेयर के सामने प्रत्येक 1 रुपए की फेस वैल्यू के 4 राइट्स इक्विटी शेयर कंपनी प्रत्येक 1 की कीमत प्रति शेयर 1 रुपए की फेस वैल्यू के 47.42 करोड़ फुल्ली पेड अप इक्विटी शेयर्स इश्यू करेगी जिसका मूल्य 47.42 करोड़ है। वित्तीय वर्ष 2025 पहली अर्धवार्षिक अवधि के लिए कंपनी का मुनाफा बढ़कर 4.05 करोड़ हुआ था जिसके मुकाबले वित्तीय वर्ष 2024 का पूर्ण मुनाफा 2.35 करोड़ था।

'भविष्य के चुनावों में बैलेट पेपर का करेंगे इस्तेमाल', सतारा के एक गांव ने पारित किया प्रस्ताव

इंडिया न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद तमाम विपक्षी दलों की तरफ से ईवीएम को नतीजों को लेकर असंतोष जताया गया। इस कड़ी में महाराष्ट्र के दो गांवों की तरफ से एक प्रस्ताव पारित किया गया है कि, वे आगामी सभी विधानसभा चुनावों में सिर्फ बैलेट पेपर का इस्तेमाल करेंगे। जानकारी के मुताबिक, सतारा जिले की कोलेवाड़ी ग्राम सभा ने भविष्य में बैलेट पेपर से चुनाव कराने का संकल्प लिया है। इस तरह यह राज्य का दूसरा गांव बन गया है जिसने ईवीएम के खिलाफ ऐसा प्रस्ताव पारित किया है।

'चुनाव आयोग को बैलेट पेपर प्रणाली पर लौटना चाहिए'...मामले में एक ग्रामीण ने मंगलवार को बताया कि, 'कोलेवाड़ी ग्राम सभा ने एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें कहा गया है कि भविष्य में चुनाव ईवीएम के बिना बैलेट पेपर से कराए जाने चाहिए।' उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को 'सामूहिक मांग' को देखते हुए बैलेट पेपर प्रणाली पर वापस लौटना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमने संकल्प लिया है कि कोलेवाड़ी के लोग तभी मतदान करेंगे जब प्रक्रिया बैलेट पेपर का उपयोग करके की जाएगी। अगर भविष्य में चुनावों में ईवीएम का उपयोग किया जाता है तो हम मतदान नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन हमें बैलेट पेपर पर मतदान करने की अनुमति नहीं देता है, तो हम मतदान प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे।

विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी से हारे पृथ्वीराज चव्हाण

यह गांव कराड (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिसका प्रतिनिधित्व पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण करते थे। यहां पर हालिया विधानसभा चुनाव में पृथ्वीराज चव्हाण भाजपा उम्मीदवार अतुल भोसले से 39 हजार 355 मतों से हार गए थे।

ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों पर संदेह

कोलेवाड़ी के निवासियों की तरफ से ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों पर संदेह जताए जाने के बाद यह प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव सोलापुर के मालशिरस निर्वाचन क्षेत्र के मरकडवाडी के ग्रामीणों के एक वर्ग की तरफ से ईवीएम की विश्वसनीयता पर संदेह व्यक्त करते हुए मतपत्रों का उपयोग करके नकली 'पुनर्मिलन' कराने की कोशिश के कुछ दिनों बाद पारित किया गया था। हालांकि प्रशासन और पुलिस ने उनके प्रयास को विफल कर दिया, जिसके कारण मामले दर्ज किए गए।

इनडीड-नैसकॉम ने फ्यूचर ऑफ वर्क 2024 रिपोर्ट पेश की: एआई की दुनिया में नौकरियों, कार्यबल और कार्यस्थल का पेश किया अवलोकन

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। टेक्नोलॉजी में होती प्रगति, कर्मचारियों की बदलती अपेक्षाएं और व्यापक आर्थिक अनिश्चितताएं काम करने के तरीके में तेजी से परिवर्तन ला रही हैं। भविष्य की नौकरियों, कार्यबल, और कार्यस्थल का विश्लेषण करने के लिए इनडीड और नैसकॉम ने इनडीड की फ्लैगशिप ईवेंट, फ्यूचरवर्क्स 2024 में अपनी फ्यूचर ऑफ वर्क रिपोर्ट - बैलेंसिंग प्रायोरिटीज इन एन एआई-ड्राईवन वर्ल्ड का चौथा संस्करण पेश किया है। इस रिपोर्ट में नौकरी बाजार के मुख्य ट्रेंड्स तथा नियुक्ति में एआई की भूमिका के मुख्य ट्रेंड्स के बारे में बताया गया है और नियुक्ति प्रक्रियाओं के सरलीकरण व मानवीकरण तथा उनमें तेजी लाने के लिए अपडेट प्रदान किया गया है।

फ्यूचर ऑफ वर्क: एआई, एनालिटिक्स एवं क्लाउड हैं 'होली ट्रिनिटी'...वर्कस्ट्रीम में टेक्नोलॉजी का बढ़ता इंटीग्रेशन नौकरी के पारंपरिक दायित्वों में परिवर्तन ला रहा है। संगठनों में एआई का उपयोग बढ़ रहा है, एआई/एमएल और एनालिटिक्स सबसे ज्यादा मांग में बने हुए हैं, वहीं साईबरसुरक्षा क्लाउड से आगे निकलकर सबसे ज्यादा मांग में रहने वाला दूसरा क्षेत्र बन गई है। सबसे ज्यादा मांग में रहने वाली सर्वोच्च पाँच नौकरियों में डेटा साईंटिस्ट/एनालिस्ट, एआई/एमएल विशेषज्ञ, साईबरसिक्योरिटी विशेषज्ञ, क्लाउड आर्किटेक्ट/इंजीनियर, और डेवऑप्स इंजीनियर हैं। इसके जवाब में एचआर लीडर्स मुख्य टेक्निकल कौशलों, सीखने की प्रवृत्ति, और एनालिटिकल थिंकिंग एवं प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स पर ज्यादा जोर दे रहे हैं, और इन्हें नियुक्ति का मुख्य मानदंड मान रहे हैं। साथ ही, मौजूदा कार्यबल एवं भविष्य के कार्यबल एआई/जेनएआई में प्रोफिशियंसी, क्रिएटिविटी, कम्युनिकेशन, एवं लीडरशिप की स्किल्स को सफलता के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं।

विकसित भारत में आर टी आई का योगदान

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

नई दिल्ली। विकसित भारत में जन सूचना के अधिकार का भी योगदान सुनिश्चित होना चाहिए। सूचना के माध्यम से जन समस्याओं समाधान संभव है। विकास यात्रा में यह योगदान भी महत्वपूर्ण है। आरटीआई में जनकल्याण और पारदर्शिता की भावना समाहित है। इसके माध्यम से ग्रामीणों, निर्धनों की समस्या का समाधान होता है। इनको वांछित सूचना मिल जाने मात्र से इनकी समस्या का समाधान आसान हो जाता है।

भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया. तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा में प्रयास तेज हो चुके हैं। सरकार का प्रत्येक निर्णय लोक कल्याण व राष्ट्रीय हित के अनुरूप है। प्रधानमंत्री मोदी ने दशकों से लंबित फैसलों को लागू किया।बीस लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के सहारे भारत की विकास यात्रा को नई गति मिली है तथा देश आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ा है।

डिजिटल लेनदेन में दुनिया को नई दिशा दिखाने का काम किया है। रिकॉर्ड सैटेलाइट प्रक्षेपित किये जा रहे हैं। रिकॉर्ड सड़कें बनाई जा हैं। दशकों से लंबित अनेक योजनाएं पूरी की गई हैं। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान लागू की गई।बिजली उत्पादन में चालीस प्रतिशत वृद्धि हुई। सोलर ऊर्जा में आठ गुना वृद्धि हुई। फसल बीमा योजना का लाभ पहले पचास प्रतिशत नुकसान पर मिलता था। अब किसान को तैंतीस प्रतिशत पर भी मिल जाता है। सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ सीधे लोगों के खातों में पहुंच रहा है। हजारों स्टेशनों के आधुनिक होने पर भारतीय रेल की क्षमता बढ़ेगी और निवेश की एक बहुत बड़ी क्रांति आएगी। अब भारत अभूतपूर्व स्तर पर अभूतपूर्व गति से काम कर रहा है। छोटी-छोटी आकांक्षाओं से अलग होकर आज का भारत बड़े सपने देखने और उन सपनों को जल्द से जल्द साकार करने की ओर बढ़ चुका है। बजटीय आवंटन अधिक होने पर भी लीकेज से विकास बाधित होता है।इंडिया विजन में विकास और लोक कल्याण का समावेश है। भारत को विकसित बनाने का संकल्प है। संकल्प को सिद्ध करने की इच्छाशक्ति है। भारत विकसित बनने की दिशा में अग्रसर है। इसकी कार्ययोजना पर कार्य प्रगति पर है। समग्र विकास में जन समस्याओं का समाधान, शासन प्रशासन की जवाबदेही और पारदर्शिता भी शामिल है। सूचना के अधिकार से इसको चरितार्थ किया जा रहा है।

मंदिर केवल पूजा व अर्चना करने के स्थान मात्र नहीं : गजेंद्र शेखावत

चण्डीगढ़: केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र शेखावत ने कहा कि भारत की पौराणिक संस्कृति, संस्कारों और विचारों को फिर से पुनर्जीवित करने के लिए देश में केवल कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर ही अपार संभावनाएं है। इस विषय को लेकर कुरुक्षेत्र की पावन धरा से पूरे विश्व को आस्था के साथ-साथ ऐतिहासिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी समझाया जा सकता है। इसलिए देश की भावी पीढ़ी को आस्था के साथ जोड़ने के लिए देश के सभी संतों और विद्वानों को बार-बार एक मंच पर बैठकर मंथन करना होगा।

श्री गजेंद्र शेखावत आज गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के प्रयासों से और केडीबी के तत्वाधान में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के पावन पर्व पर आयोजित पहले अखिल भारतीय देवस्थानम सम्मेलन में बोल रहे थे। इस दौरान मंच पर उपस्थित सभी संत जनों ने संकल्प भी लिया कि बांग्लादेश में हिंदुओं और मंदिरों की रक्षा के लिए गीता जयंती दिवस पर गीता श्लोकों को समर्पित किया जाएगा।

इस दौरान देश के 35 धामों से आए संतों ने अपने परिचय देने के साथ-साथ मंदिरों के प्रति युवाओं की आस्था फिर से बने, जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। केंद्रीय मंत्री ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा से स्वामी ज्ञानानंद महाराज की सोच के कारण देश के सभी प्रमुख धामों के संत और संचालक एक मंच पर एकत्रित हुए है। देश में शायद पहली बार संतों के अनूठे संगम को देखने का अवसर मिला है। यह अवसर कुरुक्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के पावन अवसर पर देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा व अर्चना करने के स्थान मात्र नहीं है, अपितु सेवा, सद्भावना, स्वच्छता, संवेदनशीलता और भारत सरकार के प्रयासों से सशक्तिकरण का केंद्र भी है। इस देश में समय के परिवर्तन के साथ संतों ने विचार व्यक्त किए कि मंदिरों से युवा पीढ़ी विमुख हो रही है। इसके कारणों पर मंथन करने और युवाओं को सही राह पर लाने की शुरूआत इस सम्मेलन से हो चुकी है। यह सुझाव धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की पावन धरा से उद्गम हुए हैं और आने वाले समय में सार्थक परिणाम सामने आएंगे।

आम आदमी पार्टी अकेले और पार्टी सिंबल पर लड़ेगी निकाय चुनाव

आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में गठबंधन में चुनाव लड़ा था और कांग्रेस पार्टी ने 9 सीटों पर चुनाव लड़ा

रविंद्र मलिक

चंडीगढ़। पिछले सप्ताह एक मामले की सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार की तरफ से हाई कोर्ट में 4 फरवरी 2025 से पहले निकाय चुनाव करवाने का आश्वासन दिया गया। तो ऐसे में अब निकाय चुनाव को लेकर हरियाणा में तमाम सियासी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। सत्ताधारी भाजपा जहां पहले से ही सदस्यता अभियान चला रही है तो वहीं आम आदमी पार्टी दिग्गज और पूर्व राज्य सभा संसद डॉ सुशील गुप्ता ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अकेले अपने दम पर हरियाणा में निकाय चुनाव लड़ने का माद्दा रखती है और लड़ेगी। गत विधानसभा चुनाव में जहां भाजपा 48 सीटों पर विजय प्राप्त कर सरकार बनाने में सफल रही तो पार्टी अब उसे चुनावी जीत को निकाय चुनाव में बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी तो वहीं दूसरी तरफ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस जो लगातार हाशिए पर चल रही है वह भी चुनावी मोड में आती नजर आ रही है। आप ने कांग्रेस पर लोकसभा चुनाव में हार के आरोप लगाए, दोनों ने विधानसभा चुनाव अलग होकर लड़ा। गत लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में गठबंधन में चुनाव लड़ा था और इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने 9 सीटों पर चुनाव लड़ा था। वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के हिस्से कुरुक्षेत्र सीट आई थी लेकिन पार्टी को यहां पर पराजय सामना करना पड़ा और हार के बाद पार्टी के कई नेताओं ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर कांग्रेस को पार्टी कैंडिडेट डॉ सुशील गुप्ता की हार के लिए जिम्मेदार ठहराया था। लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन नहीं करने का निर्णय यह हवाला देते हुए कहा कि पार्टी प्रदेश में अपने बलबूते पर चुनाव जीतकर सरकार बना सकती है। उम्मीद के विपरीत कांग्रेस के लिए विधानसभा चुनाव एक दुस्वप्न साबित हुआ क्योंकि सरकार बनाने का सपना देख रही कांग्रेस महज 37 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई और भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने में सफल रही। चुनाव में भाजपा की जीत के बाद आम आदमी पार्टी लगातार कांग्रेस पर लगातार आरोप लगाती रही है कि गठबंधन करते तो हरियाणा में सरकार बनती लेकिन पार्टी हाई कमान की इच्छा के बावजूद भी हरियाणा कांग्रेस ने गठबंधन नहीं किया

10 नगर निगम और कई निकायों में चुनाव पेंडिंग

सभी पार्टी निकाय चुनाव से पहले माहौल बनाने में जुट गई हैं। हरियाणा में 30 से ज्यादा निकायों में चुनाव होने हैं जिनमें बराड़ा, बवानीखेड़ा, लोहारू, सिवानी, फरूख नगर, नारनौंद, जुलाना, बेरी, कलायत, सिवान, इंद्री, नीलोखेड़ी, मंडी अटेली, कनीना, तावडू, हथीन, कलानौर, खरखौदा और रादौर नगर पालिका में चुनाव लंबित हैं। इसके अलावा 11 में से 10 नगर निगमों में चुनाव पेंडिंग हैं। पंचकूला नगर निगम का कार्यकाल 2026 तक है, बाकी निगमों में चुनाव पेंडिंग पड़े हैं। गौरतलब कि हरियाणा में फरीदाबाद सबसे बड़ा और पंचकूला सबसे छोटा नगर निगम है। यह भी बता दे की हरियाणा में 55 नगर पालिका और 23 नगर परिषद हैं।

भाजपा की विधानसभा चुनाव जीत को कैश करने और सदस्यता अभियान के जरिए मजबूत करने की जुगत

सत्ताधारी भाजपा ने सदस्यता अभियान चला रखा है जिसकी तारीख लगातार तीन बार बढ़ाई जा चुकी है भाजपा की कोशिश है कि विधानसभा जीत चुनावी जीत को कैश कर निकाय चुनाव में इसका फायदा लिया जाए।

साथ ही कोशिश है कि सदस्यता अभियान के जरिए ज्यादा से ज्यादा वोटर्स पार्टी के साथ जोड़कर नगर निगम चुनाव में इसका राजनीतिक माइलेज लिया जाए। भाजपा ने 50 लाख साधारण और 50 हजार सक्रिय सदस्य बनाने का टारगेट बना रखा है जिसमें से फिलहाल तक 34 लाख साधारण सदस्य पार्टी से जुड़े हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चूंकि अभी विधानसभा चुनाव को कुछ ही समय हुआ है तो निकाय चुनाव में भाजपा को चुनावी जीत का फायदा यहां पर मिल सकता है

सरकार ने चार फरवरी से पहले चुनाव करवाने का आश्वासन दिया

प्रदेश सरकार ने पिछले सप्ताह पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में एक केस की सुनवाई के दौरान भरोसा दिलाया है कि चार जनवरी से पहले चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी जाएगी और चार फरवरी तक चुनाव संपन्न करा दिए जाएंगे।

प्रदेश सरकार द्वारा हाई कोर्ट में दिलाए गए इस आश्वासन अनुसार हरियाणा में शहरी निकाय चुनाव की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी। हरियाणा सरकार द्वारा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में दिए गए आश्वासन के अनुसार राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा एक महीने के भीतर निश्चित रूप से कर दी जाएगी।

राज्य ने हाई कोर्ट को जानकारी दी है कि परिणामों की घोषणा के लिए अंतत पूरी प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरी कर ली जाएगी।

राज्य द्वारा आश्वासन एक याचिका के जवाब में दिया गया, जिसमें नगर निकाय चुनाव कराने के निर्देश मांगे गए थे।

कांग्रेस भी सिंबल पर लड़ने का संकेत दे चुकी

कांग्रेस द्वारा भी लगातार संकेत दिए जा रहे हैं कि वह नगर निगम चुनाव सिंबल पर लड़ेगी। पिछले दिनों पार्टी प्रदेश अध्यक्ष उदय भान द्वारा संकेत दिया गया कि कांग्रेस आने वाला निकाय चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ेगी। इनके अलावा पूर्व मंत्री व थानेसर विधानसभा से कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा कह चुके हैं कि निकाय चुनावों को लेकर पार्टी पूरी तरह से तैयार है। कांग्रेस ने नगर निगम का चुनाव सिंबल पर लड़ा था। नगर परिषद व पालिका का चुनाव भी सिंबल पर लड़ना चाहिए, क्योंकि 35 फीसदी से ज्यादा आबादी शहरों में रहती है। इसलिए शहरों के चुनाव पार्टी को सिंबल पर लड़ने चाहिए। हालांकि, अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व को लेना है।

मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की उपस्थिति में राज्यसभा सीट के उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी रेखा शर्मा ने नामांकन किया दाखिल

कांग्रेस व अन्य दल किसानों के नाम पर राजनीति ढूंढ रहे , जो दुर्भाग्यपूर्ण : सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा में राज्यसभा सीट के उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी श्रीमती रेखा शर्मा ने आज अपना नामांकन हरियाणा विधानसभा में दाखिल किया। उन्होंने अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी श्री अशोक कुमार मीणा को सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली, कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, श्री महीपाल ढांडा, श्री विपुल गोयल, श्री श्याम सिंह राणा, श्री कृष्ण कुमार बेदी, श्रीमती श्रुति चौधरी, कुमारी आरती सिंह राव, राज्य मंत्री श्री राजेश नागर और श्री गौरव गौतम सहित विधायकगण और भाजपा नेता उपस्थित थे। नामांकन प्रक्रिया के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्यसभा सांसद श्री कृष्ण लाल पंवार के विधायक चुने जाने के बाद

यह सीट खाली हुई थी, जिसके लिए आज श्रीमती रेखा शर्मा ने अपना नामांकन दाखिल किया है।

उन्होंने श्रीमती रेखा शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि वे पार्टी की बहुत सीनियर नेता है और वह लंबे समय से धरातल पर पार्टी को मजबूत करने का काम करती रही हैं। पूर्व में वे महिला आयोग की चेयरपर्सन भी रही हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता को राज्यसभा में भेजने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती रेखा शर्मा राज्यसभा में हरियाणा का पक्ष मजबूती से रखेंगी, जिसका हरियाणा को बहुत लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लगातार महिलाओं को सशक्त करने के लिए काम कर रहे हैं, नई योजनाएं और नीतियां बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को ही प्रधानमंत्री ने पानीपत से बीमा सखी योजना की शुरूआत की है, जिसका महिलाओं को बहुत लाभ मिलेगा।

इस योजना से महिलाओं को रोजगार मिलेगा, वे और सशक्त व आत्मनिर्भर बनेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर किये जा रहे कार्यों की बदौलत ही भाजपा को महिलाओं का सहयोग और समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार भी महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। स्वयं सहायता समूह, ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, महिला उद्यमी इत्यादि योजनाओं से महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन बिल को पास किया। इससे अब महिलाएं भी देश के विकास में अहम भूमिका निभाएंगी। किसान आंदोलन के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान हमारे आदरणीय है। मैं भी एक गरीब किसान का बेटा हूं, मुझे किसानों की समस्याओं का पता है। मेरे लिए ये गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री ने एक गरीब किसान के बेटे को हरियाणा की जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 सालों में किसानों को सशक्त और मजबूत करने का काम किया है। जबकि कांग्रेस व अन्य दल किसानों के नाम पर राजनीति ढूंढ रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। किसान के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

हरियाणा में 'हर घर – हर गृहिणी' योजना लेकर आई महिला सशक्तिकरण का पैगाम

बीपीएल और अंत्योदय अन्न योजना के अंतर्गत आने वाले परिवारों को 500 रुपए में मिल रहा सिलेंडर

चंडीगढ़। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से चलाई गई 'हर गृह - हर गृहणी' योजना खाना पकाने के लिए स्वच्छ और सुघड़ समाधान प्रदान कर रही है।

इस योजना ने राज्य की महिलाओं के मुख पर मुस्कान बिखेर दी है। राज्य की महिलाएं आधिकारिक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पांच सौ रुपए में सब्सिडी पर सिलेंडर प्राप्त कर रही हैं। अब तक कुल साढ़े 12 लाख से अधिक महिलाएं पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर चुकी हैं और स्वच्छ घरेलु गैस का लाभ उठा रही हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर कहते हैं कि हमारा लक्ष्य है कि बीपीएल परिवारों को स्वच्छ ईंधन मिले और महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हो। इसी श्रृंखला में 'हर गृह - हर गृहिणी' योजना का शुभारम्भ किया गया और अब प्रदेश के बीपीएल परिवारों को काफी राहत मिली है।

लाखों महिलाओं ने इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया है। कम आमदनी वाले घर जो फुल प्राइस पर एलपीजी नहीं खरीद सकते और खाना पकाने के लिए पारम्परिक संसाधनों पर निर्भर करते थे उन्हें इस योजना से खासकर फायदा पहुंच रहा है। सरकार की यह योजना नारी सशक्तिकरण को भी प्रोत्साहन देती है। नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए परिवार की सबसे उम्रदराज महिला के नाम पर सिलेंडर सब्सिडी दी जा रही है।

हरियाणा के गांवों में बहुत से परिवार ऐसे हैं जो गरीबी रेखा से नीचे हैं और अब भी खाना बनाने के लिए पारम्परिक संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं। महिलाओं को खाना बनाने के इन पारम्परिक संसाधनों के साथ दोगुनी मेहनत करनी पड़ती है। महिलाओं के लिए 'हर गृह - हर गृहिणी' योजना वरदान साबित हो रही है। एलपीजी के इस्तेमाल से पर्यावरण स्वच्छ रहता है। पारम्परिक ईंधन संसाधनों से वायु प्रदूषण बढ़ता हैं जो सेहत के लिए भी हानिकारक हैं।

महिलाओं को इनसे होने वाले धुएं से सांस के रोग होते हैं। 'हर गृह - हर गृहिणी' योजना को हरियाणा के गांव - गांव तक पहुँचाया गया है।

हमने इस बारे में प्रदेश के अलग अलग हिस्सों में रहने वाली महिलाओं से बात की।

अम्बाला के मुलाना में पट्टी भगरदु गांव की रहने वाली जरनेलो देवी बताती हैं कि सरकारी सहायता से अब मेरे खाते में सब्सिडी आ जाती है। कैथल के गांव गुलियाणा की प्रमिला बताती हैं कि मैं पहले चूल्हे पर खाना बनाती थी और परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

अब मुझे सिलेंडर के लिए सरकार से सब्सिडी मिल रही है और जीवन आसान हो गया है।

फतेहाबाद की अंजना रानी कहती हैं कि अब सरकार की ओर से मुझे सिलेंडर के लिए सब्सिडी मिल रही है जिससे आर्थिक बोझ घटा है। हांसी की शकुंतला कहती हैं कि सिलेंडर सब्सिडी मिलने से मेरे रसोई खर्च में बचत हुई है। मैं 'हर गृह - हर गृहिणी' योजना चलने के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह का धन्यवाद करती हूँ।

प्रदूषण से प्रभावित श्रमिकों के लिए बड़ी राहत, 1,75,116 श्रमिकों को मिला लाभ

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के श्रम विभाग द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए आर्थिक सहायता योजना शुरू की गई है। प्रदूषण के कारण निर्माण गतिविधियां बंद होने से प्रभावित निर्माण श्रमिकों को सरकार द्वारा प्रति सप्ताह 2,539 रुपए का निर्वाह भत्ता प्रदान किया जा रहा है। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया 1,75,116 से अधिक निर्माण श्रमिक इस आर्थिक सहायता योजना का लाभ उठा चुके हैं। यह सहायता राशि सीधे प्रभावित श्रमिकों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

श्रम मंत्री ने सभी पात्र निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ लेने के लिए जल्द से जल्द आवेदन करें और इस योजना का लाभ उठाएं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर, 2024, शाम 5:00 बजे तक है। आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर या फिर नजदीकी हेल्पडेस्क पर जाकर भी आवेदन किया जा सकता है। यह योजना उन सभी श्रमिकों के लिए एक बड़ी राहत है, जो प्रदूषण के कारण बेरोजगार हो गए हैं। इस योजना से उन्हें आर्थिक रूप से मदद मिलेगी और वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकेंगे।

भाजपा ने सदस्यता अभियान की तारीख 15 दिसंबर की

चंडीगढ़। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा ने सदस्यता अभियान की तारीख बढ़ाकर 15 दिसंबर कर दी है, इसमें सक्रिय और साधारण दोनों तरह के सदस्य बनाए जाने हैं।

पार्टी का टारगेट 50 हजार सक्रिय सदस्य बनाने का है और हर सक्रिय सदस्य को 50 सदस्य बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि अब तक 34 लाख साधारण सदस्य बने जा चुके हैं और पार्टी का टारगेट 50 लाख साधारण सदस्य बनाए जाने का है।

इसी कड़ी में यह बता दें कि भाजपा ने अब तक दो बार सदस्यता अभियान की तारीख बढ़ाई है पहले नवंबर के अंत तक अभियान चलाना था। इसके बाद इसकी तारीख बढ़ाकर 5 दिसंबर और फिर दोबारा से 10 दिसंबर कर दी तो ऐसे में अब तक भाजपा ने तीन बार सदस्यता अभियान

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ कुरुक्षेत्र में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

राजेश वधवा

कुरुक्षेत्र। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ भारत के हिंदुओं में भारी रोष है। हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों का गुस्सा अब सड़कों पर नजर आने लगा है। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में भी बांग्लादेश में हिंदू नरसंहार व बांग्लादेश में हिन्दुओं एवं वहां के अल्पसंख्यकों व महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदू संगठनों ने 'बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। अग्रसेन चौंक पर हिंदू संगठनों के लोग भारी संख्या में एकत्रित हुए। इनमें विशेष रूप से संतों, बुजुर्गों महिलाओं और युवाओं की भारी संख्या में भागीदारी रही। जय श्री राम और बांग्लादेश मुदार्बाद के नारों से धर्मनगरी

गूंज उठी। मोहन नगर, अग्रसेन चौंक से हिंदू संगठनों ने पिपली रोड, सेक्टर 13 मार्ग से होते हुए लघु सचिवालय पहुंचकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा और पुतला फूंका। जन सैलाब इस बात का जीता जागता उदाहरण था कि अपने हकों और अधिकारों के लिए अब हिन्दू जाग चुका है, एकजुट हो चुका है। हिंदू समाज के लोगों ने अपनी ताकत दिखाई और ऐलान कर दिया कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी है कि हिंदुओं पर अत्याचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत सरकार तुरंत इस पर संज्ञान ले। इस अवसर पर वासुदेवा नंद, स्वामी हरिओम दास परिवराजक, जनार्दन स्वामी महाराज, स्वामी रघुनाथ दास महाराज, साध्वी मोक्षिता, किशन दास महाराज, प्रेम नारायण अवस्थी, हरियाणा शुगर फेडरेशन के अध्यक्ष धर्मवीर डागर, सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी भाजपा राजकुमार सैनी, जिला महामंत्री तजिंदर सिंह गोल्डी, उपाध्यक्षा अनु मालयान, गुरनाम सैनी, राकेश काठवाढ़, धर्मपाल चौधरी डीपी, आचार्य राम मेहर शास्त्री, राकेश मेहता, दर्शन गुलाटी, राजेंद्र जुनेजा, जय नारायण शर्मा, सुरेंद्र माजरी, के.सी रंगा, अश्वनी जैन, रोहित शर्मा व समस्त हिंदू समाज सर्व धर्म के लोग उपस्थित रहे।

लोक कलाकारों के वाद्य यंत्रों की धुनों ने बदली ब्रह्मसरोवर की फिजा

रंग-बिरंगे, छैल-छबीले, चमकते परिधानों में सजे कलाकारों संग पर्यटक जमकर ले रहे फोटो

चण्डीगढ़। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर प्रदेश के कोने-कोने से लुप्त होने के कगार पर पंहुचे वाद्य यंत्रों की धुनों को सहजता से सुना जा सकता है। इस बार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 में लोक कलाकारों ने अपने वाद्य यंत्रों की धुनों से ब्रह्मसरोवर की फिजा को बदलने का काम किया है।

इस सरोवर के पावन तट पर कहीं जंगम जोगी, कहीं नगाड़ा-बीन और कहीं सारंगी की धुनों को सुनकर पर्यटक मस्ती से झूम रहे है, तो कहीं रंग-बिरंगे, चमकते परिधानों में सजे कलाकारों संग फोटो लेने का क्रेज भी पर्यटकों के सिर चढकर बोल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 में जहां प्रदेश के लोक कलाकार पर्यटकों को आनन्दित कर रहे हैं, वहीं इस प्रकार के महोत्सव लुप्त हो रही कलाओं का संगम भी बना है।

इन्ही तमाम पहलूओं को लेकर ही सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की तरफ से जंगम जोगी के ग्रुप, डेरू पार्टी के ग्रुप, नगाड़ा पार्टी के ग्रुप, बीन पार्टी के ग्रुप बुलाए गए है। इन सभी ग्रुपों के करीब 250 लोक कलाकार महोत्सव में पंहुचे हैं।

ये सभी कलाकार सरोवर के चारों तटों पर घूम-घूम कर पर्यटकों का मनोरंजन करने का काम कर रहे हैं। इसके साथ-साथ ब्रह्मसरोवर पर नगाड़ा व बीन की पार्टियां घूम-घूम कर लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

एनजेडसीसी के अधिकारी श्री जरनैल सिंह ने कहा कि इन पार्टियों के कलाकारों ने हरियाणा की लोक कला के परम्परागत वाद्ययंत्रों की धुनों से पूरे ब्रह्मसरोवर की फिजाओं का बदलने का काम किया है।

इस महोत्सव में सारंगी पार्टी भी अपनी कला से पर्यटकों को भाव-विभोर कर रही है और अपनी सारंगी से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करने का काम कर रही है। महोत्सव में आने वाले पर्यटकों में प्रस्तुतियों उपरांत कलाकारों के साथ फोटो खिंचवाने की भी एक होड़ से मच जाती है।

पर्यटक ब्रह्मसरोवर के मनमोहन दृश्यों की फोटो अपने मोबाईल में कैद करके, उन्हें सोशल साइटस पर उड़ान भरने के लिए छोड़ देते है और फिर सोशल साइटस पर एक क्लिक में महोत्सव पहुंच जाता है विश्व के हर कोने तक। सोशल साइटस पर अपलोड होते ही शुरू होता है लाइक और कमेंट का दौर, जिससे महोत्सव के हर पहलू को मिलती है नई उड़ान और महोत्सव में ना पहुंचने वाले पर्यटक भी गीता महोत्सव से रुबरु हो सकते है।

UHBVN उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ता संतुष्टिह्न के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके।

बिजली निगम के प्रवक्ता ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच रेगुलेशन 2.8.2 के अनुसार में एक लाख रुपये से अधिक और तीन लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगा। रोहतक जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों नामतः करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर और रोहतक के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण 12 दिसंबर को सेक्टर-6, पानीपत में किया जायेगा। उन्होंने बताया कि रोहतक जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के

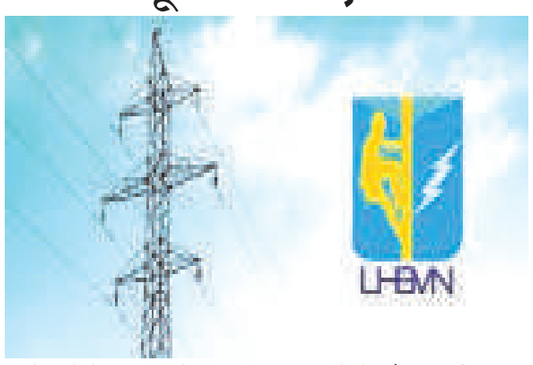

उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से संबंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से संबंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का भी निपटान किया जाएगा।

उपभोक्ता और निगम के बीच किसी भी विवाद के निपटान के लिए फोरम में वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायत प्रस्तुत करने से पहले पिछले छः महीनों के दौरान उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए बिजली के औसत शुल्क के आधार पर गणना की गई प्रत्येक माह के लिए दावा की गई राशि या उसके द्वारा देय बिजली शुल्क के बराबर राशि, जो कम है, उपभोक्ता को जमा करवानी होगी। इस दौरान उपभोक्ता को प्रमाणित करना होगा कि यह मामला अदालत, प्राधिकरण या फोरम के समक्ष लंबित नहीं है।

जयपुर। राइजनिंग राजस्थान में पावणों के स्वागत के लिए शहर में आकर्षक पौधे लगाए गए है।

तैयरियों में तो आप आगे

अरविन्द मोहन
वरिष्ठ संपादक

लेकिन सबसे तेज हलचल राजधानी दिल्ली में है जहाँ कभी भी चुनावों की घोषणा हो सकती है। इससे भी बड़ी बात ये है कि वहाँ जिन दो पार्टियों के बीच चुनावी मुकाबला है अर्थात भाजपा और आप, वे साल भर और 24 घंटे चुनावी मूड में रहने वाली पार्टियां है।इन दोनों पार्टियों ने लगातार एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और इसी का परिणाम है कि चुनाव घोषित नहीं हुए और लगभग चुनाव प्रचार शुरू हो गया है उम्मीदवारों के नाम घोषित होने लग गए है।

चुनावी सुगबुगाहट तो बिहार में भी कब से शुरू है जहाँ अगले साल अक्टूबर से पहले विधान सभा चुनाव होना है और इसकी तैयारी चल रही है । लेकिन सबसे तेज हलचल राजधानी दिल्ली में है जहाँ कभी भी चुनावों की घोषणा हो सकती है। इससे भी बड़ी बात ये है कि वहाँ जिन दो पार्टियों के बीच चुनावी मुकाबला है अर्थात भाजपा और आप, वे साल भर और 24 घंटे चुनावी मूड में रहने वाली पार्टियां है।इन दोनों पार्टियों ने लगातार एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और इसी का परिणाम है कि चुनाव घोषित नहीं हुए और लगभग चुनाव प्रचार शुरू हो गया है उम्मीदवारों के नाम घोषित होने लग गए है और कार्यक्रमों की झड़ी लग गई है कहना न होगा कि इस काम में भाजपा पूरे पांच साल से लगी हुई है और उसने आप की राज्य सरकार को गिराना है और उसके नाक में दम करने में अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी है। कई बार उसकी कोशिशें संसदीय मयार्दाओं के उलट भी हुई है और सब किसी को ये लगता है कि ये कदम है आप के नेताओं को परेशान करने के लिए उठाए जा रहे हैं तो किसी को भी यह समझने में दिक़्कत नहीं होती है न कि किस तरह से आप ने भाजपा को पराजित किया है।

भाजपा के लिए यह ज्यादा परेशानी की बात है क्योंकि नरेन्द्र मोदी का डंका पूरे देश में बजता है लेकिन बार बाग दिल्ली मैं उनको पराजय झेलनी पड़ती है। उससे पहेले भी दिल्ली में लगातार पंद्रह साल कॉंग्रेस की सरकार रही है। इस तरह से भाजपा बीते पच्चीस वर्षों से दिल्ली की सत्ता से बाहर रही है।

और आप तो आपने उसे स्थानीय निकाय चुनावों में भी बुरी तरह पराजित कर दिया है। इस पराजय के साथ ही यह सच्चाई भी भाजपा को दिखाई देती है कि लोक सभा चुनावों में उसे किसी कि स्म का दबाव या चुनौती नहीं होती है। इस बार भी भाजपा ने बहुत आसानी से दिल्ली का चुनाव जीता जबकि आप ने कॉंग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। इस हिसाब से इस बार के चुनाव ज्यादा दिलचस्प और करीबी हैं।दिलचस्पी की खास वजह ये है कि इस बार आप का लगभग पूरा नेतृत्व किसी न किसी तरह के गंभीर आरोप से घिरा हुआ है। खुद अरविन्द केजरीवाल, उस पार्टी के नम्बर दो माने जाने वाले मनीष सिसोदिया और लगभग पूरी पुरानी कैबिनेट दागदार हुआ है। यह जरूर है कि प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग/दुरुपयोग करने के बावजूद केंद्र सरकार आप के नेताओं के खिलाफ कोई खास सबूत या मुकदमा खड़ा नहीं कर पाई है।सभी लोग जमानत पर छूटे हैं और अभी भी मुकदमे चल रहा है। इनका क्या होगा यह भविष्यवाणी करना तो मुश्किल है लेकिन इतना करने में कोई हर्ज नहीं है कि आप के ज्यादातर बड़े नेताओं का दामन दागदार हो चुका है भ्रष्टाचार खत्म करने के जिस बुनियादी दावे के साथ उन्होंने राजनीति शुरू की थी वह खत्म हो गई है। सादगी का नाम लेना भी अब उनके लिए उल्टा पड़ता है। उनके नेताओं के बारे में भाजपा सरकार गिराने में सफल हुई हो ना हुई हो लेकिन उसने आप के नेताओं की साख जरूर गिराई है। और इसी का परिणाम है की आज अरविंद

केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर लोगों की अदालत में जाने की घोषणा की है जिससे भी भाजपाई नाटक बताते हैं। खुद भाजपा उपराज्यपाल से लेकर सारे पदों का किस तरह दुरुपयोग कर रही है यह भी किसी बड़े घटिया नाटक से कम नहीं है क्योंकि राज्यपाल को भी बार बार अदालतों से फटकार मिल रही है। जो कदम वो उठाते हैं उसे कानूनी रूप से गलत बताया जाता है। खुद वे अदालतों से छुपते फिर रहे हैं क्योंकि जो बयान वे दे रहे हैं उसका झूठ अदालतें जानती है।

आप चुनाव के मामले में है बीजेपी से कमजोर नहीं है क्योंकि शासन का उसका रिकार्ड बहुत बढ़िया हो न हो भाजपा ही राज्यों से बेहतर है। भाजपाई शासन जहाँ जहाँ है वहाँ बिजली पानी से लेकर कानून व्यवस्था की स्थिति बदतर हुई है ।इन सब मामलों में, शिक्षा में जो स्थिति है दिल्ली की है वह की स्थिति यूपी हरियाणा से बेहतर है। दिल्ली काफी कुछ लुटाके भी, लोगों में बाँट के भी, स्वास्थ्य और शिक्षा के मामले में बेहतर स्थिति में है। शिक्षा का मामला हो स्वास्थ्य का, वृद्धावस्था पेंशन का मामला हो, दूसरी सहूलियतों का मामला हूँ दिल्ली अभी भी देश के बाकी राज्यों से बेहतर है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार रही है वहाँ भी बिजली महँगी है। मुफ़्त बिजली वाली बात तो है ही नहीं। वहाँ की सड़कों की हालत बदतर है। वहाँ के स्कूल किसी भी तरह से दिल्ली के स्कूलों से टक्कर नहीं ले सकते। शासन का यह रिकॉर्ड आप को भाजपा के मुकाबले मजबूत

लालू जैसे नेता भी नहीं है अब साथ में, राहुल अब हिम्मत तो करें बैसाखी छोड़ने की

अजीत मेंदोला
वरिष्ठ पत्रकार

लेकिन लालू यादव और शरद पंवार की पार्टी भी अपना रुख बदलने लगे तो समझो राहुल गांधी के लिए कुछ भी ठीक नहीं है। क्योंकि टारगेट वही हैं। राहुलअगर समझे तो बड़ा मौका भी है। अपने पैरों पर खड़ा होने की हिम्मत जुटाएं। बिना बैशाखियों के खड़ा होने की कोशिश कर के तो देखें।तुरंत तो खड़ा नहीं हुआ जाएगा।लेकिन कोशिश करते करते क्या पता बात बन जाए।लेकिन इसके लिए उन्हें बिना मेहनत के सत्ता के लालची सलाहकारों से मुक्ति पानी होगी।ये वो सलाहकार है

नई दिल्ली। जिसका डर था,लगता है वही होने जा रहा है।कांग्रेस से उसके अपने धीरे धीरे दूर होते जा रहे हैं।इंडिया गठबंधन में शामिल दल एक एक कर उसका साथ छोड़ते जा रहे हैं।सपा,टीएमसी तक तो बात ठीक थी। लेकिन लालू यादव और शरद पंवार की पार्टी भी अपना रुख बदलने लगे तो समझो राहुल गांधी के लिए कुछ भी ठीक नहीं है।क्योंकि टारगेट वही हैं।राहुलअगर समझे तो बड़ा मौका भी है। अपने पैरों पर खड़ा होने की हिम्मत जुटाएं।बिना बैशाखियों के खड़ा होने की कोशिश कर के तो देखें।तुरंत तो खड़ा नहीं हुआ जाएगा।लेकिन कोशिश करते करते क्या पता बात बन जाए।लेकिन इसके लिए उन्हें बिना मेहनत के सत्ता के लालची सलाहकारों से मुक्ति पानी होगी।ये वो सलाहकार हैं जो अपनी दुकान बचाने के लिए झूठा जय कारा लगा पार्टी को डुबोने में लगे हुए हैं।दरअसल कांग्रेस को डुबोने वाले गैर नहीं अपने ही हैं।पी वी नरसिंह राव ने गठबंधन की राजनीति का जो प्रयोग किया वह कांग्रेस के लिए कुछ समय तक के लिए तो ठीक था। कुछ राज्यों तक भी सीमित रहता तो चल जाता। लेकिन सोनिया गांधी ने पार्टी की कमान संभालने के बाद कोई आंकलन ही नहीं किया या उन्हें करने नहीं दिया गया।सत्ता के लालच में 2004 में कांग्रेस ने ऐसा कुनबा जोड़ा जो उनके लिए भस्मासुर साबित हुआ।जिन क्षेत्रीय दलों के दम पर कांग्रेस ने सरकार बनाई उन्होंने अपने को राज्यों में मजबूत किया लेकिन कांग्रेस को डुबो दिया। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र, उड़ीसा, तमिलनाडु,आंध्र प्रदेश कई राज्य हैं जहां कांग्रेस हाशिए पर चली गई।2009 में वरिष्ठ नेता जनार्दन द्विवेदी ने जरूर सलाह दी थी कि कांग्रेस को अपने पैरों पर खड़ा हो खुद के दम पर बहुमत लाना चाहिए।उनकी यह सलाह उन पर ही भारी पड़ गई।राहुल के युवा चौकड़ी उन्हें भगाने में जुट गई।और किनारे लगाने में सफल भी रहे। कांग्रेस के रणनीतिकारों को लगता था कि इस देश में उनके अलावा कोई और राज कर ही नहीं सकता।धर्म और जाति में बंटे इस देश में हिंदू समर्थक बीजेपी कभी सत्ता में आ ही नहीं सकती। कांग्रेस को बीजेपी तो दिखी लेकिन उसके पीछे जो संघ दशकों से काम कर रहा था उसका आंकलन ही नहीं किया।बीजेपी को रोकने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपना उन क्षेत्रीय दलों को साथ लेने में जुट गई जो राज्यों में जाति और मुस्लिम

Delhi Darbar

तुष्टिकरण के सहारे राज कर रही थी।संघ ने मौका मिलते ही मंदिर के नाम पर हिंदुओं का ध्रुवीकरण करना शुरू किया।इस बीच नरेन्द्र मोदी के रूप में संघ को ऐसा नेता मिल गया जिन्हें कांग्रेस ने ही नेता बनाया।2004 कांग्रेस में सत्ता में क्या आई एक ही एजेंडा होता मोदी मोदी।मंत्री से लेकर कांग्रेस का संतरी तक का एक ही काम होता मोदी पर हमला करो और मुस्लिम वोटरों को खुश करो। मोदी तब गुजरात के सीएम होते थे।कांग्रेसियों की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति ने मोदी को हिंदुओं का एक ऐसा चेहरा बना दिया जिसका तोड़ कांग्रेस के पास दूर दूर तक नहीं था।नरेंद्र मोदी के चेहरे पर जब बीजेपी ने 2014 में लोकसभा का चुनाव लड़ा तो कांग्रेस हाशिए पर लग गई। इसके बाद भी कांग्रेस नहीं सुधरी। सुबह शाम एक ही एजेंडा मोदी मोदी।कांग्रेस को लगा कि मोदी 5 साल से ज्यादा राज नहीं कर पाएंगे।फिर भानुमति के कुनबे पर ही भरोसा किया।लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कुनबे में नए नए आए जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने कांग्रेस को सुझाव दिया कि 2019 में उन्हें यूपीए का चेहरा बना दें।कांग्रेस ने उन्हें ऐसा लताड़ा कि प्रधानमंत्री मोदी के विरोधी होने के

बाद भी वापस बीजेपी में चले गए।घमंड में चूर कांग्रेस की 2019 में और करारी हार हो गई।लेकिन कांग्रेस के नए रणनीतिकार और सलाहकारों को तब भी यही लगा चलो 5 साल और सही।2024 में तो वो ही वापसी करेंगे।इस बीच 2019 की करारी हार के बाद बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विपक्ष को एक जुट करने कोशिश की थी।साथ ही उनकी कोशिश यह थी यूपीए या अन्य किसी नए गठबंधन का चेहरा उन्हें या शरद पंवार को बना दिया जाए।राहुल गांधी फ्रंट में नहीं रहने चाहिए।कांग्रेस ने एक झटके में उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।फिर नया गठबन्धन इंडिया बना। इसकी नींव कायदे से नीतीश कुमार और लालू यादव ने रखी।दोनों की अपनी राजनीति थी।

नीतीश चाहते थे उन्हें इंडिया गठबंधन का चेहरा घोषित कर उनकी अगुवाई में चुनाव लड़ा जाए।लालू का लगता था कांग्रेस तैयार हो जाएगी।नीतीश चेहरा बनेंगे तो उनका बेटा तेजस्वी सीएम बनेगा।कांग्रेस के मौजूदा सलाहकारों ने नीतीश कुमार को फिर वही दोहराया जो 2019 के चुनाव से पहले कहा था।मतलब नीतीश को नेता बनने की सोचनी ही नहीं चाहिए।नीतीश फिर ठगे गए।उन्हें लगा बीजेपी में ही वापसी में भलाई है।सो लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश फिर बीजेपी में लौट गए।राहुल गांधी खुद को फेस बना इंडिया गठबंधन की तरफ से लड़ने निकल पड़े।2024 में बीजेपी अपने दम पर बहुमत से चूक गई,लेकिन सहयोगियों के दम पर उसने बहुमत हासिल किया।राहुल इसे ही जीत मान विपक्ष के नेता बन गए।लेकिन 6 माह में ही महाराष्ट्र और हरियाणा की हार ने उनके लिए संकट खड़ा कर दिया।

अभी तक जिन्होंने कभी आंख नहीं दिखाई थी वह भी आंख दिखाने लगे।राजद नेता लालू यादव ने राहुल का नेतृत्व अस्वीकार कर टीएमसी नेत्री ममता बनर्जी को नेता मान लिया।टीएमसी तो शुरू से ही राहुल के नेतृत्व के खिलाफ थी।वामदल भी अब कांग्रेस के साथ नहीं हैं। शरद पंवार की पार्टी भी ममता को नेता मानने को तैयार है।सपा कही चुकी है।आम आदमी पार्टी को एतराज नहीं है। ले दे कर डीएमके के है वह भी पाला बदल सकती है।अगर आने वाले दिनों में विपक्ष की कमान ममता बनर्जी संभालती हैं तो राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस के लिए बड़ा झटका होगा।लेकिन वहीं राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस के लिए मौका भी होगा।राहुल अपने मौजूदा सलाहकारों से मुक्ति पा पुराने अनुभवी चेहरों को संगठन में वापस ला अपने दम पर खड़ा होने की कोशिश करते हैं तो पार्टी हित में होगा।क्योंकि जो दल अभी सवाल उठा रहे हैं उनसे कांग्रेस को बहुत फायदा है नहीं।कांग्रेस अकेले लड़ेगी तो क्या पता स्थिति बदल जाए। लेकिन इसके लिए हिम्मत और कड़े फैसले राहुल गांधी को खुद ही लेने होंगे।

लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है भ्रष्टाचार

डॉ जगदीप सिंह

पूरे विश्व में एक समृद्ध, ईमानदार, पारदर्शी, नैतिक एवं मूल्याधारित समाज को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करना इस दिन का मुख्य उद्देश्य है। तेजी से पांव पसार रहा भ्रष्टाचार किसी एक समाज, प्रांत या देश की समस्या नहीं है। इसने हर व्यवस्था को दूषित किया है, इसे रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं प्रक्रिया आवश्यक है। सत्ता एवं स्वार्थ ने भ्रष्टाचारमुक्ति को पूर्णता देने में उदासीनता दिखाई है। भ्रष्टाचार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है, आर्थिक विकास को धीमा करता है और सरकारी अस्थिरता में योगदान देता है।हमारा विश्व अनेक चुनौतियों, त्रासदियों, असमानताओं और अन्यायों का सामना कर रहा है, जिनमें से अनेक भ्रष्टाचार से जुड़ी हैं। विश्व में 1.9 अरब युवा हैं, तथा भ्रष्टाचार से लड़ना वैश्विक जनसंख्या के लगभग एक-चौथाई भाग के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।देश के विकास को केवल राजनीतिज्ञों के भरोसे छोड़ देने का यह नतीजा है। जबकि हमारे साथ या बाद में आजाद हुए देशों की प्रगति अनेक क्षेत्रों में हमसे अधिक बेहतर है, बावजूद इसके कि संसाधनों व दिमागों की हमारे पास कमी नहीं है। आज भी

भ्रष्टाचार विरोधी दिवस प्रतिवर्ष 9 दिसम्बर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। 31 अक्तूबर, 2003 को संयुक्त राष्ट्र ने एक भ्रष्टाचार निरोधक समझौता पारित किया था और तभी से यह दिवस मनाया जाता है। पूरे विश्व में एक समृद्ध, ईमानदार, पारदर्शी, नैतिक एवं मूल्याधारित समाज को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करना इस दिन का मुख्य उद्देश्य है। तेजी से पांव पसार रहा भ्रष्टाचार किसी एक समाज, प्रांत या देश की समस्या नहीं है। इसने हर व्यवस्था को दूषित किया है, इसे रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं प्रक्रिया आवश्यक है। सत्ता एवं स्वार्थ ने भ्रष्टाचारमुक्ति को पूर्णता देने में उदासीनता दिखाई है। भ्रष्टाचार एक जटिल सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक घटना है जो सभी देशों को प्रभावित करती है। भ्रष्टाचार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है, आर्थिक विकास को धीमा करता है और सरकारी अस्थिरता में योगदान देता है।हमारा विश्व अनेक चुनौतियों, त्रासदियों, असमानताओं और अन्यायों का सामना कर रहा है, जिनमें से अनेक भ्रष्टाचार से जुड़ी हैं। विश्व में 1.9 अरब युवा हैं, तथा भ्रष्टाचार से लड़ना वैश्विक जनसंख्या के लगभग एक-चौथाई भाग के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।देश के विकास को केवल राजनीतिज्ञों के भरोसे छोड़ देने का यह नतीजा है। जबकि हमारे साथ या बाद में आजाद हुए देशों की प्रगति अनेक क्षेत्रों में हमसे अधिक बेहतर है, बावजूद इसके कि संसाधनों व दिमागों की हमारे पास कमी नहीं है। आज भी ऐसे लोग हैं, जो न विधायक हैं, न सांसद, न मंत्री, पर वे तटस्थ व न्यायोचित दृष्टिकोणों से अपनी प्रबुद्धता व चरित्र के बल पर राष्ट्र के व्यापक हित में अपनी राय व्यक्त करते हैं। आवश्यकता भी है कि ऐसे साफ दिमागी, साफ गिरेबान के लोगों का समूह आगे आए और इन रंग चढ़े हुए राजनीतिज्ञों एवं भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे नौकरशाहों एवं सत्ताधारियों के लिए आईना बनें। भ्रष्टाचार चुनावी प्रक्रियाओं को विकृत करके, कानून के शासन को विकृत करके और नौकरशाही के दलदल को पैदा करके लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव पर हमला करता है, जिसके अस्तित्व का एकमात्र कारण रिश्वत मांगना है। आर्थिक विकास अवरुद्ध है, क्योंकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हतोत्साहित है और देश के भीतर छोटे व्यवसायों को अक्सर भ्रष्टाचार के कारण आवश्यक ;स्टार्ट-अप लागत को पूरा करना असंभव लगता है। 31 अक्टूबर 2003 को, महासभा ने भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन को अपनाया और महासचिव से अनुरोध किया कि वे कन्वेंशन के सदस्य देशों के सम्मेलन (संकल्प 58/4) के सचिवालय के रूप में संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) को नामित करें। तब से, 190 दलों ने कन्वेंशन के भ्रष्टाचार विरोधी दायित्वों के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जो सुशासन, जवाबदेही और राजनीतिक प्रतिबद्धता के महत्व की लगभग सार्वभौमिक मान्यता को दर्शाता है।भ्रष्टाचार दुनिया के सभी हिस्सों में व्याप्त है, यह किसी भी देश के आर्थिक विकास को धीमा करता है, तभी इस विकराल होती समस्या पर नियंत्रण पाने के लिये संयुक्त राष्ट्र ने भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाने करने का निश्चय किया। इस वर्ष इस दिवस की थीम है ;भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं के साथ एकजुट होना कल की ईमानदारी को आकार देना।; यह थीम भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों में युवाओं को शामिल करने पर केंद्रित है, जो युवाओं को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता को बढ़ावा देकर हम सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाते हुए दुनिया के कतिपय राष्ट्रों ने ईमानदार शासन व्यवस्था देने का उदाहरण प्रस्तुत किया है, अब इसकी व्यावहारिकता पर जोर देने का समय भी आ चुका है।भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिये सख्ती के साथ-साथ व्यावहारिक कदम उठाने की सरकार से अपेक्षा है। आजादी का अमृत महोत्सव मना चुके देश में भ्रष्ट कार्य संस्कृति ने देश के विकास को अवरूद्ध किया। आजादी के बाद से अब तक देश में हुए भ्रष्टाचार और घोटालों का हिसाब जोड़ा जाए तो देश में व्यापक स्तर पर विकास हो सकता था ।

दूषित राजनीतिक व्यवस्था, कमजोर विपक्ष और क्षेत्रीय दलों की बढ़ती ताकत ने पूरी व्यवस्था को भ्रष्टाचार के कुएं में धकेलने का काम किया। देखना यह है कि क्या वास्तव में हमारा देश भ्रष्टाचार से मुक्त हो सकेगा ? यह प्रश्न आज देश के हर नागरिक के दिमाग में बार-बार उठ रहा है।। वर्तमान सरकार की नीति और नीयत देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की है, लेकिन उसका असर दिखना चाहिए। विभिन्न राजनीतिक दल जनता के सेवक बनने की बजाय स्वामी बन बैठे। विभिन्न देशों में भ्रष्टाचार की सीमा को मापने का एक तरीका भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक है, जिसे ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है, जो नीति निमार्ताओं और संगठनों को भ्रष्टाचार रूपी समस्याओं को पहचानने और भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए बेहतर रणनीति बनाने में मदद करता है। ग्लोबल क्रप्शन परसेप्शन इंडेक्स में भारत की स्थिति चिंताजनक रही है। 2023 में भारत 40 अंकों के साथ 180 देशों में 93वें स्थान पर था। यह स्कोर दर्शाता है कि भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए भारत को अभी भी लम्बा रास्ता तय करना है।

भारत ने भ्रष्ट आचरण पर अंकुश लगाने और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए कई भ्रष्टाचार विरोधी कानून और नीतियां लागू की हैं। इनका उद्देश्य जवाबदेही को मजबूत करना और नैतिक शासन सुनिश्चित करना है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम-1988 भ्रष्टाचार को परिभाषित करता है और लोक सेवकों द्वारा किए गए अपराधों के लिए दंड निर्धारित करता है। इसे 2018 में संशोधित किया गया और रिश्वत देने वालों के लिए दंड को शामिल करने के लिए पीसीए के दायरे का विस्तार किया गया।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 इस अधिनियम ने भारतीय दंड संहिता, 1860 का स्थान लिया। इसने भ्रष्टाचार से संबंधित विभिन्न प्रावधानों का आधुनिकीकरण और सुधार किया तथा रिश्वतखोरी के लिए दंड का प्रावधान किया गया है भ्रष्टाचार एक विश्वव्यापी समस्या है। भारत में इसने कहर ढाया है। इसके खिलाफ लड़ाई केवल किसी एक अन्ना हजारे की नहीं, 1 अरब 25 करोड़ जनता के हितों की लड़ाई है जिसे हर व्यक्ति को लड़ना होगा। ;वही हारा जो लड़ा नहीं- अब अगर हम नहीं लड़े तो भ्रष्टाचार की आग हर घर को स्वाहा कर देगी।हर राष्ट्र के सामने चाहे वह कितना ही समृद्ध हो, विकसित हो, कोई न कोई चुनौती रहती ही है। चुनौतियों का सामना करना ही किसी राष्ट्र की जीवंतता का परिचायक है। चुनौती नहीं होतो राष्ट्र सजाएगा, नेतृत्व निष्क्रिय हो जाएगा। चुनौतियां अगर हमारी नियति है, तो उसे स्वीकारना और मुकाबला करना हमें सीखना ही होगा और इसके लिए हर व्यक्ति को अन्ना हजारे बनना होगा।और साथ ही जन-जागृति के बिना भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं किया जा सकता।आज आवश्यकता केवल एक होने की ही नहीं है, आवश्यकता केवल चुनौतियों को समझने की ही नहीं है, आवश्यकता है कि हमारा मनोबल दृढ़ हो, चुनौतियों का सामना करने के लिए हम ईमानदार हों और अपने स्वार्थ को नहीं परार्थ और राष्ट्रहित को अधिमान दें। अन्यथा कमजोर और घायल राष्ट्र को खतरे सदैव घेरे रहेंगे।

(लेखक गवर्नमेंट कॉलेज नारायणगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।)

इंडिया न्यूज
RNI NO: Applied For (RAJHIN28025)
प्रकाशक, मुद्रक एवं कार्यकारी निदेशक **राकेश शर्मा** द्वारा मै. गुड मॉर्निंग इंडिया मीडिया प्रा. लिमिटेड के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रासिंग, टोंक रोड, जयपुर, राजस्थान से मुद्रित कराकर, ए-1, बापूजी मार्ग, ज्योति नगर, लाल कोठी सहकार मार्ग, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित। **संपादक : राणा यशवंत***
*** पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी**

बांग्लादेश पर पलटवार की तैयारी

दिल्ली एलजी सचिवालय ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र, कहा- कड़ी कार्रवाई शुरू करें

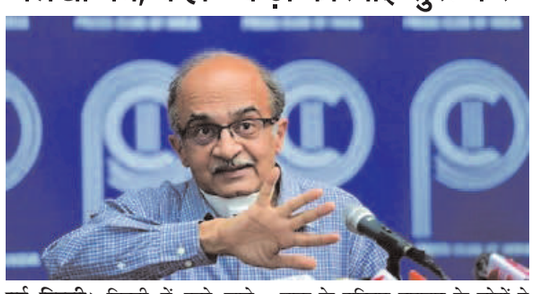

नई दिल्ली। दिल्ली में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। उपराज्यापाल सचिवालय ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को इस संबंध में पत्र लिखा है।

पत्र में राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है। इसके तहत दो महीने तक विशेष अभियान शुरू करने के आदेश दिए हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों की पहचान कर समयबद्ध तरीके से नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है। इससे पहले दरगाह हजरत निजामुद्दीन, बस्ती हजरत निजामुद्दीन के प्रमुख उलेमाओं सहित शहर के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। साथ ही एलजी से मांग रखी थी कि दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

साथ ही मांग की गई थी कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को किराए पर मकान नहीं दिए जाने चाहिए। जिन लोगों ने पहले से ही अपने परिसर या मकान किराए पर दे रखे हैं, उन्हें खाली कर देना चाहिए। उन्हें किसी भी प्रतिष्ठान में रोजगार तक नहीं देने की बात कही गई थी।

अब क्या करेगी कांग्रेस? चाहे आप आए या भाजपा, दिल्ली में ऑटोवालों की बल्ले-बल्ले, दोनों ने किए ताबड़तोड़ वादे

नई दिल्ली। चुनावी मौसम में वायदों की ताबड़तोड़ भरमार से ऑटो चालकों की बल्ले-बल्ले रही। आम आदमी पार्टी और भाजपा ने सरकार बनने की सूरत में कई तरह के फायदे देने का मंगलवार दावा किया है। ऑटो चालकों को गारंटी देते हुए आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऑटो चालकों का 10 लाख का बीमा होगा। बेटी की शादी में सरकार एक लाख की मदद देगी। वहीं, वर्दी के लिए साल में 2 बार सरकार से 2,500 रुपये मिलेंगे। उधर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार उनके छोटे बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के साथ उच्च शिक्षा के लिए वजीफा देगी। भाजपा का आप पर वायदा-खिलाफी का आरोप, भाजपा सरकार लाएगी ऑटो चालकों के जीवन में सार्थक बदलाव। प्रदेश भाजपा कार्यालय में ऑटो चालकों से मुलाकात करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल ऑटो चालकों को सपने बेचते हैं। पिछले 12 साल से दिल्ली के ऑटो वाले छले जा रहे है। रोजगार परिस्थितियों को उनके अनुकूल करने के लिए मौजूदा प्रदेश सरकार ने कुछ भी नहीं किया। कोविड काल हो या सामान्य समय सिर्फ उन्हें सपने दिखाया गया। सचदेवा ने इस दौरान वायदा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर दिल्ली के ऑटो चालकों में जीवन में सार्थक बदलाव आएगा। इस दौरान ऑटो चालकों ने उन्होंने विस्तार से बात की। ऑटो चालकों ने सड़कों पर खुद को होने वाली परेशानियों से रूबरू करवाया। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के सामने मांगे भी रखीं। इसके बाद सचदेवा ने कहा कि भाजपा जब दिल्ली की सत्ता में आएगी तो ऑटो चालकों के लिए बड़े स्तर पर योजनाएं चलाई जाएंगी। उनके बच्चों की शिक्षा से लेकर उनके परिवार का ख्याल भाजपा की सरकार करेगी। वहीं, ई-रिक्शा चालकों की जिंदगी आसान करने के लिए भाजपा ने कार्ययोजना तैयार कर रखी है। इस सबसे ऑटो चालकों के जीवन में सार्थक बदलाव आएगा।

भाजपा ने ऑटो वालों को दिया सात विश्वास

1. हर लाइसेंस धारी ऑटो वाले के बच्चों की स्कूल शिक्षा निशुल्क होगी। उच्च शिक्षा लेने के इच्छुक बच्चों को सरकार वजीफा देगी।
2. सभी ऑटोवालों के लिए विशेष योजना ला कर 17 सितंबर 2025 से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की योजना के तहत जीवन बीमा कवर दिया जाएगा।
3. सभी ऑटो वाले जिनके पास निजी आवास नही है, उन्हें प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाएगा।
4. सभी कॉलोनी, बाजार में ट्रैफिक पुलिस से मिलकर ऑटो वालों के लिए हॉल्ट एंड गो स्टैंड बनेगा।
5. लास्ट माइल कनेक्टिविटी योजना का अहम भाग बना कर इनके रोजगार को और सुरक्षित किया जाएगा।
6. ई-आटो रिक्शा लेने वाले ऑटो वालों को दो वर्ष तक प्रति माह बिजली रिचार्ज सहयोग राशि दी जाएगी।
7. फिटनेस सेंटरों में कमेटी बनेगी जिसमे दो ऑटो चालक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा ताकि फिटनेस सेंटरों में भ्रष्टाचार पर रोक लग सके।

आप ने किए ये पांच वादे

1. हर चालक का 10 लाख तक का जीवन बीमा और 5 लाख का एक्सीडेंट इंश्योरेंस
2. बेटी की शादी में 1 लाख की सहायता
3. वर्दी के लिए साल में 2 बार ?2500
4. बच्चों को कॉम्पिटिशन के एग्जाम की तैयारी के लिए कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी
5. पूछो ऐप फिर से चालू होगा

सीएम आतिशी ने राजौरी गार्डन में लगी आग के घटनास्थल का निरीक्षण किया

फायर डिपार्टमेंट को पूरी दिल्ली में फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश दिए

आग लगने के लिए जो भी दोषी है उसपर सख्त कारवाई की जाएगी

नई दिल्ली। सीएम आतिशी ने मंगलवार को राजौरी गार्डन के रेस्टोरेंट में लगी आग के घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया। इस मौके पर सीएम आतिशी ने कहा कि, प्राजौरी गार्डन के एक रेस्टोरेंट में कल बड़ी आग लगी। इस रेस्टोरेंट के ऊपर कोचिंग सेंटर है। जहाँ आग से बचने के लिए बच्चों को कूद कर बाहर निकलना पड़ा था। जैसे ही आग लगी तुरंत यहाँ पर दिल्ली अग्निशमन विभाग के 11 दमकल वाहन मौके पर पहुँचे और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

उन्होंने कहा कि, ष्घटना में किसी की भी जान नहीं है लेकिन कोचिंग सेंटर से निकलते हुए कूदकर गिरने से एक महिला का पैर फ्रैक्चर हो गया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।ष सीएम आतिशी ने कहा कि, इस रेस्टोरेंट का फायर एनओसी अग्निशमन विभाग द्वारा कैंसिल कर दिया गया था क्योंकि फायर सेफ्टी क्लीयरेंस के लिए हर रेस्टोरेंट के 2 निकासी होने जरूरी है। लेकिन यहाँ एक निकासी रेस्टोरेंट द्वारा बंद कर दिया गया था। इसलिए विभाग द्वारा इसका एनओसी कैंसिल कर दिया गया था। एमसीडी ने भी इस रेस्टोरेंट को बंद करने के आदेश दे दिए थे इसके बावजूद भी रेस्टोरेंट के किचन में क्या हो रहा था इसकी जांच दिल्ली पुलिस कर रही है।

उन्होंने कहा कि, इस आग लगने के लिए जो भी दोषी है उसपर सख्त से सख्त कारवाई की जाएगी। साथ ही दिल्ली फायर सर्विस को निर्देश दिए है कि, ऐसी घटनाओं से बचने के लिए पूरी दिल्ली में एक बार एक फायर सेफ्टी ऑडिट किया जाए और कहीं भी ऐसे रेस्टोरेंट चल रहे है तो उनपर कारवाई की जाए। दिल्ली में कहीं भी ऐसी आग न लगे इसके लिए जिस बिल्डिंग में भी फायर एनओसी नहीं होगा वहाँ किसी भी प्रकार की कमर्शियल गतिविधियां नहीं चलने दी जाएगी।

बच्चों की कोचिंग का खर्च और मिलेगा इंश्योरेंस : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी ने बड़ा एलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने ऑटोवालों को पांच बड़ी गारंटी दी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में ऑटो वालों का इंश्योरेंस होगा। ऑटोवालों को 10 लाख तक का इंश्योरेंस मिलेगा।

उनेंने कहा कि दिल्ली में दोबारा आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर ऑटो ड्राइवर की बेटी की शादी में एक लाख की सहायता देंगे। ऑटो वालों की वर्दी के लिए साल में 2 बार 2500 रुपये ऑटोवालों के खाते में जाएंगे। ऑटोवालों के बच्चों की कोचिंग का खर्चा सरकार उठाएगी। अरविंद केजरीवाल मंगलवार को न्यू कोंडली में अपनी पत्नी सुनीता के साथ एक ऑटो ड्राइवर के घर पहुंचे। जहां उन्होंने खाना खाया है। इससे पहले केजरीवाल ने ऑटो वालों से मुलाकात की थी और एक ऑटो चालक ने घर पर खाना खाने के लिए बुलाया था।

दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को एआईएमआईएम ने दिया टिकट

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को चुनावी मैदान में उतारा है। असदुद्दीन ओवैसी ने ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया है। ताहिर हुसैन के परिवार ने मंगलवार को ओवैसी से मुलाकात भी की है। ताहिर हुसैन अभी तक आम आदमी पार्टी में थे। ताहिर हुसैन के चुनावी मैदान में उतरने से मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र का चुनाव रोचक हो गया है। ताहिर नेहरू विहार से आम आदमी पार्टी से पार्षद रहे। वर्ष 2020 में दिल्ली दंगे में नाम सामने आने पर आप ने ताहिर को पार्टी से निकाल दिया था। बता दें कि ताहिर वर्ष 2020 से ही जेल में बंद है। उस पर यूएपीए, दंगे की साजिश समेत कई धाराओं में केस दर्ज है। जेल में बंद रहने के दौरान भी ताहिर के मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में हर त्योहार पर पोस्टर लगते हैं।

ताहिर के मैदान में उतरने के बाद आम आदमी पार्टी की चिंता बढ़ गई है। मुस्तफाबाद से मौजूदा विधायक हाजी यूनुस से ताहिर हुसैन की कभी बनी नहीं है। आम आदमी पार्टी में रहने के दौरान निगम पार्षद था। ताहिर हुसैन अरविंद केजरीवाल का करीबी नेता रहा है।

उसे दिल्ली विधानसभा चुनाव 2020 में आम आदमी पार्टी को जीत दिलाने वाले नेताओं में भी शीर्ष पर गिना जाता था। ताहिर हुसैन को आम आदमी पार्टी और मुसलमानों के बीच बेहतर समीकरण बनाने के लिए भी जाना जाता था। फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों में ताहिर हुसैन को दोषी माना गया। ताहिर के घर से बहुत हथियार और पेट्रोल बम पाए गए थे।

इसके बाद दिल्ली पुलिस ने ताहिर हुसैन पर दंगा भड़काने, हत्या करने और कई जगह आगजनी करने का मामला दर्ज किया था। भारतीय जनता पार्टी के नेता कपिल मिश्रा और मनोज तिवारी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में हुए दंगों और हिंदुओं की हत्या का मास्टरमाइंड ताहिर हुसैन है।

इलाज में सर्जरी के लिए रोबोट तकनीक देश की अग्रणी स्थिति को और मजबूती देगी: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। राजधानी के फोर्टिस अस्पताल ने मरीजों के ईलाज के लिए सर्जिकल रोबोट लांच किया है। इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इस मौके पर कहा कि यह हेल्थकेयर इनोवेशन के क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति को और मजबूती देगी। ओखला स्थित फोर्टिस एस्कॉर्ट्स के अत्याधुनिक सर्जिकल रोबोट के लॉन्च में पहुंचीं पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं सर्जिकल रोबोट जैसी उन्नत मेडिकल टेक्नोलॉजी को अपनाने की दिशा में नेतृत्व प्रदान करने के लिए फोर्टिस हेल्थकेयर को बधाई देती हूं। अस्पताल की ओर से दावा किया जा रहा है कि यह सर्जिकल रोबोट वास्तव में, नेक्स्ट जेन मेडिकल टेक्नोलॉजी है जो जटिल सर्जरी को सटिक और नियंत्रित तरीके से पूरा करने में मददगार साबित होगी। इस अवसर पर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट एंड फोर्टिस हेल्थकेयर मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन डॉ अशोक सेठ, ग्रुप हेड एमएसओजी डॉ बिष्णु पाणियहि, डॉ ऋत्विक राज भुयान, डॉ मिलिंद होते, डॉ परेश जैन, डॉ संजय वर्मा, डॉ विक्रम अग्रवाल भी उपस्थित थे। डॉ ऋत्विक राज भुयान ने कहा कि सर्जिकल रोबोट अन्य सर्जिकल प्रणालियों में इस मायने में अलग है कि इसका ओपन कंसोल डिजाइन होने की वजह से सर्जन को सर्जरी साइट का 30 दृश्य दिखायी देता है। इससे सटीकता बढ़ती है और कार्डियाक प्रक्रियाओं के दौरान ज्यादा बड़े आकार की हड्डी को काटने की जरूरत नहीं रहती। 360-डिग्री विजन से आंतरिक संरचनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, परिणामस्वरूप अधिक कुशलतापूर्वक तरीके से टिश्यू हैंडलिंग की जा सकती है और पोस्ट-सर्जिकल ट्रॉमा अपेक्षाकृत कम होता है।

फोर्टिस ने अस्पताल के लिए लांच किया सर्जिकल रोबोट

हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बांग्लादेश दूतावास के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ बांग्लादेश दूतावास पर दिल्ली की सिविल सोसाइटी व दिल्ली के 200 से अधिक विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ बांग्लादेश दूतावास पर विरोध मार्च किया गया।

200 से ज्यादा संगठनों ने निकाला मार्च

केजरीवाल की ऑटो वालों के साथ चाय पर मुलाकात, फिर धोखा देने का षड्यंत्र : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि 2014 में गारंटी का ढ़ोल पीटने वाले अरविन्द केजरीवाल ने 11 वर्षों में दिल्ली की जनता का नुकसान करने और सब्जबाग दिखाने के अलावा कुछ नही किया है।

उन्होंने पूछा कि ऑटो वालो के हितों के लिए शीला दीक्षित सरकार ने जो 2 करोड़ का कल्याण बोर्ड बनाया था, उसका केजरीवाल सरकार ने क्या किया, यह जनता को बताएं?

देवेन्द्र यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले ऑटो वालों को चाय पर बुलाकर उनकी भावनाओं से खेलने का काम कर रहे है क्योंकि उन्होंने कभी भी हजारों ऑटो चालकों की जरूरतों और सुविधाओं को पूरा करने में संवेदनशीलता को नही दिखाया। दिल्ली में ऑटो रिक्शा पंजीकरण, परमिटध्लाइसेंस जारी करने की कालाबाजारी से ऑटो वाले परेशान है, जबकि दिल्ली में 93654 ऑटो पंजीकृत हैं और एक अनुमान के अनुसार यदि 4 सदस्य परिवार में है तो दिल्ली के लाखों ऑटो वालों के परिवार जन केजरीवाल के भ्रष्टाचार से त्रस्त हैं।

यादव ने कहा कि 2014 में आम आदमी पार्टी की दिल्ली विधानसभा जीत के बाद, केजरीवाल ने मुद्रास्फीति की दर के अनुसार साल-दर-साल आधार पर ऑटो किराया बढ़ाने, ऑटो चालकों के पुलिस उत्पीड़न को रोकने, ऑटो परमिट चालकों की संख्या बढ़ाने जैसी रियायतों की घोषणा की थी।

एक लाख रुपये और राष्ट्रीय राजधानी भर में कम से कम 300 ऑटो स्टैंड का निर्माण करना था लेकिन केजरीवाल ने ऑटोरिक्शा चालकों को धोखा दिया और ऑटो वालों से किया कोई भी वादा पूरा नहीं किया।

आप नेता सत्येन्द्र जैन ने बांसुरी स्वराज के खिलाफ दर्ज करवाई शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन शिकायत पर प्री समनिंग एविडेंस के मामले में आदेश सुरक्षित रखा। कोर्ट 16 दिसंबर को मामले में फैसला सुनाएगा।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने कहा कि वह 16 दिसंबर को आदेश पारित करेंगी। जैन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि स्वराज ने पांच अक्तूबर 2023 को एक टीवी साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसे लाखों लोगों ने देखा था।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने आरोप है कि एक टीवी इंटरव्यू के दौरान बांसुरी की टिप्पणियों ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।जैन ने स्वराज पर पांच अक्टूबर, 2023 को एक इंटरव्यू के दौरान मानहानिकारक बयान देने का आरोप लगाया है।

उन्होंने दावा किया है कि बांसुरी

स्वराज की टिप्पणियां उन्हें बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए थी। जैन के अनुसार, स्वराज ने झूठा दावा किया कि उनके आवास से तीन करोड़, 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्के बरामद किए गए।

उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि ये आरोप निराधार और उनकी छवि खराब करने के लिए राजनीति से प्रेरित थे। बदनामी अभियान को आगे बढ़ाते हुए। जैन ने दावा किया कि स्वराज ने जैन को भ्रष्ट और धोखेबाज कहकर और बदनाम किया है।

आप छोड़ने की अटकलों पर दिलीप पांडेय ने लगाया विराम

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) नेता दिलीप पांडेय ने सोमवार को पार्टी से नाराजगी की खबरों को खारिज किया है। अटकलें थीं कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची से बाहर किए जाने से पार्टी से खफा हैं और वह आप छोड़कर कहीं जा रहे हैं।

उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि 'मुझमें और अरविंद केजरीवाल में कोई मतभेद दिखाना चाहते हैं, तो हवा में नाव चला रहे हैं आप- मैं कहीं नहीं जा रहा'। दिलीप पांडेय ने लिखा 'देश में जब अन्ना आंदोलन शुरू हुआ था, तो मैं दूर परदेस में बैठा था। मेरे लिए सब छोड़कर आने की इकलौती वजह ह्मामं भारतीह्ल के प्रति मेरा अथाह प्रेम और सम्मान था, वो प्रेम और सम्मान समय के साथ बढ़ता गया और मैंने अपने परिवार से पहले देश को और संगठन

को रखा। आज भी उसमें रत्ती भर की कमी नहीं आई है। कल देखा मैंने, अचानक से एक कैंपेन शुरू हो गया, जिसमे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ये संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि मैं पार्टी या अपने नेता अरविंद केजरीवाल के प्रति असंतोष और नाराजगी से भरा हूं। ये पढ़कर पहले तो मुझे हंसी आई और लगा कि इसे नजरअंदाज कर दूं। मगर मेरी चुप्पी के भी कई कयास लगाए जा सकते हैं, इसलिए यह बड़े अफसोस के साथ लिखना पड़ रहा है। मैं पहली और आखिरी बार स्पष्ट कर रहा हूं कि भले ही आप अरविंद केजरीवाल के या आम आदमी पार्टी (आप) के शुभचिंतक हैं, या फिर मेरे अपने साथी हैं, ये तीनों बातें बिल्कुल एक हैं। हमारा हित और अहित एक है। अगर आप मुझसे कोई निजी बैर निकालने के लिए भी या सिर्फ मजे के लिए (या किसी ने आपको कोई कहानी सुना कर फुसलाया है), मुझमें और अरविन्द भाई में कोई मतभेद दिखाना चाहते हैं, तो हवा में नाव चला रहे हैं आप - मैं कहीं नहीं जा रहा, पार्टी के लिए दरी बिछाने से लेकर, तिहाड़ और फिर विधानसभा जाने तक का सफर तय किया है। आप में से कोई भी भाई, साथी पार्टी ऑफिस में आ कर मुझसे मिल सकते हैं। मैं सच्चाई के रास्ते पर चलकर सदैव देश हित में काम करता रहूंगा, उसके आगे निजी पद या प्रतिष्ठा मामूली बात है'।

डॉ. बिनीश थॉमस एफओएसएससीएमडब्लू सिंगापुर के लिए वैश्विक मामलों के सलाहकार नियुक्त

नई दिल्ली। डॉ. बिनीश थॉमस को एफओएसएससीएमडब्लू सिंगापुर के लिए वैश्विक मामलों के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। विश्व सांस्कृतिक और कला समाज संघ ने डॉ. बिनीश थॉमस को सिंगापुर के लिए वैश्विक मामलों के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। एफओएसएससीएमडब्लू एक प्रतिष्ठित विश्व सांस्कृतिक संगठन है, जिसकी 96 देशों में शाखाएँ हैं और जिसका मुख्यालय सिंगापुर में है, यह सांस्कृतिक, कला और पर्यटन संगठनों के साथ वैश्विक संबंधों को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसका मिशन अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक और कलाकार विनिमय कार्यक्रमों का आयोजन करना, विश्व शांति और आपसी सह-अस्तित्व को गहरा करने के लिए वैश्विक संस्कृति और कला को बढ़ावा देना और सराहना और समझ के लिए कला की अंतरमहाद्वीपीय विविधता को प्रदर्शित करना है। अपनी नई भूमिका में, डॉ. थॉमस वैश्विक संदर्भ में संस्कृति और कला में विश्वास को बढ़ावा देने और बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्व स्तर पर पत्रकारों, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के पत्रकारों ने पहले ही डॉ. थॉमस के प्रयासों से महत्वपूर्ण प्रभाव देखा है। उनके काम ने पत्रकारों को समाज में अपनी आवश्यक भूमिकाओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत आवाज और बेहतर संसाधन प्रदान किए हैं।

जयपुर। राइजनिंग राजस्थान में पावणों के स्वागत के लिए शहर में आकर्षक पौधे लगाए गए है।

अमृतपाल के करीबी बसंत सिंह को पैरोल

चंडीगढ़। नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में अमृतपाल के साथ बंद मोगा के गांव दौलतपुरा उच्चा के रहने वाले बसंत सिंह को मंगलवार को जेल से बाहर लाया गया। बसंत सिंह को भारी सुरक्षा के बीच डिब्रूगढ़ जेल से उसके गांव दौलतपुरा लाया गया। बसंत सिंह अपनी माता कुलवंत कौर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आया था। बसंत सिंह की माता कुलवंत कौर 3 दिन पहले देहांत हो गया था। परिवार ने बसंत सिंह को उनकी माता के अंतिम संस्कार में लाने के लिए अपील की थी, जिसके चलते मंगलवार को असम की डिब्रूगढ़ जेल से भारी सुरक्षा के साथ बसंत सिंह को मोगा उनके घर पर लाया गया। बसंत सिंह अमृतपाल के करीबी साथी थे। मंगलवार को उनके गांव दौलतपुरा उच्चा में उनकी माता कुलवंत कौर का अंतिम संस्कार किया गया। कुलवंत कौर पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। मंगलवार को पूरी पुलिस फोर्स तैनात करके बसंत सिंह को उनकी माता के अंतिम दर्शन करवाने के लिए लाया गया। अंतिम संस्कार में कई सिख जत्थेबंदियों के आगू के साथ-साथ अमृतपाल के पिता और फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा की पत्नी भी पहुंची थी।

किसान आंदोलनः शंभू बॉर्डर से सरवन सिंह पंधेर का एलान
14 दिसंबर को दिल्ली कूच करेगा 101 किसानों का जत्था

चंडीगढ़। पंजाब हरियाणा सीमा के पास शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने एक बार फिर मंगलवार को दिल्ली कूच का एलान किया है।

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि 101 किसानों का जत्था 14 दिसंबर को दिल्ली की तरफ बढ़ेगा। मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा और किसान-मजदूर संघर्ष समिति की सामूहिक बैठक हुई।

इसके बाद आगामी निर्णय लिया गया। पंधेर ने साफ किया कि किसान भागने वाले नहीं हैं, बल्कि सरकार को भगाएंगे।

जगजीत डल्लेवाल का वजन 11 किलो घटा

इस बीच किसान संगठनों के बड़े नेता शंभू बॉर्डर से खनौरी बॉर्डर पहुंच गए हैं। किसानों ने यहां मंगलवार को सामूहिक भूख हड़ताल रखा। सोमवार को किसान नेता काका सिंह कोटडा ने मंच से कहा कि संयुक्त मोर्चा के प्रमुख जगजीत डल्लेवाल की सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। उनका वजन करीब 11 किलो कम हो गया है। वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। उन्हें चक्कर आते रहते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक डल्लेवाल के लिवर फंक्शन टेस्ट खराब आ रहे हैं

दिलबाग सिंह की हालत ठीक नहीं

पंधेर ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि शंभू बॉर्डर पर लगातार हरियाणा पुलिस व सुरक्षा बलों की ओर से किसान नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। शुक्रवार को दिल्ली कूच करने गए जत्थे में शामिल किसान नेता सुरजीत सिंह फूल को घायल किया गया। वहीं रविवार को रेस्क्यू टीम में शामिल किसान नेता दिलबाग सिंह को घायल किया गया। दिलबाग सिंह की हालत ठीक नहीं है और उन्हें इमरजेंसी में शिफ्ट किया जा रहा है।

राजनीति भी तेज

किसान आंदोलन पर पंजाब में राजनीति भी तेज हो गई है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि किसान बस यही मांग रहे हैं कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी दी जाए। लेकिन केंद्र का व्यवहार ठीक नहीं है। किसानों पर लाठीचार्ज हो रहा है और उन्हें दिल्ली नहीं जाने दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने भी एमएसपी पर कानूनी गारंटी का मामला उठाया है। अगर हमें मौका मिला तो हम संसद में शून्यकाल या प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाएंगे। कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां कॉरपोरेट समर्थक और किसान विरोधी हैं। हमें उनसे कोई उम्मीद और अपेक्षा नहीं है। वहीं पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि केंद्र सरकार को आगे आकर किसानों से बात करनी चाहिए।

किसान पीछे हटने वाले नहीं- पंधेर

पंधेर ने कहा कि केंद्र के मंत्री आए दिन उल्टे सीधे बयान देते रहते हैं। यही वजह है कि मोदी सरकार ने लोगों में अपना विश्वास खो दिया है। हरियाणा व पंजाब पुलिस प्रशासन ने किसानों से समय मांगा था, उन्हें दे दिया। अब अगर बातचीत का न्योता आता है, तो बहुत अच्छा है। लेकिन अगर नहीं आता है, तो फिर मंगलवार को दोनों फोरमों की ओर से बैठक में विचार करने के बाद दिल्ली कूच पर फैसला लिया जाएगा। किसान पीछे हटने वाले नहीं हैं। हर हाल में अपनी मांगों को केंद्र से मनवा कर ही रहेंगे। पंधेर ने पंजाब के सभी गायकों व प्रसिद्ध शख्सियतों से बॉर्डरों पर अपनी मांगों को लेकर महीनों से बैठे किसानों के हक में आगे आकर आवाज बुलंद करने की अपील भी की।

पंजाब में दिव्यांग कोटे के 1754 पदों पर सीधी भर्ती : सीएम भगवंत मान

दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत नियमों में संशोधन को दी मंजूरी

चंडीगढ़। दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के कल्याण को सुनिश्चित करने की राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को विभिन्न विभागों में खाली पड़ी दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित पदों के बैकलॉग को भरने के लिए एक विशेष भर्ती अभियान शुरू करने की घोषणा की। अपने आधिकारिक निवास पर सामाजिक न्याय और बाल कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में दिव्यांग व्यक्तियों के खाली पदों के बैकलॉग की पहचान की है। उन्होंने बताया कि अब तक विभिन्न विभागों में बैकलॉग के रूप में सीधी भर्ती के 1754 पदों और पदोन्नति के 556 पदों की पहचान की गई है। भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन खाली पदों को जल्द से जल्द भरने की प्रक्रिया तेज की जाए। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत नियमों में संशोधन को भी मंजूरी दी और कहा कि यह संशोधन दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति समाज के असली नायक हैं, क्योंकि वे अनेक बाधाओं के बावजूद जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है कि ऐसे सभी लोग सम्मान और गरिमा के साथ जीवन जी सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि राज्य सरकार ने दिव्यांग व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में राज्य सरकार ने नेत्रहीनों के आश्रितों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा प्रदान की है और इस संबंध में जल्द ही अधिसूचना जारी की जाएगी। भगवंत सिंह मान ने बताया कि पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी बसों के किराए में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट दी गई है, और 2023-24 के दौरान 7.5 लाख यात्रियों को लाभ पहुंचाकर 2.19 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने 2.65 लाख दिव्यांग व्यक्तियों को राज्य पेंशन योजना के तहत कवर किया है और 2024-25 के दौरान लाभार्थियों को 278.17 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग बच्चों में शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 12,607 लाभार्थियों को 3.37 करोड़ रुपए की राशि वजीफे के रूप में दी गई है। भगवंत सिंह मान ने आगे बताया कि राज्य सरकार ने 144 सरकारी इमारतों को दिव्यांग व्यक्तियों के अनुकूल बनाने के लिए एसआईपीडीए योजना के तहत 23.16 करोड़ रुपए की राशि जारी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देने के लिए राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों के दौरान 105 दिव्यांग व्यक्तियों को रियायती ब्याज दरों पर 1.31 करोड़ रुपए के ऋण प्रदान किए हैं। उन्होंने बताया कि 21 दिव्यांग व्यक्तियों को विभिन्न संस्थाओं जैसे मिल्कफेड, मार्कफेड और अन्य से बूथ प्रदान किए गए हैं।

मास्टर हरबंस लाल हीयों को समर्पित 26 वें शहीद भगत सिंह राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट में टीम पंजाब पुलिस बनी विजेता

विजेता टीम पंजाब पुलिस को एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार मिला

जगदीश

नवांशहर (एसबीएस नगर)। एसएनसी चरण कंवल के दशमेश स्टेडियम के पीटी महंगा सिंह पैवेलियन में खेले गए मास्टर हरबंस लाल हीनों को समर्पित 26वें शहीद भगत सिंह फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में फुटबॉल टीम पंजाब पुलिस ने जीत दर्ज कर एक लाख रुपये जीते। उपविजेता टीम इंटरनेशनल फुटबॉल क्लब फगवाड़ा पंजाब पुलिस को 75 हजार के नकद पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। टूर्नामेंट का उद्घाटन समाज सेवी हरदेव सिंह कहामा, जरनैल सिंह पल्ली झिक्की, दर्शन सिंह महल ने किया गया।

उपविजेता टीम फुटबॉल कल्ब फगवाड़ा को 75 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मिला

इस मौके पर दानी फुटबॉल प्रेमी हरदेव सिंह काहमा, गुरुमीत सिंह सरां, हरजीत सिंह, दर्शन सिंह माहल छिंदर पाल सिंह, प्रिंसिपल तरसेम सिंह भिंडर, सुरिंदर सिंह खालसा, प्यार सिंह, सतनाम सिंह काहमा, सरपंच अमरीक सिंह काहमा, इकबाल सिंह राणा, अनवर मोहम्मद, सुभाष, परगन सिंह फराला, सरबजीत सिंह मंगूवाल, कश्मीरी लाल मंगूवाल, गगन हीयों, नरेंद्र पाल रंधावा, सागर अरोड़ा, जेडी ठाकुर, परमजीत सिंह सुपरिटेंडेंट एस एन सी बंगा ,सुरेश कुमार, अवतार तारी, रणजीत सिंह गिल, प्रोफेसर जगदीश आचार्य, प्रदीप कुमार, प्रोफेसर संदीप नायर , सुच्चा सिंह, मोहन सिंह हपोवाल मौजूद रहे।

टूर्नामेंट कमेटी को हजारों रुपये का दान मिला

बंगा(नवांशहर) शहीद भगत सिंह फुटबॉल टूर्नामेंट कमेटी के प्रबंध सचिव व सेवानिवृत्त हेडमास्टर हरजीत सिंह माहल ने बताया कि टूर्नामेंट छह दिनों तक चलता है. समाज सेवक हरदेव सिंह काहमा ने 1.3 लाख रुपए, डीसीबी बैंक नवांशहर ने 50 हजार रुपए, इकबाल सिंह राणा ने 50 हजार रुपए, दर्शन सिंह माहल ने 1.5 लाख रुपए, इसके अलावा सरपंच माहला, जगतपुर, खानखाना, जिंदोवाल ने भी दान दिया। इसके अलावा 500 रुपए देकर लोग क्लब के सदस्य बने हैं।

2027 के चुनाव में बाठ आप के लिए फिर बनेंगें चुनौती

जतिंदर देवगन,

बरनाला। आम आदमी पार्टी के जिला प्रधान रहे व जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन रहे गुरदीप सिंह बाठ, जोकि आम आदमी पार्टी की टिकट न मिलने पर बरनाला के गत उपचुनाव में आप से बागी होकर आजाद तौर पर चुनाव मैदान में उतरे थे।

गुरदीप बाठ वेश्क खुद चुनाव जीत नही पाए लेकिन वह अठारां हजार के करीब वोट लेकर आम आदमी पार्टी के उमीदवार हरिंदर धालीवाल को हराने में कामयाब हो गए, नतीजन बाठ ने आम आदमी पार्टी की वोट बांट दी, जिस कारण आम आदमी पार्टी की टिकट से चुनाव लड रहे उमीदवार हरिंदर धालीवाल, कांग्रेस के उमीदवार काला ढिल्लों से चुनाव हार गए। अब गुरदीप बाठ ने अपना धन्यावादी दौरा शुरू किया हुआ है. बाठ अपने धन्यावादी दौरे दौरान जहां लोगों का आभार व्यकत कर रहे हैं, वहीं वह २०२७ के चुनाव के लिए लोगों के हाथ खडे करवाकर अभी से उनका समर्थन हासिल कर रहे हैं। इस तरह गुरदीप बाठ गत उपचुनाव की तरह आगामी २०२७ के चुनाव में भी आम आदमी पार्टी के उमीदवार के लिए चुनौती बनेगें।

डल्लेवाल के गांव में नहीं जला चूल्हा, ग्रामीणों ने की भूख हड़ताल

फरीदकोट। पंजाब-हरियाणा की सीमा पर खनौरी बॉर्डर पर फसलों की एमएसपी की गारंटी कानून समेत अन्य मांगों को लेकर पिछले 15 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बिगड़ती जा रही है। उन्होंने बीते 15 दिन से अन ग्रहण नहीं किया है। ऐसे में डल्लेवाल के हक में मंगलवार को फरीदकोट में उनके पैतृक गांव डल्लेवाला में भी लोगों ने भूख हड़ताल की। गांव के लोग दिनभर भूखा रहे। गांव में किसी के घर पर भी चूल्हा नहीं जला। गांव के लोगों ने सामूहिक भूख हड़ताल रखी और किसान आंदोलन की कामयाबी व किसान नेता डल्लेवाल की सेहत के लिए अरदास की। किसान नेता जगजीत सिंह के पैतृक गांव डल्लेवाला के सभी घरों में मंगलवार को चूल्हा नहीं जलाया गया और पूरा गांव गुरुद्वारा साहिब के बाहर भूख हड़ताल पर बैठा रहा।

शब्दादिक गलतियों वाले प्रकाशित 'गुरुशब्द रत्नाकर महान कोश' के संस्करणों को तुरंत नष्ट करें : संधवां

महान कोश में पाई गई त्रुटियों पर विभिन्न सिख संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचार चर्चा

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने पंजाबी यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित शाब्दिक गलतियों वाले 'गुरुशब्द रत्नाकर महान कोश' के पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी संस्करणों को तुरंत नष्ट करने के लिए कार्रवाई करने की सिफारिश की । स संधवां ने पंजाब विधानसभा सचिवालय में विभिन्न सिख संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श के बाद कहा कि पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी संस्करणों को नष्ट करने के लिए उपयुक्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कार्य संबंधित समिति की सिफारिशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए। स्पीकर ने उच्च शिक्षा विभाग को तीन हफ्तों के भीतर इस मामले पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि गुरबाणी की सर्वोच्चता बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को किसी भ्रम से बचाने के लिए यह कदम बेहद जरूरी हो गया है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. प्यारे लाल गर्ग, केंद्रीय सिख सभा के महासचिव डॉ. खुशहाल सिंह, ज्ञान प्रकाश ट्रस्ट लुधियाना के प्रतिनिधि स सलोचन बीर सिंह, स अमरजीत सिंह धवन, स रजिंदर सिंह खालसा, स बलबीर सिंह, सिख मिशनरी कॉलेज के डायरेक्टर स परमजीत सिंह, उच्च शिक्षा विभाग के डायरेक्टर श्री संयम अग्रवाल, और पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के पंजाबी भाषा विकास विभाग की प्रमुख श्रीमती परमिंदरजीत कौर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से जल जीवन मिशन के तहत पहली किस्त की बकाया राशि जारी करने की अपील

जल जीवन मिशन योजना का और विस्तार जरूरी : मुंडियां

चंडीगढ़। पंजाब के जल आपूर्ति और सेनिटेशन मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल से जल जीवन मिशन योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली किस्त के 161 करोड़ रुपये की बकाया राशि जारी करने की अपील की।

उन्होंने आश्वासन दिया कि यह राशि प्राथमिकता के आधार पर जारी की जाएगी। जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा के लिए केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाग लेते हुए श्री मुंडियां ने कहा कि राज्य के निवासियों को पीने के पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि पंजाब ने ग्रामीण क्षेत्रों में ओडीएफ प्लस (खुले में शौच मुक्त प्लस) का दर्जा प्राप्त करने में बेहतरीन प्रगति की है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य ने फीकल स्लज मैनेजमेंट (एफएसएम) नीति तैयार कर ली है।

बैठक में जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग के प्रमुख सचिव श्री नीलकंठ एस. अवहद और मिशन निदेशक श्री अमित तलवार भी मौजूद थे। जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री ने कहा कि राज्य समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए प्राथमिकता के आधार पर पंजाब के सभी गांवों को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत मॉडल प्लस दर्जा दिलाने का लक्ष्य रखता है।

श्री मुंडियां ने कहा कि हाल ही में हुए चुनावों के बाद राज्य में ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में प्रगति को बढ़ावा देने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में इस दिशा में और ठोस कदम उठाए जाएंगे।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में ओडीएफ प्लस का दर्जा प्राप्त करने के लिए पंजाब की महत्वपूर्ण उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने राज्य द्वारा फीकल स्लज मैनेजमेंट (एफएसएम) नीति तैयार करने के लिए भी प्रशंसा व्यक्त की।

अगर मैं चुनाव न लड़ता तो आप के उमीदवार के आगे आज दो-दो जिप्सियां होतीं : गुरदीप बाठ

जतिंदर देवगन

बरनाला। आम आदमी पार्टी से बागी होक आजाद तौर पर चुनाव लडे गुरदीप बाठ ने विभिन्न गांवों में धन्यावादी दौरे दौरान जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर मैं चुनाव न लडता तो आज आम आदमी पार्टी के उमीदवार हरिंदर धालीवाल के समक्ष दो दो सुरक्षी कर्मियों वाली जिप्सियां चलती होतीं, जैसी इनकी योजना थी, लेकिन मेरे चुनाव लडने से इनकी योजना सफल नही हो पाई। गुरदीप बाठ ने कहा कि में हारा नही, मैं जीता हूं।

बाठ ने एक सवाल के जबाव में कहा कि जो उन्होंने गत उपचुनाव में करप्शन का मुद्दा उठाया था, वह वही करप्शन के मुद्दे अब भी लोगों के बीच लेकर जाएंगे, चाहे वह किसी कालोनाईजर को कालोनी के अंदर ही रजबाहा खुर्दबर्द करवाने का मुद्दा हो, चाहे नगर काउंसिल में हसनप्रीत भारदवाज द्वारा कुर्सी लगाकर करप्शन करने का मुद्दा हो और चाहे समय समय क तहिसीलदारों से मिलीभुगत का मुद्दा हो, सभी मुद्दे दुबारा से जनता में लेकर जाएगें। बाठ ने कहा कि करप्ट लोग उनकी इमानदारी के आगे टिक नही पाए। बाठ ने कहा कि सांसद मीत हेयर चाहते थे कि सांसद भी उनके घर का हो, विधायक व मंत्री भी उनके घर से ही हो, इसलिए उन्होंने अपने मासी के लडके हरिंदर धालीवाल को टिकट दिलवाई। बाठ ने कहा कि सांसद मीत हेयर ने परिवारवाद को बढावा दिया, लेकिन लोगों ने उसको करारा जबाव दिया। बाठ ने कहा कि वह विधानसभा क्षेत्र बरनाला, भदौड व महिलकलां में झाडू की पोचे से सफाई करेंगें, तीनों हलकों में करप्शन का बोलवाला है, वह जनता को साथ लेकर करप्शन के विरूध तकडी लडाई लडेंगें।

जनसभा क संबोधित करते हुए गुरदीप बाठ।

जयपुर। राइजनिंग राजस्थान में पावणों के स्वागत के लिए शहर में आकर्षक पौधे लगाए गए है।

आज का पंचांग

बुधवार, 11 दिसंबर, 2024
तिथि-एकादशी-25:07 तक
नक्षत्र-रेवती-06:56 तक
प्रथम करण-वणिजा-14:26 तक
द्वितीय करण-विष्टि-25:07 तक
पक्ष-शुक्ल
योग-वरीघा-18:39 तक
सूर्योदय-07:07/सूर्यास्त-17:20
चंद्रमा-मीन
राहुकाल-12:13-13:30
विक्रमी संवत-2081
शक संवत-1946
मास-मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्त-अभिजीत-कोई नहीं

आज का राशिफल

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ)

आज काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। रूटीन काम को पूरा करने में ही आज आप बिजी रहेंगे। स्वजनों से सुख मिलेगी और पारिवारिक मंगल कार्यों को करने में खुशी मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आज आपको सरकार की ओर से कोई मदद मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं।

भाग्यशाली रंग- गुलाबी, भाग्यशाली अंक- 4

वृषभ (इ,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो)

आज का दिन ठीकठाक रहेगा। दिन के पूर्वार्द्ध में छुटपुट लाभ की संभावना है। नौकरी व्यवसाय के मामले में कुछ मुद्दे हल हो जाएंगे। आज छोटा काम करने वाले लोगों को लाभ होगा और त्योहार के इस मौसम में उनका मुनाफा बढ़ेगा। रात का वक्त मित्रों और परिजनों के साथ खुशी में बीतेगा और आपको मनचाहा लाभ होगा।

भाग्यशाली रंग- हरा भाग्यशाली अंक- 3

मिथुन (की,कु,घ,ङ:,छ,के,को,ह)

आज शुभ नहीं है और आज आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी विवाद से बचें और अपने काम पर ध्यान दें। अनावश्यक परेशानियों से मन क्षुब्ध रहेगा और आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। सामाजिक उत्तरदायित्व भी बढ़ेगा। किसी अनजान व्यक्ति से आज लेनदेन न करें, वरना नुकसान हो सकता है।

भाग्यशाली रंग- गुलाबी भाग्यशाली अंक- 1

कर्क (हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)

आज का दिन परेशानियों से भरा होगा और आज कार्यक्षेत्र में आपकी अपने से वरिष्ठ अधिकारियों से अनबन हो सकती है। दाम्पत्य जीवन में भी कुछ विवाद हो सकते हैं। दिन के उत्तरार्द्ध में अचानक से अतिथियों के आगमन से व्यय बढ़ सकता है। दूसरों का उपकार करें तो आपके लिए भी तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

भाग्यशाली रंग- लाल भाग्यशाली अंक- 5

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। आप यदि व्यापारी हैं तो आज अनावश्यक अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। सरकारी कर्मचारी हैं तो आज आपका वरिष्ठ अधिकारी के साथ विवाद हो सकता है। नई योजना की तरफ ध्यान दें, अचानक लाभ हो सकता है।

भाग्यशाली रंग- सफेद भाग्यशाली अंक- 5

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण:,ठ,पे,पो)

आज कुछ समस्याओं से होगी और आज आपका किसी काम को करने का मन नहीं करेगा। अधिकारी वर्ग के लोगों से आपकी अच्छी पटेगी। निराशाजनक विचारों से बचें और अपने काम पर ध्यान दें। अचानक शुभ समाचार मिल सकता है और मन खुश होगा। भाग्यशाली रंग- बदामी भाग्यशाली अंक- 6

तुला (रा,री,रु,रे,रो,ता,ती,तू,ते)

मन प्रसन्न रहेगा। धैर्यशीलता में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा लाभप्रद रहेगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। पिता से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मानसिक शान्ति रहेगी। आपका स्वास्थ्य पहले से ज्यादा चुस्त दुरुस्त रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते की एक नयी शुरूआत कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में आपको अच्छे परिणाम हासिल होंगे।

वृश्चिक (ना,नी,नु,ने,नो,या,यी,यू)

आज का दिन आर्थिक मामलों में सुखद रहेगा और आपको हर कार्य में मनचाहा फल प्राप्?त होगा। किसी भी विरोधी की आलोचना की ओर ध्यान न दें और अपने काम पर फोकस करें। आगे चलकर सफलता आपके कदम चूमेगी। सामाजिक क्षेत्र में मेल-जोल बढ़ाने में कामयाब होंगे।

भाग्यशाली रंग- नीला भाग्यशाली अंक- 4

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फ)

आज का दिन उलझनों और परेशानियों वाला रहेगा। आज आप किसी मामले को लेकर परेशान रहेंगे। काम करने में मन नहीं लगेगा और कुछ समस्?याओं का सामना करना पड़ेगा। और पैसों की कमी की चिंता आपको सताएगी।

भाग्यशाली रंग-सुनहरा भाग्यशाली अंक- 7

मकर (जा,जी,जू,जे,जो,खा)

आज ग्रहों की शुभ स्थिति बन रही है और भाग्य आपका साथ देगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। वाहन, भूमि खरीदने के योग बन रहे हैं। कोई भी काम काफी सोचकर करें तो बेहतर होगा। सांसारिक सुख भोग और घर की सुविधाओं से जुड़ी वस्?तुओं की खरीद कर सकते हैं।

भाग्यशाली रंग- सिल्वर भाग्यशाली अंक- 2

कुंभ (गू,गे,गो,सो,सी,सू,से,सो,दा)

आज आपको कहीं से रुके धन की प्राप्ति होने से मन में हर्ष होगा। आपका विश्वास धर्म एवं आध्यात्म में बढ़ेगा। रोजमर्रा के काम में कोताही न बरतें। आज आप रिसर्च के काम से जुड़े हैं तो आपको लाभ होगा। नए संपर्क से सितारा बुलंद होगा और आज धन के मामले में कुछ समस्याएं आ सकती हैं।

भाग्यशाली रंग- पीला भाग्यशाली अंक- 3

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)

आज का दिन मिश्रित फलकारक है। किसी अधिकारी से अनबन हो सकती है और आपका नुकसान होने की आशंका है। नए संबंध से भाग्य में चमक बढ़ेगी और किस्मत आपका साथ देगी। सामाजिक सम्मान मिलेगा। मित्रों के साथ यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

भाग्यशाली रंग- रायब ब्ल्यू, भाग्यशाली अंक- 4

जीवन के विपरीत हालातों से बाहर आने का सफल तरीका

जीवन में कठिन समय आने पर हम सभी असहमति, चुनौतियों और अवसाद का सामना करते हैं। इसके बावजूद, हम अपनी मानसिक दृढ़ता और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ सकते हैं। वक्त कभी भी इंसान के जीवन में एक जैसा नहीं रहता। जब बुरा वक्त आता है, तो बहुत से लोग इसके लिए अपनी किस्मत को कोसते हैं लेकिन वो ये भूल जाते हैं कि ये सब उनके ही प्रारब्ध कर्मों का परिणाम होता है। जो उन्होंने पिछले जन्म में बोया है, वो उन्हें इस जन्म में काटना ही है। वो उससे नहीं बच सकते। हाँ, पर ये जरूर होता है कि उन्हें समझ नहीं आता कि ये दौर कब खत्म होगा और वो इस दौर से बाहर आने के लिए क्या कर सकते हैं। तो, अगर आपके जीवन में ऐसे विपरीत हालात आये, तो आप इन हालातों से निकलने के लिए क्या कर सकते हैं। जैसा कि ऊपर कहा गया है कि आपकी जिन्दगी में सभी परेशानी आपके प्रारब्ध कर्मों के कारण ही आती है। अपने कर्मों का भुगतान आपको आज नहीं तो कल करना ही पड़ता है और ये अच्छा भी है क्योंकि जितनी जल्दी आप अपने कर्मों का भुगतान कर लेंगे, आपके खाते से बुरे कर्म समाप्त होते जायेंगे और आप मोक्ष की ओर बढ़ते जायेंगे। इसलिए, जब भी आप विपरीत हालातों में फंसे, दुःख का कारण दूसरों में या हालातों में तलाशने की जगह, उसे अपने ही किसी पूर्व जन्म के कर्म की वजह मानकर स्वीकार कर लें। एक बार आप स्वीकार कर लेंगे, तो दुःख से बाहर निकलने का रास्ता तलाशना शुरू कर देंगे। परेशानी में होने पर अपने से नीचे वाले लोगों को देखें जो आपसे अधिक मुसीबत झेलकर जी रहे। उनका विचार करने से मन में संघर्ष की भावना और अपने लिए

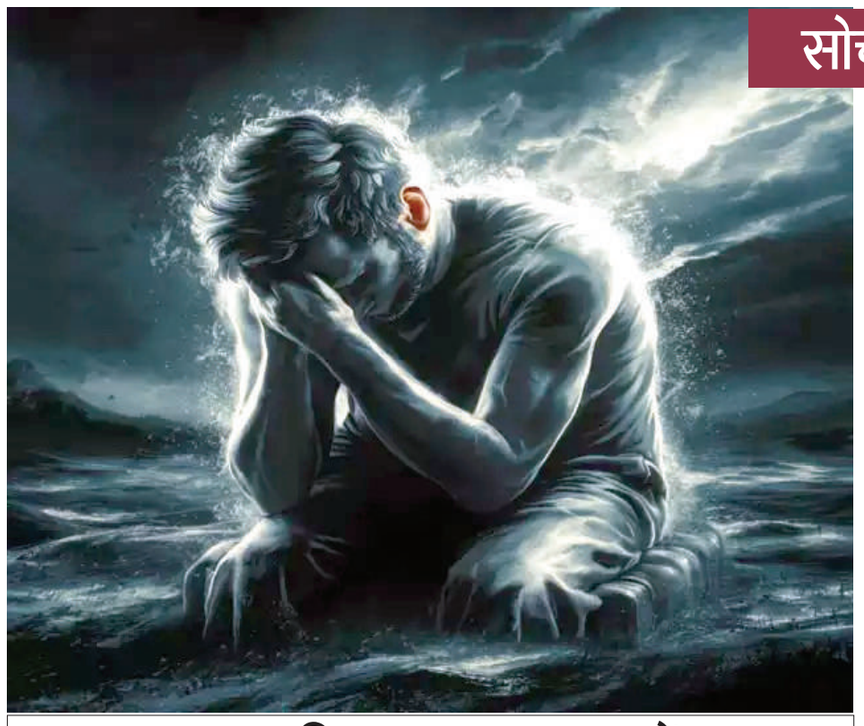

आध्यात्मिकता का सहारा लें

जब कठिन समय हो, तो आध्यात्मिक कथा या सत्संग को सुनें। बुरे वक्त में आध्यात्मिक कथाएं बहुत हौसला देती है। ऐसे समय में आपको ध्यान और योग भी करना चाहिए। कई लोग सोचते हैं कि ध्यान या योग उनके मुश्किल हालातों से निकलने में कैसे मदद कर सकते हैं लेकिन वो ये भूल जाते हैं कि हालात बदतर होने के साथ-साथ आपकी मानसिक स्थिति भी बदतर हो जाती है, जिससे आप सही फैसले नहीं ले पाते और वक्त और बुरा होता चला जाता है। योग, प्राणायाम, ध्यान, या किसी भी आध्यात्मिक साधना से आपकी मानसिक ताकत बढ़ सकती है। यह आपके तनाव को कम करने में मदद करेगा, एकाग्रता बढ़ाएगा और मन में उन भावों की वृद्धि करेगा जो आपको मुश्किल दौर में स्थिर और सचेत रखने में मदद करेंगे।

सोचें नहीं, लिखें

कई लोग परेशानी में बस दिन-रात सोचते ही रहते हैं और तनाव को कई गुणा बढ़ा लेते हैं। सोचने के बजाय आपको मन की परेशानियां लिखनी चाहिए। अपने विचारों को लिखने से आपकी मानसिक दृढ़ता और सकारात्मकता में सुधार हो सकती है। आपको मुसीबत को कई हिस्सों में बांटकर उसपर विचार करना चाहिए। इससे उसकी जटिलता समझ आती है।

सकारात्मक लोगों से बात करें

अच्छे मित्रों के साथ समय बिताने से आपकी भावनात्मकता में सुधार हो सकती है। अगर आपको अकेलापन महसूस हो रहा है, तो अपने परिवार, मित्र, या विशेषज्ञ से मदद मांगें। बदले की भावना से न जियें और न ही ऐसे समय में अकेले रहने की कोशिश करें। बड़े-बुजुर्गों से भी सलाह लेने से परहेज न करें। उनका तजुर्बा आपके काम आ सकता है।

पीड़ा थोड़ी कम हो जायेगी और मोटिवेशन बढ़ेगा। दूसरों का दुःख देखने से अपना दुःख छोटा लगने लगता है। आपको अपनी मुसीबत बहुत बड़ी लग सकती है लेकिन आप ये नहीं जानते कि दुःख जितना अधिक बड़ा होता है, मन उतना ही अधिक एकाग्रचित्त होता है।

5 ऐसे संकेत जो बताते हैं कि आपकी भावनाएं अब आप पर भरोसा नहीं करती

कई बार ऐसा होता है कि आपको लगता है कि आपकी भावनाएं आपके हिसाब से नहीं जा रहीं बल्कि वो आपका विरोध कर रही हैं। वो ऐसे व्यक्त हो रही हैं, जिससे आपको परेशानी हो रही। ये वो लक्षण हैं जब आपकी भावनाएं आपपर भरोसा नहीं कर रही होती हैं और कई तरीकों से अनियंत्रित हो जाती हैं। भावनाएं किसी भी इंसान की ताकत और कमजोरी दोनों होती हैं लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि वो आपको व्यक्त करती हैं, चाहे वो आपकी सोच हो, मंशा हो, व्यक्तित्व हो या आपके अन्दर की उथल-पुथल। लेकिन क्या कभी सोचा है कि आप अपनी भावनाओं का इतना दोहन कर लें कि ये भावनाएं आपके खिलाफ चली जाएँ? आप सोच रहे होंगे कि भावना आपके खिलाफ कैसे जा सकती है। वो आपका हिस्सा है और आपका उसपर पूरा नियंत्रण है, लेकिन अगर ऐसा होता तो लोग डिप्रेस नहीं होता, चिंता में नहीं होते, एंग्जायटी या गुस्से में नहीं होती या इन्ट्रोवर्ट नहीं होते क्योंकि हर कोई खुश और सामान्य रहना चाहता है और खुद को वैसे ही व्यक्त करना चाहता है, लेकिन ऐसे मनोस्थिति में उसकी भावनाएं उसका साथ नहीं देती। इंसान खुश रहना चाहता है लेकिन डिप्रेशन उसे खुश नहीं होने देती। ऐसे कई संकेत हैं जिसके जरिये आप जान सकते हैं कि आपकी भावनाएं अब आपके हिसाब से नहीं चल रही क्योंकि वो आपपर भरोसा नहीं कर रही।

1. आप अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में संघर्ष करते हैं

जब आपकी भावनाएं आपका साथ छोड़ने लगती हैं, तो वो सही तरीके अभिव्यक्त होने की आपकी क्षमता को नष्ट कर देती है। आप लोगों के सामने खुद को एक्सप्रेस नहीं कर पाते और लोग अक्सर आपको गलत समझ बैठते हैं। आप कुछ कहना चाहते हैं पर कह नहीं पाते, आप कुछ जाहिर करना चाहते हैं पर खुद को सीमित कर लेते हैं और फिर बाद में इस बात पर कुंठित होते रहते हैं कि वहाँ आपने खुद को इस तरह जाहिर क्यों नहीं क्या। सच्चाई ये है कि ऐसे मौके पर आपकी भावनाएं समझ नहीं पाती हैं कि आप क्या महसूस कर रहे हैं और वो कंफ्यूजन में खुद को सीमाओं में बाँध लेती हैं। जब तक आप उसे अपनी मनोस्थिति स्पष्ट करते हैं, तब तक बहुत देर हो जाती है और मौका निकल चुका होता है।

2. भावनात्मक अस्थिरता

जब आपकी भावनाएं आप पर भरोसा नहीं करतीं, तो आप भावनात्मक अस्थिरता का शिकार हो जाते हैं। आप अक्सर अत्यधिक चिंता और तनाव महसूस कर सकते हैं। छोटी-छोटी बातों पर अत्यधिक गुस्सा आना या अचानक से उदास हो जाना, यह संकेत हो सकता है कि आपकी भावनाएं अस्थिर हैं और आप पर भरोसा नहीं कर रही हैं। कई बार ये सतही स्तर पर प्रकट हो जाती हैं लेकिन कई बार आपको पता ही नहीं चलता कि आपकी भावनाएं आपका विरोध कर रही हैं। आप बस प्रतिक्रियात्मक रूप से ट्रिगर होते रहते हैं।

3. आत्म-संदेह:

जब खुद पर विश्वास की कमी और आत्म-संदेह की भावना बढ़ने लगे, तो समझ जाईये कि आपकी भावना आपको समझने में असमर्थ है और आपका साथ नहीं देना चाहती। वो आपके मन में होकर भी अनुपस्थित रहना चुनती हैं। इसलिए वो अस्पष्ट हैं और आपका कंफ्यूजन उसे और बढ़ावा देता है। आपके आत्मविश्वास की कमी और उलझे रहना उसे नकारात्मकता में बदलने लगती है।

4. निर्णय लेने में कठिनाई:

जब आपकी भावनाएं आप पर भरोसा नहीं करतीं, तो आप निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करने लगते हैं। आपको समझ ही नहीं आता कि आप क्या चाहते हैं और आपकी गट फीलिंग, जो भावना का ही एक सकारात्मक स्वरूप है, आपका साथ नहीं देती। वो आपको उतना कॉन्फिडेंस नहीं देती कि आप सही फैसला ले सके।

5. सामाजिक अलगाव और भावनाओं की थकान:

जब ऐसा हो कि आप अपने दोस्तों और परिवार से दूर रहने की कोशिश करने लगे क्योंकि आपको लगता है कि वे आपकी भावनाओं को नहीं समझेंगे, तो यहाँ लोग नहीं बल्कि आप खुद ही अपनी भावनाओं को प्रधानता नहीं दे रहे होते हैं। आप इस बात से जूझ रहे होते हैं कि आपका मन कैसा महसूस कर रहा है और इस कंफ्यूजन में आप खुद को लोगों से अलग कर लेते हैं। मन-प्रधान जीवनशैली जीने वाले लोग लगातार अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देते हैं और अपनी भावनाओं को थकाते नहीं। वो उन्हें सकारात्मक और ऊर्जात्मक रखने का प्रयास करते हैं। अगर उनकी कोई भावना आहत है और उसे हीलिंग की जरूरत है, तो वो उसपर काम करते हैं। भावनाएं बहुत गहरी होती हैं, जिसे अनदेखा करने से समस्याएँ और भी बढ़ जाती हैं।

अर्जुन ने एक योग की मदद से अपनी नींद पर पा ली थी विजय

बेहद कम लोग जानते हैं कि महाभारत में अर्जुन एक ऐसा योद्धा था जिसे नींद नहीं आती थी। उसने अपने नींद पर विजय पा ली थी, जिसके कारण उसका नाम गुडाकेश भी पड़ा था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अर्जुन ने अपने नींद पर विजय कैसे पाई। पौराणिक कथाओं में कुछ धनुर्धरों का जिक्र मिलता है जिन्होंने नींद पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया था या जो कई सालों तक नहीं सोये थे। लेकिन सबके नींद को नियंत्रित कर पाने का कारण अलग-अलग था। जैसे कि लक्ष्मण भी 14 वर्षों के वनवास में एक बार भी नहीं सोये थे लेकिन उन्होंने इसके लिए निंद्रा देवी से वरदान माँगा था। उनके बदले उनकी पत्नी उर्मिला 14 वर्षों तक सोयी थीं। उसी तरह अर्जुन ने भी अपनी नींद पर विजय पा ली थी। नींद पर विजय पाने के कारण अर्जुन को गुडाकेश कहा गया। गुडाकेश का अर्थ होता है - नींद का स्वामी यानि जिसने नींद को अपने वश में कर लिया हो। लेकिन अर्जुन ने नींद पर विजय कैसे पाई और क्यों पाई, चलिए ये जानते हैं। कहते हैं कि महाभारत में अर्जुन को नींद न आने का एक प्रमुख कारण था उनकी तीव्र एकाग्रता और उनके लक्ष्यों के प्रति समर्पण। महाभारत के युद्ध के दौरान भी अर्जुन न के बराबर सोया था और नींद न आने के लिए वो आध्यात्मिक योग निद्रा का अभ्यास करता था। योग निद्रा में कोई भी व्यक्ति न पूरी तरह सोता है और न पूरी तरह जागता है, बल्कि वो अपने मस्तिष्क को इतना आराम दे देता है कि उसे नींद की आवश्यकता नहीं होती। सभी देवतागण भी इसी नींद की अवस्था में रहते हैं। अर्जुन ने भले ही नींद पर विजय पा ली थी लेकिन अर्जुन को नींद पर विजय पाने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई। अर्जुन एक महत्वाकांक्षी योद्धा था। उसका मन सदैव अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहता था। वो कभी भी अपने अभ्यास में कमी नहीं छोड़ता था। यहाँ तक कि रात में भी वो अपना अभ्यास जारी रखता था। कहते हैं कि धर्म और अधर्म की लड़ाई, अपनों से युद्ध करने का बोझ और अपने कर्तव्यों की गंभीरता उनके मन को विचलित करती थी। इसलिए, अर्जुन ने स्वयं को इतना अनुशासित कर लिया था कि उसे नींद एक बाधा के समान लगती थी। अर्जुन ने अपनी नींद पर नियंत्रण पाने के लिए अपने अभ्यास और ध्यान को अपने जीवन का मुख्य हिस्सा बनाया। एक कथा के अनुसार, उसने अंधकार में अभ्यास करना शुरू किया, जिससे वो अंधेरे में भी निशाना साधने में पारंगत हो गया था। लेकिन रात के अँधेरे में भी अभ्यास करने के लिए उसे जागने की आवश्यकता थी। इसलिए, उसने नींद के लिए योग निद्रा का अभ्यास करना शुरू किया, ताकि वो अपना मानसिक संतुलन को बनाए रखने में सफल रहे। योग निद्रा उसे आराम और सक्रियता का संतुलन देता था। इस प्रकार अर्जुन ने धीरे-धीरे अपनी नींद पर विजय पा ली।

बॉलीवुड के अलावा साउथ में बजेगा कियारा आडवाणी की फिल्मों का डंका, गेम चेंजर-वॉर 2-डॉन 3 भी शामिल

कियारा आडवाणी के पास कई आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें वे नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में निर्देशक फरहान अख्तर की डॉन 3, राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म वॉर 2 और हो सकता है कि कियारा भूल भुलैया 4 का भी हिस्सा बन सकती हैं। राम चरण की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। काफी लंबे समय बाद फिल्म का टीजर और ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया। फिल्म का गाना पहले ही धूम मचा चुका है। गेम चेंजर में राम चरण आईएएस ऑफिसर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म में वो बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह पहली बार है जब राम चरण और कियारा आडवाणी एक साथ फिल्म में नजर आएंगे। गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी डॉन 3 का निर्देशन फरहान अख्तर कर रहे हैं। इस बार डॉन में डॉन की भूमिका में रणवीर सिंह नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर के अलावा कियारा आडवाणी की एंट्री भी हो गई है। हालांकि, फिल्म कब रिलीज होगी अभी तक इसकी कोई रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन हो सकता है कि यह फिल्म 2025 को रिलीज हो जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार फिल्म की कहानी में डॉन कैसे बना डॉन पर बेस्ड होगी।

वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की जोड़ी नजर आएगी। ऐसा पहली बार है जब किसी फिल्म में ऋतिक के साथ जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इस फिल्म में ऋतिक और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। वॉर 2 का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। इन सभी फिल्मों के अलावा कियारा भूल भुलैया 4 में भी नजर आ सकती हैं। कियारा फिल्म भूल भुलैया 2 में भी थीं। भूल भुलैया 3 की आपार सफलता के बाद ही यह जानकारी सामने आई थी कि फिल्म का चौथा भाग भी आएगा। हालांकि फिल्म निमार्ता-निर्देशकों की ओर से फिल्म के चौथे भाग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अगर भूल भुलैया 4 आती है तो जाहिर सी बात है कि उसमें कियारा नजर आ सकती हैं।

जब बंगाली में बात करती हैं जया बच्चन तो कैसा होता है अमिताभ बच्चन का हाल, बिग बी ने बताया

फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर अक्सर मजेदार किस्से शेयर करते रहते हैं। क्विज आधारित शो कौन बनेगा करोड़पति 16 में इस बार बिग बी ने बताया कि जब जया बच्चन उनसे बंगाली में बात करती हैं तो उनकी हालत कैसी होती है। हाल ही में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ वेट्टइयां में शानदार काम कर छाए अमिताभ बच्चन ने बताया कि उनकी बंगाली बहुत अच्छी नहीं हैं। हालांकि, उनकी पत्नी जया बच्चन जब भीड़ में होती हैं या उन्हें अमिताभ को कुछ व्यक्तिगत या खास बातें बतानी होती हैं तो वह अक्सर उनसे बंगाली में बात करती हैं।

कौन बनेगा करोड़पति 16 के नए एपिसोड में बिग बी ने मजाकिया अंदाज में बताया, ह्लबातचीत के दौरान वह जो कुछ भी कहती हैं, उसे वह बहुत कम समझ पाते हैं क्योंकि मेरी बंगाली पर ज्यादा पकड़ नहीं है। केबीसी के नए एपिसोड में अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर कोलकाता, पश्चिम बंगाल से सौरव चौधरी बैठे थे। सौरव एक सीए फर्म में सीनियर अकाउंट असिस्टेंट हैं। शो के दौरान अमिताभ बच्चन ने अपने अतीत से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि उनका ऑफिस डलहौजी में बंगाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के ठीक सामने था, जहां बंगाली भाषा की कक्षाएं दी जाती थीं। कंपनी कर्मचारियों को बंगाली सीखने के लिए 3000 रुपये देती थी, जिसकी तीन महीने बाद परीक्षा होती थी। बिग बी से बंगाली पाठ्यक्रम के लिए दिए गए 3000 रुपये तीन दिनों के भीतर खर्च हो गए और इसकी भरपाई के लिए वह ऑफिस के बाद दोस्तों के साथ बंगाली बोलने का अभ्यास करते थे और मेहनत का यह परिणाम आया कि वह परीक्षा में पास हो गए। अमिताभ ने जया बच्चन के साथ हाल ही में हुई एक मजेदार घटना को याद किया और बताया, जब कोई मेहमान आता है या हम भीड़ में होते हैं तो जया अक्सर बंगाली में बात करती हैं और मैं ऐसा दिखाता हूं कि सब समझ रहा हूं। हालांकि, मुझे कुछ समझ नहीं आता। गोवा में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान मुझे उनका फोन आया। आम तौर पर हम मैसेज के माध्यम से बात करते हैं, लेकिन इस बार, उन्होंने फोन किया और मैं घबरा गया।

जब कोई मेहमान आता है या हम भीड़ में होते हैं तो जया अक्सर बंगाली में बात करती हैं और मैं ऐसा दिखाता हूं कि सब समझ रहा हूं। हालांकि, मुझे कुछ समझ नहीं आता।

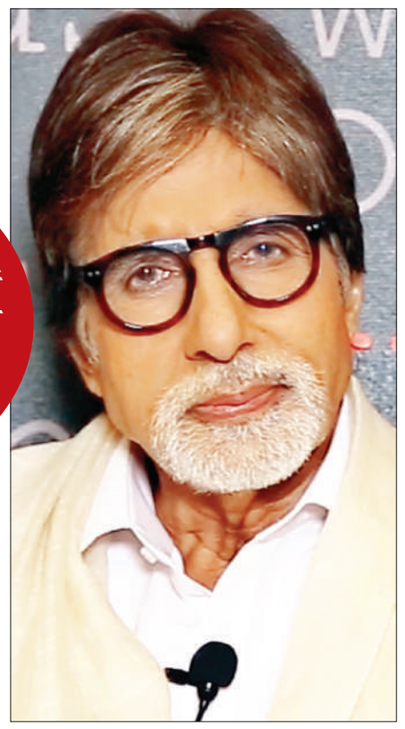

प्रीति जिंटा का तीन साल पहले लगाया पौधा अब हुआ बड़ा, बोलीं- इसे बढ़ता देख खुशी हो रही

फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी का इजहार किया। ये खुशी उनको तीन साल पहले लगाए एक पौधे ने दी है। अभिनेत्री ने प्रकृति के प्रति अपना प्रेम जाहिर करते हुए कहा, हमें प्रकृति को कुछ वापस करना चाहिए। कोई मिल गया अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर कैप्शन में लिखा, मैंने यह हिमालयन देवदार का पौधा लगभग 3 साल पहले लगाया था। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के बीच इसे बढ़ता देखकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि यहां की सर्दी बढ़ गई और सफेद हो गई। ऐसे पल जीवन को सही मायने देते हैं और प्रकृति को कुछ वापस देने का महत्व भी बताते हैं। इसके साथ अभिनेत्री ने नेचर, हिमालयन देवदार, हिमाचली गर्व और टिंग लिखा। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर पौधे की पहले और बाद की तस्वीर पोस्ट की। पहली दो तस्वीरों में अभिनेत्री पौधे की देखभाल करती दिख रही हैं वहीं आखिरी तस्वीर में 30-40 मीटर तक देवदार बर्फ से ढका नजर आ रहा है। बता दें, प्रीति जिंटा मूल रूप से हिमाचल प्रदेश की हैं। अभिनेत्री का जन्म शिमला में हुआ था। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और प्रशंसकों के साथ अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट साझा करती रहती हैं। प्रकृति प्रेम से पहले अभिनेत्री ने अपने बेटे और मां की तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें जय (प्रीति के बेटे का नाम) अपनी नानी के साथ रसोई में रोटी बनाते नजर आए थे। फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री के आगामी प्रोजेक्ट पर नजर डालें तो वह राजकुमार संतोषी की फिल्म लाहौर 1947 के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म में प्रीति के साथ मुख्य भूमिका में सनी देओल हैं। प्रीति का फिल्मी सफर शानदार रहा है। डिंपल गर्ल प्रीति ने 1998 में शाहरुख खान अभिनीत फिल्म दिल सेह्ल से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने बॉबी देओल के साथ सोल्जर में काम किया। 2000 की फिल्म क्या कहना में बिन ब्याही मां के किरदार ने इन्हें दमदार अभिनेत्री के तौर पर स्थापित किया।

'डॉन' के लिए नहीं बना था 'खइके पान बनारस वाला' गाना

फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर नए पोस्ट के साथ प्रशंसकों से जुड़ती रहती हैं। अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि 'डॉन' का 'खइके पान बनारस वाला' गाना उस फिल्म के लिए नहीं बना था। इंस्टाग्राम पर अक्सर पोस्ट साझा करने वाली अभिनेत्री ने ह्यडॉन' के सुपरहिट गाने ह्यखइके पान बनारस वाला' का वीडियो अपलोड कर कैप्शन में लिखा, "अगर आप इंडस्ट्री में काम करते हैं और आपको किस्मत का साथ मिला है, तो आपको स्थायी पहचान बनाने के लिए एक छोटी सी भूमिका का मौका मिल सकता है"। उन्होंने आगे लिखा, "खइके पान बनारसवाला' को ह्यडॉन' में शामिल नहीं किया जाना था। इस गाने को देव आनंद की फिल्म ह्यबनारसी बाबू' के लिए बनाया गया था, लेकिन इसे तुच्छ बताकर खारिज कर दिया गया था। इस बीच निर्देशक चंद्रा बरोट ने अमिताभ बच्चन स्टारर अपनी एक्शन-थ्रिलर 'डॉन' की शूटिंग पूरी कर ली थी। निर्देशक को यह एहसास हुआ कि एक्शन-थ्रिलर फिल्म में इंटरवल के बाद कुछ हल्के-फुल्के पलों की जरूरत है। इसलिए, फिल्म खत्म होने के काफी समय बाद कलाकार और क्रू एक नया वीडियो शूट करने के लिए महबूब स्टूडियो पहुंचे थे। चटकदार, व्यंग्य से भरे बोल, एक अनूठा बीट, किशोर कुमार की आवाज और बच्चन के जोशीले अभिनय के साथ ह्यखइके पान बनारस वाला' एक आश्चर्यजनक हिट बनकर उभरा"।

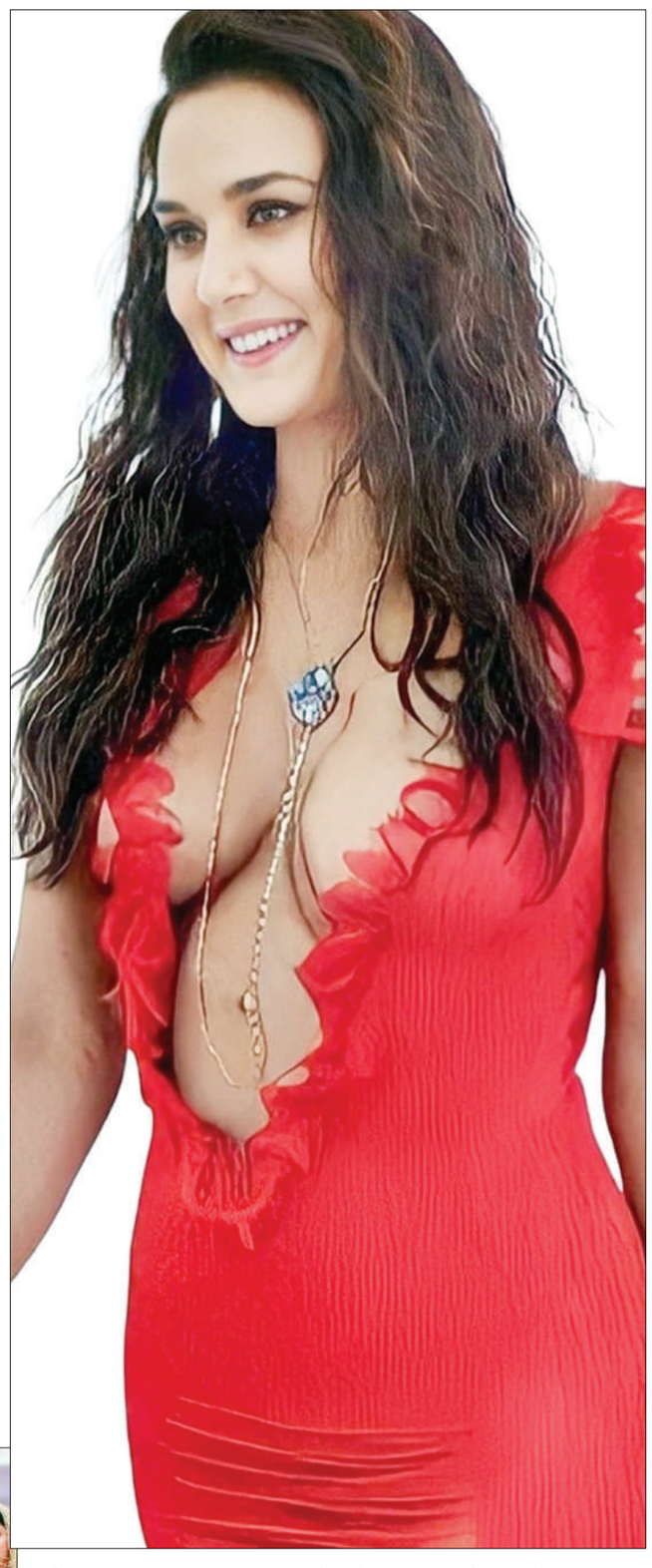

मेरा किरदार समाज में पुरुषों की बदलती भूमिकाओं को गहराई से दिखाता है

जी टीवी का नया शो बस इतना सा ख्वाब एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जो गृहिणियों के अनकहे बलिदानों और उनके परिवार के भविष्य को संवारने में उनकी खामोश कोशिशों को सामने लाता है। यह शो कानपुर की 42 साल की गृहिणी अवनी त्रिवेदी की कहानी है, जो गृहिणी के रूप में अपनी भूमिका से आगे बढ़ते हुए अपने परिवार के लिए बड़े घर का सपना पूरा करने के लिए योगदान करती है। अवनी के पति शिखर त्रिवेदी की भूमिका एक्टर योगेंद्र विक्रम सिंह निभा रहे हैं। योगेंद्र विक्रम सिंह ने अपने किरदार और शो को लेकर एक साक्षात्कार में बताया कि शिखर का सफर आज के समाज में पुरुषों की बदलती भूमिकाओं को गहराई से दिखाता है। खासतौर पर जब बात परिवार, रिश्तों और औरत एवं मर्द की भूमिकाओं की हो। वो मानता है कि पत्नी को पति से एक कदम पीछे रहना चाहिए, जैसे सीता भगवान राम के साथ चलती थीं। शिखर समाज के पारंपरिक नियमों से प्रभावित है और जब उन सीमाओं को लांघा जाता है तो वो असहज महसूस करता है। वो अवनी की परवाह करता है, लेकिन उसके योगदान को नजरअंदाज कर देता है। लेकिन, क्या वो हमेशा ऐसा ही रहेगा, क्या उसके व्यक्तित्व में कोई बदलाव आएगा, यह जानने के लिए मैं भी उत्साहित हूं। उन्होंने बताया कि मुझे शिखर के किरदार की गहराई और उलझनों ने आकर्षित किया। बाहर से वो एक मजबूत और महत्वाकांक्षी इंसान लगता है, लेकिन कहानी के साथ हम देखते हैं कि वो अपने परिवार से गहराई से जुड़ा हुआ है और उसमें एक संवेदनशील पक्ष भी है। शिखर अवनी के सफर और उसके सपनों का समर्थन करता है, लेकिन कई बार उसे चुनौती भी देता है। खासतौर पर जब बात उसकी जिम्मेदारियों और उसके खुद के सपनों के बीच संतुलन की आती है।

कलाकारों ने बताये सर्दियों के लिये अपने फिटनेस रुटीन!

जब तापमान गिरने लगता है और ठंड बढ़ जाती है, तब रजाई ओढ़कर आराम से बैठने और वर्कआउट ना करने का मन करता है। हालांकि, सर्दियों का वक्त ताकत पाने, इम्युनिटी बढ़ाने और पूरी तंदुरुस्ती पर ध्यान देने के लिये सबसे अच्छा होता है। एण्डटीवी के कलाकार ठंड के महीनों में ऐक्टिव, एनर्जी से भरपूर और स्वस्थ रहने के लिये अपने फिटनेस रुटीन बता रहे हैं। हप्पू की उलटन पलटन में राजेश की भूमिका निभा रहीं गीतांजलि मिश्रा ने कहा, सर्दियों में आपको सुस्ती का एहसास हो सकता है, लेकिन मैं फिटनेस के एक आसान और असरदार रुटीन को अपनाकर उससे निपट लेती हूँ। अपनी हार्ट रेट बढ़ाने और मेटाबोलिज्म को ऐक्टिव रखने के लिये मैं स्किपिंग, जम्पिंग जैक्स और बर्पीज जैसी इनडोर कार्डियो एक्सरसाइजेस करती हूँ। यह कसरतें जल्दी हो जाती हैं और मुझे एनर्जी से भर देती हैं। इसलिये यह व्यस्त शेड्यूल में आसानी से फिट हो सकती हैं। मौसम का मजा लेने के लिये मैं नेचर वॉक या शॉर्ट हाइक्स पर हफ्ते में एक बार जाती हूँ। बाहर की ताजी हवा मुझे नई उमंग देती है और प्रकृति से जुड़े रहने में मेरी मदद करती है। पोषण भी बहुत मायने रखता है और इसलिये सर्दियों की मेरी डाइट में बादाम, अखरोट और खजूर जैसे ड्राय फ्रूट्स शामिल होते हैं। यह मुझे ऐक्टिव रहने के लिये जरूरी एनर्जी देते हैं। अदरक और नींबू की चाय का एक गर्म प्याला इम्युनिटी बढ़ाने के लिये मेरा भरोसेमंद है। यह मेरे शरीर को डीटॉक्सीफाई करने में मदद करता है और सर्दी तथा बुखार जैसी मौसमी बीमारियों से दूर रखता है।भाबीजी घर पर हैं की अंगूरी भाबी, ऊर्फ शुभांगी अत्रे ने कहा, सर्दियों का मौसम संतुलन पाने, सक्रिय रहने और अपने शरीर को अंदर से तंदुरूस्त बनाए रखने के लिये होता है। अपने दिन की शुरूआत मैं योग और प्राणायाम से करती हूँ, ताकि मेरा शरीर लचीला रहे और दिमाग शांत। प्राणायाम से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और ऑक्सीजन का बेहतर प्रवाह सुनिश्चित होता है। यह सर्दियों में बेहद जरूरी है, क्योंकि हम ज्यादातर वक्त इनडोर रहते हैं। योग के बाद मैं 20 मिनट के लिये लाइट कार्डियो या ब्रिस्क वॉकिंग करती हूँ, ताकि खून का बहाव और मेटोबॉलिज्म सही रहे।

रीत और राघव की शादी में आशीर्वाद देने पहुंचे जी कुटुंब के कलाकार

जी टीवी के नए शो जाने अनजाने हम मिलेके हाल ही के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि रीत और राघव ने आटा-साटा की अनोखी प्रथा के तहत शादी की, ताकि उनके भाई-बहनों का भविष्य सुरक्षित हो सके। इस खास मौके पर जी कुटुंब से अमृता (सृति झा), राजवंश (अबरार काजी), और चंद्रिका (नौशीन अली सरदार) शामिल हुए। उन्होंने न सिर्फ नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया, बल्कि इस साल की सबसे अनोखी शादी का हिस्सा बनकर इसे और भी खास बना दिया। अमृता (सृति झा) ने कहा, हम रीत और राघव की अनोखी शादी में उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे। मैं चाहती हूं कि उन्हें यह एहसास हो कि रिश्ते शर्तों पर नहीं टिकते। मेरी यही कामना है कि यह समझौते पर बनी शादी प्यार में बदल जाए। राजवंश (अबरार काजी) ने कहा, ह्यह्यमैं रीत और राघव की शादी को लेकर बहुत उत्साहित हूं। राघव मेरा अच्छा दोस्त है, और एक दोस्त के तौर पर मैं उसकी खुशी में शामिल होने गया। आटा-साटा के बारे में मैंने पहली बार शो के प्रोमो में जाना, और यह मुझे काफी दिलचस्प लगा। मेरी बस यही इच्छा है कि रीत और राघव इस रिश्ते को केवल एक समझौता न समझें, बल्कि एक-दूसरे से प्यार करें। चंद्रिका (नौशीन अली सरदार) ने कहा, मैंने हमेशा लव मैरिज और अरेंज मैरिज के बारे में सुना था, लेकिन आटा-साटा जैसी प्रथा के बारे में पहली बार जाना। मेरे हिसाब से शादी का आधार प्यार और भरोसा होना चाहिए। जब यह दोनों मजबूत हों, तो रिश्ते में और किसी चीज की जरूरत नहीं रहती।

भेदभाव रहित समाज से ही दुनिया में शांति संभव, मानवाधिकार दिवस के अवसर पर बोलीं नंदिता

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और प्रशंसित अभिनेत्री नंदिता दास ने मानवाधिकार दिवस के अवसर पर कहा कि भेदभाव न करने का अधिकार ही शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण दुनिया बनाने का एकमात्र तरीका है। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर नंदिता ने कहा, "जब हम भेदभाव करते हैं तो हम दूसरों को भी ऐसा करने के लिए उकसाते हैं। हम दूसरे से डरते हैं, हम अन्यायी बन जाते हैं और हिंसा को सही बताते हैं। नंदिता के अलावा, अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, अनुष्का सेन और रुचि नारायण ने अभिनेत्री शीना चौहान की "रीड मी माय राइट्स" अभियान शुरू करने में मदद की। "रीड मी माय राइट्स" अभियान को समर्थन देने वाले सितारों की लिस्ट में प्रीति जिंटा, रवीना टंडन, सोनू सूद, इम्तियाज अली, गुनीत मोंगा, संजना सांघी समेत अन्य कलाकार भी हैं। इन सितारों ने शीना के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणापत्र में विभिन्न अधिकारों के बारे में जागरूकता लाने में मदद की है।

प्रीति जिंटा और गुनीत मोंगा ने महिला अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने का विकल्प चुना, जिसमें भेदभाव न करने का अधिकार शामिल है, सोनू सूद ने भोजन और आश्रय का अधिकार चुना, रवीना टंडन ने निष्पक्ष और स्वतंत्र दुनिया का अधिकार चुना। इम्तियाज अली ने विचार की स्वतंत्रता को चुना, संजना सांघी ने खेलने का अधिकार चुना और टिस्का चोपड़ा ने जीवन का अधिकार चुना।

खबर एक्सप्रेस

कोटक सिक्योरिटीज ने 2025 के लिए मार्केट आउटलुक जारी किया

चंडीगढ़/लुधियाना। कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड ने आज 2025 के लिए अपनी मार्केट आउटलुक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में मैक्रो-इकोनॉमिक दृष्टिकोण के साथ-साथ इक्विटी, कमोडिटी और करेंसी आउटलुक को भी शामिल किया गया है, जिन पर निवेशक आने वाले साल में ध्यान दे सकते हैं। कोटक सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ, श्रीपाल शाह ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाए हुए है, जो इसे वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक निवेश स्थान बनाता है। हम भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता पर पूरा भरोसा करते हैं, लेकिन इसके साथ ही हम निवेशकों को सतर्क आशावाद के साथ बाजार में दृष्टिकोण अपनाने की सलाह देते हैं।

अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के 6ठे दीक्षांत समारोह में सुधा मूर्ति ने छात्रों को दी प्रेरणा

चंडीगढ़/लुधियाना। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने अपने 6ठे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, जिसमें 293 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। ये छात्र बैचलर ऑफ डिजाइन, बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, मास्टर ऑफ डिजाइन और अनंत फेलोशिप इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट से जुड़े थे। समारोह में पद्म भूषण और पद्मश्री से सम्मानित, इंफोसिस फाउंडेशन की संस्थापक, लेखिका और परोपकारविद श्रीमती सुधा मूर्ति मुख्य अतिथि थीं। उनके साथ अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट श्री अजय पिरामल, प्रोवोस्ट डॉ. अनुनया चौबे, फाउंडिंग प्रोवोस्ट डॉ. प्रमथ राज सिन्हा और बोर्ड के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। पिरामल ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन, डॉ. स्वाति पिरामल ने भी इस खास अवसर की शोभा बढ़ाई।

अमेजन ने संभव के पांचवें वार्षिक सम्मलेन के मौके पर विकसित भारत के प्रति जाहिर की अपनी

शिमला/सोलन। अमेजन ने सालाना आयोजित होने वाले अपने 'संभव समिट' के पांचवें संस्करण में 'विकसित भारत' के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का विस्तार करने वाली कई पहलों की घोषणा की है। संभव समिट, अमेजन के भारत के छोटे व्यवसायों का जश्न मनाने, उनका समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने से जुड़े प्रयास का अंग है, जिसका उद्देश्य है, भारत और दुनिया भर में उन व्यवसायों के विकास में तेजी लाना। अमेजन ने इस प्रयास के तहत, भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की सरकार की प्रमुख प्राथमिकता को गति देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं।

काइनेटिक ग्रीन ने जियोथिंग्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की

चंडीगढ़/लुधियाना। काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड, भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर निमार्ता कंपनी, ने जियोथिंग्स लिमिटेड के साथ एक नई और महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। जियोथिंग्स, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की सहायक कंपनी और रिलायंस ग्रुप का हिस्सा है। यह सहयोग टिकाऊ परिवहन के समाधान को बढ़ावा देने और इलेक्ट्रिक वाहनों में यूजर अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस भागीदारी के तहत, काइनेटिक ग्रीन ने अपने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर प्लेटफॉर्म्स के लिए स्मार्ट टीएफटी-बेस्ड डिजिटल और कनेक्टेड डिस्प्ले प्लेटफॉर्म पेश किया है। यह प्लेटफॉर्म न केवल राइडिंग अनुभव को पूरी तरह से बदलने के लिए तैयार है, बल्कि इसमें एडवांस फीचर्स भी शामिल हैं, जैसे: रियल-टाइम नेविगेशन, जिससे राइडर्स हर समय सही रास्ते पर रहें, इनकमिंग कॉल नोटिफिकेशन, जिससे महत्वपूर्ण कॉल्स मिस न हों और नजदीकी चार्जिंग स्टेशन्स की जानकारी, जिससे वाहन चार्जिंग से जुड़ी किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

अवीवा इंडिया का नया युगः ग्राहकों, भागीदारों और संगठन के लिए जीवन बीमा की एक नई बोल्ड एप्रोच

चंडीगढ़। अवीवा लाइफ इंश्योरेंस इंडिया ग्राहकों की सेहत, पारदर्शिता और बीमा की सुलभता को ध्यान में रखते हुए मजबूती के साथ जीवन बीमा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। भविष्य की सोच के साथ, अवीवा ने ऐसे इनोवेटिव प्रोडक्ट और पहल की शुरूआत की है। अवीवा की यह पहल बीमा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित कर रही है। कंपनी के ये प्रोडक्ट इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) के "इंश्योरेंस फॉर ऑल" मिशन को ध्यान में रखकर पेश किए गए हैं।अवीवा की इस एप्रोच में कंपनी का पूरा फोकस ग्राहकों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर है। यह एप्रोच पाँच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, ये स्तंभ हैं शारीरिक फिटनेस, मानसिक सेहत, प्रोएक्टिव हेल्थ चेक, संतुलित पोषण और वित्तीय सुरक्षा। सेहत को लेकर कंपनी की यह एप्रोच अवीवा के प्रमुख प्रोडक्ट में भी दिखाई देती है। कंपनी के इन प्रोडक्ट में एक प्रिवेंटिव वैलनेस पैकेज भी है, जिसमें स्मार्ट स्केल, बीपी मॉनिटर, स्मार्टवॉच, एआई-पावर्ड डाइट गायडेंस, जीनोम टेस्टिंग के साथ ही न्यूट्रिशनिस्ट के साथ एक कंसल्टेशन जैसे स्मार्ट हेल्थ टूल्स भी प्रदान किए जाते हैं। वैलनेस टूल्स का यह सेट पॉलिसीधारकों को प्रोएक्टिव तरीके से अपनी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए प्रोत्साहित करता है, इसी के साथ ही ग्राहकों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए अवीवा के प्रयासों को और मजबूती प्रदान करता है।

अमेजन इंडिया ने हॉलिडे टॉय लिस्ट के 8वें संस्करण की घोषणा की

चंडीगढ़। अमेजन इंडिया ने अपने हॉलिडे टॉय लिस्ट के 8वें संस्करण की घोषणा की है। यह 24 दिसंबर, 2024 तक खरीदारों को खुशी प्रदान करने के लिए एकदम तैयार है। सोच-समझकर विशेषरूप से तैयार किए गए स्टोर में लेगो, हॉट व्हील्स, नर्फ, हैस्ब्रो, स्किलमैटिक्स, बार्बी और अन्य सहित 10,000 से ज्यादा टॉयज और गेम्स ब्रांड्स के 16 लाख प्रोडक्ट्स का विस्तृत चयन प्रदर्शित किया गया है। यह स्टोर परिवारों और उपहार देने वालों के लिए गिफ्ट देने के अनुभव को और बेहतर बनाने पर केंद्रित है। यह हॉलिडे सीजन में प्रत्येक उपहार को यादगार बनाने के लिए खुशियां और एकजुटता साथ में लाता है। राजर्षि गुइन, डायरेक्टर, बुक्स, टॉयज एंड गेम्स, अमेजन इंडिया ने कहा, अमेजन.इन पर ह्यहॉलिडे टॉय लिस्टह्न के 8वें संस्करण को पेश करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है, जो आपकी उपहार देने की सभी जरूरतों के लिए आपका भरोसेमंद डेस्टिनेशन है। जैसे-जैसे छुट्टियों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में हॉल को टॉयज और गेम्स के साथ सजाने का एकदम सही समय है, जो मौसम के जादू को बढ़ाते हैं।

इन्वेन्चरस नॉलेज सॉल्यूशंस का आईपीओ 12 दिसंबर को खुलेगा

चंडीगढ़। इन्वेन्चरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड ("कंपनी") का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024 को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली तिथि बोली/ऑफर खोलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले है, जो बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 है। बोली/ऑफर बंद होने की तिथि सोमवार, 16 दिसंबर, 2024 है। ऑफर का प्राइस बैंड रुपए 1,265 प्रति इक्विटी शेयर से रुपए 1,329 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 11 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 11 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। ऑफर में इन्वेन्चरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड के रुपए 1 अंकित मूल्य के 18,795,510 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। इस ऑफर में रुपए 1 अंकित मूल्य के 65,000 इक्विटी शेयरों तक का आरक्षण शामिल है, जो कुल मिलाकर रुपए [?] मिलियन तक है, जो पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए हमारे पोस्ट-ऑफर पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल ("कर्मचारी आरक्षण हिस्सा") के 5 प्रतिशत से अधिक नहीं है।

बोले नवनियुक्त RBI गवर्नर, सभी दृष्टिकोणों को समझ अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम कार्य करूंगा

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्व सचिव और नवनियुक्त आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा 11 दिसंबर को पदभार संभालेंगे। नियुक्ति के बाद उन्होंने कहा कि वह सभी दृष्टिकोणों को समझने और अर्थव्यवस्था के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करेंगे। वित्त मंत्रालय के बाहर संवाददाताओं सवालों का जवाब देते हुए मल्होत्रा ने कहा, "कोई भी हो उसे क्षेत्र, सभी दृष्टिकोणों को समझना होगा और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम कार्य करना होगा।" 56 वर्षीय मल्होत्रा, वर्तमान में वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव हैं, उन्हें सोमवार शाम को सरकार ने केंद्रीय बैंक के अगले गवर्नर के रूप में शक्तिकांत दास का स्थान लेने के लिए नामित किया है।

राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी मल्होत्रा को सार्वजनिक नीति-निर्धारण में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उनके पास बिजली, वित्त और कराधान जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। उन्हें ऐसे समय पर आरबीआई की कमान सौंपी जा रही है जब भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी विकास दर और लगातार बढ़ रही महंगाई की दोहरी चुनौती का सामना कर रही है।

हालांकि शक्तिकांत दास ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए लगभग दो वर्षों तक बेंचमार्क ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा, लेकिन आने वाले गवर्नर के बारे में कहा जाता है कि वे एक टीम प्लेयर हैं, जिनका मानना है कि कीमतों को अकेले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से काबू में नहीं रखा जा सकता और इस काम के लिए सरकार की मदद भी जरूरी है। मल्होत्रा ऐसे समय में आरबीआई के 26वें गवर्नर का पदभार संभाल रहे हैं जब नीति-निर्धारकों पर विकास को गति देने के लिए ब्याज दरों में कटौती करने का दबाव है। जुलाई-सितंबर की अवधि में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई, जबकि अक्तूबर में मुद्रास्फीति बढ़कर 14 महीने के उच्च स्तर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई। आरबीआई के लिए सरकार की ओर से निर्धारित मुद्रास्फीति लक्ष्य 4 प्रतिशत है, जो दो प्रतिशत अधिक या कम हो सकता है।

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले गौतम अदाणी, मुंबई में हुई मुलाकात

नई दिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से यहां उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। यह बैठक दक्षिण मुंबई में फडणवीस के 'सागर' बंगले में हुई। एक सूत्र ने बताया, "अदाणी की ओर से यह शिष्टाचार भेंट थी। वह फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हो सके थे, इसलिए आज उनसे मुलाकात की।" फडणवीस (54) ने जोरदार वापसी करते हुए पांच दिसंबर को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा महायुति गठबंधन के हजारों समर्थकों की मौजूदगी में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। अभिनेता शाहरुख खान, सलमान खान, रणबीर कपूर और माधुरी दीक्षित, क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर और उद्योगपति मुकेश अंबानी भी समारोह में शामिल हुए।

ग्रामीण भारत की साक्षरता दर में शानदार तेजी, साक्षर महिलाओं की संख्या बढ़ी

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने 100 प्रतिशत ग्रामीण साक्षरता हासिल करने में सरकारी प्रयासों और चुनौतियों को लेकर लोकसभा में जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले दशक में ग्रामीण भारत की साक्षरता दर में शानदार वृद्धि देखी गई है, जो सात वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच 2011 में 67.77 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 77.5 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि यह वृद्धि मुख्य रूप से महिला साक्षरता में 14.5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि से जुड़ी थी, जो इस अवधि के दौरान 57.93 प्रतिशत से बढ़कर 70.4 प्रतिशत हो गई। पुरुष साक्षरता में भी सुधार हुआ है, जो समान अवधि में 77.15 प्रतिशत से बढ़कर 84.7 प्रतिशत हो गई है। सदन में साक्षरता को लेकर सरकारी प्रयासों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री चौधरी ने कहा, वयस्कों के बीच ग्रामीण साक्षरता सहित साक्षरता दर में सुधार करने के लिए भारत सरकार ने कई केंद्र प्रायोजित योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं, जैसे समग्र शिक्षा अभियान, साक्षर भारत, पढ़ना लिखना अभियान और चल रहे उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम। उन्होंने वयस्क साक्षरता को बढ़ावा देने में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (एनआईएलपी) की भूमिका पर जोर दिया, जिसे लोकप्रिय रूप से 'उल्लास योजना' के रूप में जाना जाता है। अप्रैल 2022 में शुरू किया गया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के साथ जुड़ा यह कार्यक्रम 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों को लक्षित करता है।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा, 'हमने 'उल्लास' के तहत 2 करोड़ से ज्यादा शिक्षार्थियों को सफलतापूर्वक रजिस्टर किया है और 1 करोड़ से ज्यादा लोग पहले ही मूलभूत साक्षरता और न्यूमेरेसी असेसमेंट टेस्ट के लिए उपस्थित हो चुके हैं। यह योजना हाइब्रिड मोड में लागू की गई है, जिसमें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह के टूल की सुविधा मिलती है। योजना से जुड़ा मोबाइल ऐप 26 भाषाओं में काम करता है।'

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने सदन को जानकारी देते हुए बताया कि महाराष्ट्र ने 'उल्लास योजना' के तहत तेजी से प्रगति की है। महाराष्ट्र में 10.87 लाख से अधिक शिक्षार्थी रजिस्टर्ड हैं और 4 लाख शिक्षार्थी न्यूमेरेसी असेसमेंट टेस्ट में शामिल हुए हैं। बिहार ने अभी तक 'उल्लास' पहल को लागू नहीं किया है।

नई आयकर व्यवस्था को लागू करने में मल्होत्रा की महत्वपूर्ण भूमिका, पीएम मोदी के पसंदीदा नौकरशाह

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा अपने काम करने के तरीकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पसंदीदा नौकरशाहों में गिने जाते हैं। उन्होंने 2024 का बजट बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनका शुमार वित्तीय मामलों में सुधारवादी और मजबूती से काम करने वाले अफसरों में होता है।

आम सहमति बनाने में माहिर मल्होत्रा ने नई आयकर व्यवस्था को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके पास वित्त से जुड़े कामकाज संभालने का लंबा तजुर्बा है। रिजर्व बैंक का कामकाज सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स देखते हैं। मल्होत्रा के पास इसका भी अनुभव है। इसलिए, वह आरबीआई गवर्नर की रेस में सबसे आगे रहे। आरईसी लि. चेयरमैन-एमडी रह चुके मल्होत्रा के के कार्यकाल में वेतनभोगी वर्ग को राहत देने वाली नई प्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू हुई। अप्रत्याशित लाभ कर भी उन्हीं के कार्यकाल में हटाया गया।

वित्त मंत्री से भी अच्छे संबंध, विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता

राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी मल्होत्रा के पास वित्त व कराधान जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ सार्वजनिक नीति में 33 साल से अधिक का अनुभव है। आईआईटी कानपुर से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक व अमेरिका के प्रिंसटन विश्वविद्यालय से पब्लिक पॉलिसी में मास्टर मल्होत्रा के वित्त मंत्री से भी अच्छे संबंध हैं। उधर, दास उर्जित पटेल के इस्तीफे के बाद 12 दिसंबर, 2018 को 25वें गवर्नर बने थे। तीन साल के कार्यकाल के बाद सेवा विस्तार मिला था।

उच्च महंगाई के बीच रेपो दर घटाने का रहेगा दबाव

मल्होत्रा को ऐसे समय में रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया गया है, जब केंद्रीय बैंक के सामने चुनौतियों की भरमार है। आरबीआई पर रेपो दरों में कटौती का दबाव है, क्योंकि जीडीपी की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई। डॉलर के मुकाबले रुपया भी लगातार कमजोर हो रहा है। उच्च महंगाई ने भी नाक में दम कर रखा है।

मूत्र में प्रोटीन आना प्रोटीनुरिया का संकेत : डॉ. नितिन कुमार

इंडिया न्यूज नेटवर्क

पटियाला। मूत्र में प्रोटीन आना, जिसे चिकित्सा जगत में प्रोटीनुरिया कहा जाता है, शरीर में पल रहे किसी रोग का लक्षण होता है। प्रोटीन शरीर में टिश्यू के निर्माण और मरम्मत का काम करता है, लेकिन यह मूत्र के मार्ग से बाहर नहीं निकलता। लेकिन अगर किडनी पर दबाव ज्यादा हो या फिर वो क्षतिग्रस्त हों, तो एल्बुमिन जैसे प्रोटीन मूत्र के मार्ग से बाहर निकलने लगते हैं। कभी-कभार मूत्र में प्रोटीन आ जाना चिंताजनक नहीं है, लेकिन अगर लगातार ऐसा हो रहा है, तो इसके कारण को पहचानकर इसका इलाज कराया जाना बहुत आवश्यक है। प्रोटीनुरिया के लक्षणों में मूत्र में झाग आना, सूजन, थकान, साँस फूलना, और बार-बार या कम मूत्र आना शामिल हैं। डॉ. नितिन कुमार, कंसलटेंट, नेफ्रोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल, पटियाला प्रोटीनुरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए कुछ उपाय बताए हैं:- ढेर सारा पानी पिएं: किडनी ठीक से काम करती रहें, इसके लिए ढेर सारा पानी पीना चाहिए। रक्तचाप की निगरानी करें: उच्च रक्तचाप के कारण किडनी धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होने लगती हैं। ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखें: डायबिटीज होने पर शुगर को नियंत्रित रखना चाहिए ताकि किडनी पर दबाव कम पड़े। संतुलित आहार लें: किडनी पर दबाव कम करने के लिए डॉक्टर के परामर्श से सोडियम और प्रोटीन का सेवन कम किया जा सकता है। नियमित व्यायाम करें: शारीरिक व्यायाम से संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार होता है और किडनी भी मजबूत होती हैं।धूम्रपान और मदिरासेवन न करें: इन दोनों से किडनी अस्वस्थ हो सकती हैं और प्रोटीनुरिया बढ़ सकता है।प्रोटीनुरिया की समय पर पहचान और इलाज से क्रोनिक किडनी रोग जैसी गंभीर समस्याओं का जोखिम कम किया जा सकता है। किडनी फेल हो जाने पर किडनी ट्रांसप्लांट करना पड़ता है।

अमेजन ने विकसित भारत के प्रति जाहिर की अपनी प्रतिबद्धता

चंडीगढ़। अमेजन ने सालाना आयोजित होने वाले अपने 'संभव समिट' के पांचवें संस्करण में 'विकसित भारत' के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का विस्तार करने वाली कई पहलों की घोषणा की है। संभव समिट, अमेजन के भारत के छोटे व्यवसायों का जश्न मनाने, उनका समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने से जुड़े प्रयास का अंग है, जिसका उद्देश्य है, भारत और दुनिया भर में उन व्यवसायों के विकास में तेजी लाना। अमेजन ने इस प्रयास के तहत, भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की सरकार की प्रमुख प्राथमिकता को गति देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं। अमेजन ने अपने संभव वेंचर फंड से 120 मिलियन डॉलर ऐसे स्टार्टअप में निवेश करने के लिए निर्धारित किए हैं जो भारत में उपभोक्ता वस्तुओं के विनिर्माण को डिजिटल बनाएंगे और घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करेंगे, जिससे हजारों की तादाद में रोजगार पैदा होंगे। अमेजन अपनी निर्यात प्रतिबद्धता को चार गुना बढ़ा रही है और 2030 तक भारत से कुल 80 अरब डॉलर से अधिक का निर्यात संभव बनाने की योजना बना रही है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारतीय एमएसएमई, विनिमार्ताओं और डी2सी स्टार्टअप के लिए अमेजन के ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम के जरिये करने के साथ-साथ अमेजन के ग्लोबल मार्केटप्लेस में बेचे जाने वाले मेड-इन-इंडिया उत्पादों की सोर्सिंग के संयोजन से प्रेरित होगी।

वायरल पोस्ट में दावा- यस मैडम ने 100 कर्मियों को निकाला, कंपनी का जवाब- मकसद तो कुछ और था

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कभी शार्क टैंक इंडिया में शरकत करने वाले स्टार्टअप यस मैडम को अपने एचआर विभाग की एक आंतरिक ईमेल वायरल होने के बाद काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। लिंक्डइन पर एक कर्मचारी की ओर से शेयर किए गए ईमेल में बताया गया था कि एक सर्वेक्षण में कार्यस्थल पर तनाव महसूस करने की बात स्वीकार करने के बाद 100 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया। हालांकि, अब इस मसले से पर कंपनी ने अपना मुंह खोला है और स्पष्टीकरण कर जारी पर आरोपों का खंडन किया है।

स्टार्टअप ने कहा, "हमें हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई उन पोस्टों से हुई परेशानी के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं, जिनमें कहा गया था कि हमने कर्मचारियों को तनाव के कारण नौकरी से निकाल दिया। हम ऐसा अमानवीय कदम कभी नहीं उठाएंगे। हमारी टीम हमारे लिए परिवार की तरह है और उनकी लगन, कड़ी मेहनत और जुनून हमारी सभी सफलता की नींव है।"

नोएडा स्थित स्टार्टअप ने कहा कि किसी भी कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकाला गया और यह सर्वेक्षण कार्यस्थल पर तनाव को उजागर करने के उद्देश्य से की गई जागरूकता पहल का हिस्सा था। कंपनी ने कहा, "सोशल मीडिया पर किया गया पोस्ट कार्यस्थल पर तनाव के गंभीर मुद्दे को उजागर करने का एक सुनियोजित प्रयास था। और जिन लोगों ने गुस्से वाली टिप्पणियां साझा कीं या मजबूत राय व्यक्त की, हम उन्हें धन्यवाद कहते हैं। जब लोग ऐसा बोलते हैं, तो यह दर्शाता है कि वे परवाह करते हैं। घर पर सैलून सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी यस मैडम ने स्पष्ट किया कि जिन कर्मचारियों ने तनाव की शिकायत की थी, उन्हें तनाव से उबरने के लिए अवकाश दिया गया। साथ ही, उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कंपनी ने हैप्पी 2 हील और डी-स्ट्रेस अवकाश नीति की शुरूआत...अपने स्पष्टीकरण नोट में, यस मैडम ने "हैप्पी 2 हील" नामक एक नए कॉर्पोरेट कार्यक्रम की घोषणा की। इस पहल के तहत कार्यस्थल पर सिर की मालिश और स्पा सत्र उपलब्ध कराए जाएंगे, जो कर्मचारियों को आराम और ऊर्जा प्रदान करने में मदद करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। स्टार्टअप ने भारत की पहली डी-स्ट्रेस लीव पॉलिसी भी पेश की है। इस पॉलिसी के तहत, कर्मचारियों को अपने मानसिक स्वास्थ्य और कायाकल्प पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सालाना छह डी-स्ट्रेस पेड लीव मिलेंगी। इसके अलावा, उन्हें घर पर एक कॉम्प्लीमेंट्री स्पा सेशन भी मिलेगा।

पुलिस ने फर्जी ओयो ब्रांडेड होटलों के खिलाफ संयुक्त अभियान शुरू किया

इंडिया न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद पुलिस ने ओयो के सहयोग से एक संयुक्त अभियान की शुरूआत की है, जिसका मुख्य उद्देश्य बिना अनुमति के ओयो का ब्रांडिंग करने वाले अवैध होटलों के खिलाफ कार्रवाई करना है। यह कदम ओयो द्वारा गाज़ियाबाद के साहिबाबाद क्षेत्र में स्थित 10 से अधिक होटलों के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराने के बाद उठाया गया है, जिन्होंने कंपनी का नाम और लोगो बिना अनुमति के इस्तेमाल किया था।

ओयो ने पहले इन होटलों को कानूनी नोटिस भेजकर उनसे अपनी ब्रांडिंग हटाने की मांग की थी। इस अभियान के तहत, पुलिस ने इन होटलों का दौरा किया और फर्जी ओयो ब्रांडिंग के कानूनी परिणामों के बारे में होटल प्रबंधन को चेतावनी दी। यह अभियान ओयो के राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मेहमानों के लिए सुरक्षित और संरक्षित आवास सुनिश्चित करना, जागरूकता फैलाना, हितधारकों को शिक्षित करना, और होटलों में अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ एक सहयोगी दृष्टिकोण अपनाना है। इन अवैध होटलों द्वारा अक्सर ग्राहकों को गुमराह करने वाले विज्ञापनों और निम्न गुणवत्ता वाली सुविधाओं का प्रचार किया जाता है, जिससे ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है और अनजाने यात्रियों को असुविधा होती है। ओयो इंडिया के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, वरुण जैन ने कहा, यह पहल हमारे पार्टनर होटलों में ठहरने वाले मेहमानों के अनुभवको बेहतर बनाने के हमारे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। कानून प्रवर्तन के साथ हमारी साझेदारी यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे नाम से चलने वाले नकली होटलों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और ओयो की पेशकशों की सत्यनिष्ठा बनी रहे। हम मेहमानों को ओयो के आधिकारिक ऐप या वेबसाइट के माध्यम से बुकिंग करने और किसी भी धोखाधड़ी वाले होटल की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

सर्दियों में बच्चों की स्वास्थ्य रक्षा पर जानकारी दी

चंडीगढ़। बच्चों का शरीर नाजुक होता है, इसलिए सर्दियों के गिरते तापमान के साथ उन्हें कई तरह की बीमारियाँ होने का खतरा होता है। ठंडे मौसम में उन्हें अनेक संक्रमण हो सकते हैं। इसलिए माता पिता के लिए जरूरी है कि वो इस मौसम में अपने बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए पहले से सावधानी के उपाय कर लें। सर्दियों में जुकाम, फ्लू और निमोनिया सबसे ज्यादा फैलने वाली बीमारियाँ हैं। इन श्वसन रोग में खांसी, छींक, बुखार और साँस लेने में तकलीफ हुआ करती है। वायरस के बढ़ने पर बच्चों को कान का संक्रमण हो जाता है। अगर बच्चों में अस्थमा के लक्षण मौजूद हों, तो ठंडी और खुश्क हवा में वो बिगड़ सकते हैं, जिसकी वजह से खांसी और साँस लेने में तकलीफ होती है।

ठंडे और खुश्क मौसम में त्वचा पर एक्जिमा भी हो सकता है, जिसकी वजह से खुजली, लाली और बेचैनी हो सकती है। बीमारी में पानी पीना और ज्यादा जरूरी होता है। इसके अलावा पर्याप्त आराम करने से शरीर संक्रमण से लड़कर ज्यादा तेजी से स्वस्थ हो पाता है। साथ ही घर में ह्यूमिडिफायर लगाने से हवा में नमी बनी रहती है, जिससे जकड़न से आराम मिलता है और त्वचा का रूखापन कम हो जाता है।

एक नजर

विश्व कप 2034 की सऊदी अरब की मेजबानी पर मोहर लगाएगा फीफा

नई दिल्ली। फीफा इसके लिए बुधवार को ज्यूरिख में एक विशेष कांग्रेस का आयोजन करेगा। इस बैठक में उसके 211 सदस्य ऑनलाइन भाग लेंगे। फीफा मुख्यालय में बंद कमरे में होने वाली बैठक का इसकी वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया जा सकता है। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा बुधवार को अपनी विशेष बैठक में 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबान के रूप में सऊदी अरब के दावे पर अंतिम मोहर लगाएगा। इसके अलावा 2030 में होने वाले विश्व कप का आयोजन तीन महाद्वीप और छह देश में करने के फैसले की भी पुष्टि की जाएगी। इस विश्व कप की मेजबानी तीन देशों स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को सौंपी गई है लेकिन इसके तीन मैच दक्षिण अमेरिकी देशों में खेले जाएंगे। उरुग्वे ने 1930 में पहले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। वह 2030 में होने वाले विश्व कप के पहले मैच की मेजबानी भी करेगा। इससे पहले उद्घाटन समारोह अभी इसी देश में आयोजित किया जाएगा। उरुग्वे के अलावा अर्जेंटीना और परागवे भी 2030 में होने वाली प्रतियोगिता के एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। फीफा इसके लिए बुधवार को ज्यूरिख में एक विशेष कांग्रेस का आयोजन करेगा। इस बैठक में उसके 211 सदस्य ऑनलाइन भाग लेंगे। फीफा मुख्यालय में बंद कमरे में होने वाली बैठक का इसकी वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया जा सकता है। विश्व कप 2030 और 2034 मेजबानों की पुष्टि पंजीकृत वोट के बजाय संयुक्त निर्णय से की जा सकती है। फीफा ने 2026 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी के लिए जून 2018 में मॉस्को में हुए मतदान में प्रत्येक सदस्य की पसंद का खुलासा किया था।

पूजा ने जूनियर राष्ट्रीय में ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया, इतने मीटर की लगाई छलांग

नई दिल्ली। इस साल की शुरूआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा ने सोमवार को यहां कलिंगा स्टेडियम में 39वीं राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप के तीसरे दिन अपने अंडर-18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। 17 वर्षीय पूजा ने हेप्टाथलॉन प्रतियोगिता के दौरान ऊंची कूद में 1.85 मीटर की छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका 1.83 मीटर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अगस्त में पेरू के लीमा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान दर्ज किया गया था। इस साल की शुरूआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। पुरुषों की अंडर-20 400 मीटर दौड़ में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही 2017 में अमोज जैकब द्वारा निर्धारित 46.59 सेकंड के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया।

'वह फ्रंट फुट...', हरभजन सिंह का बड़ा खुलासा, कहा- गाबा टेस्ट के लिए खास तैयारी कर रहे विराट कोहली

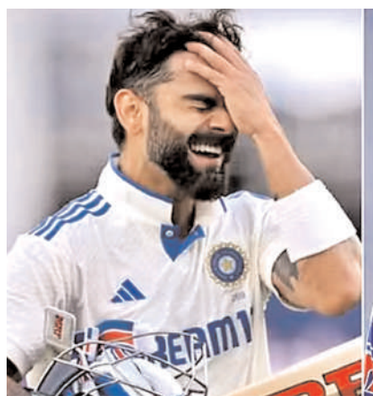

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने मंगलवार सुबह एडिलेड में ट्रेनिंग की और अगले दिन ब्रिस्बेन के लिए रवाना हो गई। तीसरा टेस्ट मैच 14 दिसंबर से गाबा में खेला जाएगा। यह वही मैदान है जहां भारत ने 2020-21 दौरे पर इतिहास रचा था। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले नेट्स में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि विराट ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने जा रहे हैं। कोहली ब्रिसबेन टेस्ट की तैयारियों के दौरान बैकफुट पर काम करते दिखे। गाबा की पिच में भी काफी गति और उछाल होगा और बल्लेबाजों को बैकफुट पर मजबूत खेल की जरूरत होगी। कोहली के साथ काफी क्रिकेट खेलने वाले हरभजन ने कहा कि वह फ्रंटफुट बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन गाबा में उछाल से निपटने के लिए बैकफुट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते हुए देखा है। मैंने उनके साथ बहुत क्रिकेट खेली है। वह फ्रंट फुट के खिलाड़ी हैं। भारतीय सरजमीं पर उछाल को जानते हुए भी आपको फ्रंट फुट पर रहना होता है। जो लोग भारत में फ्रंट फुट का सही इस्तेमाल कर चुके हैं, उनमें रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ, लैंगर, हेडन शामिल हैं। हालांकि, जब ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उछाल की बात आती है तो, ये खिलाड़ी बैकफुट पर भी अच्छा खेलते थे। ऑस्ट्रेलिया में आपको जिस तरह का उछाल मिलता है, आपको उसके लिए हर तरह से अच्छा खिलाड़ी बनना होगा। आपको बैकफुट पर अच्छा खेल दिखाना होगा। वह उसी का अभ्यास कर रहे थे।' टीम इंडिया ने मंगलवार सुबह एडिलेड में ट्रेनिंग की और अगले दिन ब्रिस्बेन के लिए रवाना हो गई। तीसरा टेस्ट मैच 14 दिसंबर से गाबा में खेला जाएगा। यह वही मैदान है जहां भारत ने 2020-21 दौरे पर इतिहास रचा था। हरभजन को उम्मीद है कि एडिलेड में विफलता के बाद कोहली तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'जो मैंने देखा है, वह बैकफुट पर काफी गेंदें खेल रहे थे। वह फुल लेंथ की गेंद के लिए आगे बढ़ रहे थे, लेकिन जो गेंदें फुल लेंथ से थोड़ी कम थीं या शॉर्ट थीं, वह या तो उन्हें छोड़ रहे थे या उन्हें बैकफुट पर खेलने की कोशिश कर रहे थे।'

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी- बंगाल ने चंडीगढ़ को हराया

शमी ने 32 रन बनाए, 1 विकेट भी लिया; यूपी 4 विकेट से जीता

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बंगाल ने चंडीगढ़ को 3 रन से हरा दिया। मोहम्मद शमी ने 32 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया। वहीं दूसरे प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने आंध्र प्रदेश को 4 विकेट से हरा दिया। रिंकू सिंह ने 27 रन की नॉटआउट पारी खेली। चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया। टीम ने बंगाल के 8 विकेट 114 रन पर गिरा दिए थे। लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी करने आए शमी ने 17 बॉल पर नाबाद 32 रन बना दिए, जो आखिर में टीम के लिए मैच जिताऊ पारी साबित हुई। चंडीगढ़ से जगजीत सिंह ने 4 विकेट लिए। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बंगाल ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट पर159 रन बनाए। जवाब में चंडीगढ़ 20 ओवर खेलकर 156 रन ही बना सकी। राज बावा ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। बंगाल के लिए शमी ने 4 ओवर में 13 डॉट बॉल डाली, 25 रन देकर 1 विकेट भी लिया। सायन घोष ने 4 विकेट लिए। चंडीगढ़ को जीत के लिए 20वें ओवर में 11 रन चाहिए थे। यहां कप्तान घरामी ने सायन घोष को बॉलिंग दी। जिन्होंने यॉर्कर बॉल पर निखिल शर्मा को आउट किया।

शमी ने फिटनेस साबित की

मोहम्मद शमी ने पहले बैट फिर बॉल दोनों के साथ शानदार परफॉर्म किया। उन्होंने 188.23 के स्ट्राइक रेट से 32 रन बनाए। शमी ने पारी में 3 चौके और 2 सिक्स भी लगाए। वहीं उन्होंने 139kmph की रफ्तार से बॉलिंग करते हुए 4 ओवर में 25 रन देकर 1 विकेट लिए। उन्होंने ओपनर अरसलान खान को शून्य के स्कोर पर आउट किया। 34 साल के शमी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 16 दिन में 8 मैच खेले और लगभग सभी मैचों में अपने 4 ओवर का कोटा पूरा किया। जिससे पता चलता है की वह पूरी तरह से फिट हैं।

सैयद मुश्ताक अली में अब तक 9 विकेट ले चुके

कई बॉलिंग एक्सपर्ट्स का मानना था कि शमी अपने इस सीजन के पहले रणजी ट्रॉफी मैच मध्यप्रदेश के खिलाफ ओवरवेट दिख रहे थे। मैच में उन्होंने दोनों इनिंग मिलाकर 42 ओवर जरुर डाले थे। लेकिन उनको अपने फॉलो थ्रू को लेकर दिक्कतें आ रही थी। चंडीगढ़ के खिलाफ शमी पूरी तरह से अपनी लय में दिखे। उन्होंने अपने पहले 3 ओवर के स्पेल में मात्र 11 रन दिए। इसके बाद चौथे ओवर में शमी को जगजीत ने एक चौका और छक्का लगाया। सैयद मुश्ताक अली और रणजी ट्रॉफी को मिलाकर शमी ने कुल 64 ओवर डाले। जिसमें उन्होंने 16 विकेट लिए। शमी ने मध्यप्रदेश के खिलाफ रणजी में 42.3 ओवर की गेंदबाजी की और 7 विकेट लिया। वहीं मुश्ताक अली के आठ मैच में 31.3 ओवर डालकर 9 विकेट लिए।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अफगानिस्तान टीम के लिए खुशखबरी, ट्रॉट का अनुबंध एक साल के लिए बढ़ाया गया

नई दिल्ली। इंग्लैंड के 43 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज ट्रॉट ने जुलाई 2022 में अफगानिस्तान के मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके मार्गदर्शन में टीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभावशाली प्रगति की है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है और इस तरह से वह 2025 में भी अपनी इस भूमिका को निभाएंगे। यह घोषणा अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से कुछ महीने पहले की गई है। अफगानिस्तान पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। इंग्लैंड के 43 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज ट्रॉट ने जुलाई 2022 में अफगानिस्तान के मुख्य कोच का पद संभालाा था। उनके मार्गदर्शन में टीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभावशाली प्रगति की है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ट्रॉट को अफगानिस्तान की टीम के साथ अगले साल के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता है। वह अफगानिस्तान क्रिकेट को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।' ट्रॉट की नियुक्ति के बाद से अफगानिस्तान ने 34 एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिनमें से 14 में उसने जीत हासिल की है। इस दौरान अफगानिस्तान ने जो 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले उनमें से 20 में उसे जीत मिली। अफगानिस्तान की टीम अभी जिंबॉब्वे का दौरा कर रही है जहां वह तीन टी20, तीन वनडे और जो टेस्ट मैच खेलेगी। ट्रॉट वनडे सीरीज के लिए ही अपनी सेवाएं दे पाएंगे। वह व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के कारण टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। बयान में कहा गया है कि ट्रॉट की अनुपस्थिति में हामिद हसन मुख्य कोच और नवरोज मंगल सहायक मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे।

सबालेंका को शानदार प्रदर्शन का इनाम, डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया। सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया। सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

दीपिका की हैट्रिक से भारत ने मलयेशिया को 5-0 से हराया, जूनियर महिला एशिया कप हॉकी में लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली। भारत के लिए इस मैच में दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में गोल किया, जबकि वैष्णवी फाल्के ने 32वें और कनिका सिवाच ने 38वें मिनट में गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत गत विजेता भारत ने मलयेशिया को 5-0 से हराकर जूनियर महिला एशिया कप हॉकी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यह टूर्नामेंट के इतिहास में भारत की मलयेशिया पर लगातार तीसरी जीत है। 2015 में भारत ने 9-1 से और 2023 में 2-1 से जीत दर्ज की थी। भारत ने पिछले मैच में बांग्लादेश को 13-1 से रौंदा था। भारत के लिए इस मैच में दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में गोल किया, जबकि वैष्णवी फाल्के ने 32वें और कनिका सिवाच ने 38वें मिनट में गोल किया। पेनाल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद मलयेशियाई रक्षण के आगे भारतीय टीम मध्यांतर तक कोई गोल नहीं कर पाई, लेकिन तीसरे क्वार्टर से स्थितियां बदल गईं। 32वें मिनट में वैष्णवी ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। पांच मिनट बाद दीपिका ने पेनाल्टी कॉर्नर पर ही गोल किया। 37वें मिनट में कनिका ने मैदानी गोल दागा।

नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब को मिली एकतरफा जीत

डॉ.श्रीकृष्ण शर्मा

नई दिल्ली। यहाँ अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर खेली जा रही दिल्ली सॉकर एसोसिएशन प्रीमियर लीग में खेलते हुए नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब ने आठ खिलाडियों वाली भारतीय वायुसेना को 9-0 के अंतर से पराजित करके पूरे अंक अर्जित कर लिये। नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब की जीत को इस लीग की बडी जीत कहा जा रहा है। हिंदुस्तान फुटबाल क्लब की टीम ने भी नामी सुदेवा दिल्ली फुटबाल क्लब को परास्त करके जीत अपने नाम कर ली। सेमान विश्वास ने भारतीय वायुसेना टीम के खिताफ खेलते हुए अपनी टीम के लिए तिकड़ी जमाने में सफलता पाई। इस जीत में धना चंद्रा ने दो गोल का सहयोग दिया। कोम, आशीष क्षेत्री, सनी और रोशन ने एक एक गोल करके टीम को एफतरफा बनाने में बडा काम किया। वायुसेना की टीम अपने कई खिलाडियों की व्यस्तता के चलते पूरे दामखम से नहीं दिखा पाई। दूसरे मैच में हिंदुस्तान फुटबाल क्लब ने नामी सुदेवा दिल्ली फुटबाल क्लब को 1 -0 के अंतर से हराकर बडा उलटफेर किया। यह मैच पूरी तरह से मैच उतार चढ़ाव वाला रहा। एक पेनल्टी पर गलत निशाना लगाने और आखिरी मिनट में एक खिलाड़ी के लाल कार्ड देखने के बावजूद हिंदुस्तान ने सुदेवा को हरा कर महत्वपूर्ण अंक अपने खाते में दर्ज करा लिया। विजेता टीम का गोल कीलोंग लालबोलेन ने नौवें मिनट में किया।

सिराज के समर्थन में उतरे रवि शास्त्री, बोले- भारतीय गेंदबाज को आगे भी यही रवैया अपनाना चाहिए

नई दिल्ली। एडिलेड टेस्ट में सिराज की दर्शकों द्वारा हूटिंग की गई थी। इस मैच के दौरान सिराज की मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड के साथ नोकझोंक भी हुई थी जिस कारण आईसीसी ने उन पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगाया था। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री चाहते हैं कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में आगे भी अपना आक्रामक रवैया जारी रखें। शास्त्री ने कहा कि सिराज को कदम पीछे नहीं खींचने चाहिए। अपने कोचिंग कार्यकाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो सीरीज जीत चुके शास्त्री ने कहा कि उनके समय में आइडिया यह था कि ऑस्ट्रेलिया को उसी की भाषा में समझाया जाए और पूरे सीरीज के दौरान एक भी भारतीय खिलाड़ी कदम पीछे नहीं खींचे। एडिलेड टेस्ट में सिराज की दर्शकों द्वारा हूटिंग की गई थी। इस मैच के दौरान सिराज की मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड के साथ नोकझोंक भी हुई थी जिस कारण आईसीसी ने उन पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगाया था और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़े थे। शास्त्री ने एक कॉलम में लिखा, मुझे यकीन है कि सिराज और हेड काफी परिपक्व हैं जो इन चीजों सो सुलझाना जानते हैं और यह मुद्दा अब सुलझ गया होगा। चाहे जो हो छक्का लगने के बाद मैं एक तेज गेंदबाज से कुछ उम्मीद भी नहीं कर सकता था। सिराज ने थोड़ी भावनाएं व्यक्त की जो किसी तेज गेंदबाज का व्यवहार होता है। आपको इसे इसी तरह देखना चाहिए। शास्त्री ने कहा, जब मैं खेलता था तो मेरी नीति थी कि सामने वाले को उस तरह जवाब दो जितनी अच्छे से आप दे सकते हो। जब मैं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोच की तरह गया तो मैंने अपने खिलाड़ियों से यही कहा था। एक कदम भी पीछे नहीं लेना है। यह टीम का रवैया बन गया था और तब से विराट कोहली, ऋषभ पंत से लेकर टीम के सभी सदस्यों ने ऑस्ट्रेलिया को उन्हीं की भाषा में समझाया।